www.hindmatamirror.com ● वर्ष: 12 ● अंक: 196 ● ठाणे, गुरुवार 9 अप्रैल, 2026 ● पेज: 8 ● मूल्य: 2 रुपए hindmatamirror1@gmail.com

RNI. NO. MAHHIN/2011/43060

दैनिक हिंदमाता मिरर

पैनी नजर, पुख्ता खबर

पढ़ाई पर ध्यान दो और नशे-शराब से दूर रहो: रजनीकांत

पेज 8

मृणाल के साथ दिखेंगे वरुण

8 पेज

सुप्रभात

सुंदरता की खोज में हम चाहे संसार का चक्कर लगा आएं, अगर वह हमारे नहीं है, तो कहीं नहीं मिलेगी। बहुत सारे लोग जितनी मेहनत से नरक में जाते हैं, उससे आधी से स्वर्ग में जा सकते हैं। **-एमरसन**

मौसम का मिजाज

सूर्यास्त (9 अप्रैल) 6:54 बजे, सूर्योदय (10 अप्रैल) 6:26 बजे, **तापमान: 30 डिग्री से. (धूप खिली रहेगी।)**

शॉर्ट स्टोरी

आरबीआई ने रेपो रेट में नहीं किया कोई बदलाव

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नए वित्त वर्ष की अपनी पहली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) में ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं करने का फैसला किया है। गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता वाली छह सदस्यीय एमपीसी ने सर्वसम्मति से रेपो रेट को 5.25% पर बरकरार रखा। संजय मल्होत्रा ने कहा कि घरेलू स्तर पर महंगाई फिलहाल नियंत्रण में है, लेकिन वैश्विक स्तर पर सप्लाई बाधाएं और ऊर्जा कीमतों में बढ़ोतरी आगे जोखिम पैदा कर सकती है। आरबीआई का मुख्य लक्ष्य महंगाई को टिकाऊ रूप से 4% के आसपास बनाए रखना और आर्थिक विकास को समर्थन देना है। महंगाई का अनुमान 4.6% रखा गया है।

एमपीएससी में विजय नागनाथ लामका टॉप

हिंदमाता नेटवर्क @ सोलापुर

महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग (एमपीएससी) द्वारा 27 से 29 मई, 2025 तक आयोजित राज्य सेवा (मुख्य) परीक्षा-2024 का अंतिम परिणाम 8 अप्रैल, 2026 को आयोग की वेबसाइट पर प्रकाशित किया गया है। 20 विभिन्न श्रेणियों में कुल 461 पदों के लिए उम्मीदवारों ने परीक्षा पास की है। सोलापुर जिले के विजय नागनाथ लामका (624 अंक) ने सामान्य और अन्य पिछड़ा वर्ग के उम्मीदवारों में राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त किया है, जबकि सोलापुर जिले की आरती परमेश्वर जाधव (601 अंक) ने महिलाओं में राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। विजय लामका ने जिला परिषद के स्कूल में पढ़ाई की है।

भोंदू खरात को 14 दिन की न्यायिक हिरासत

हिंदमाता नेटवर्क @ नाशिक

नाशिक जिले की एक अदालत ने बुधवार को स्वयंभू बाबा अशोक खरात को बलात्कार के दूसरे मामले में 21 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। इस मामले में स्वयंभू बाबा पर आरोप है कि उसने 2020 से धार्मिक अनुष्ठानों की आड़ में एक महिला का कई बार यौन शोषण किया। खरात के खिलाफ मामलों की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) ने बुधवार को दूसरे मामले में खरात की पुलिस हिरासत समाप्त होने के बाद उसे मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट बी एन इचपुरानी की अदालत में पेश किया। सुरक्षा कारणों से खरात को अदालत में पेश नहीं किया गया और कार्यवाही वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से की गई।

20 रुपए में बेचे जा रहे थे अश्लील वीडियो!

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

महाराष्ट्र साइबर सेल ने अशोक खरात और पीड़िताओं के कथित आपत्तिजनक वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित करने के आरोप में एफआईआर दर्ज की है। यह मामला आईटी एक्ट की धारा 67 के तहत दर्ज किया गया है। जांच एजेंसी ने चार अलग-अलग सोशल मीडिया लिंक के खिलाफ मामला दर्ज किया है, जिनके जरिए ये वीडियो प्रसारित किए जा रहे थे। जानकारी के अनुसार, अशोक खरात से जुड़े 15 से 17 अश्लील वीडियो फेसबुक, इंस्टाग्राम, टेलीग्राम और पोर्न साइट्स पर वायरल किए गए। कुछ मामलों में इन वीडियो को देखने के इच्छुक लोगों से 20 से 50 रुपए प्रति वीडियो वसूले जा रहे थे।

होर्मुज पर ट्रंप का नया बयान- दोनों 'भाई' मिलकर वसूलेंगे टोल... अब क्या करेगा ईरान?

युद्ध विराम या अवैध टोल वसूली का इंतजाम?

- सीजफायर के बाद डोनाल्ड ट्रंप का टैरिफ अटैक, ईरान को हथियार देने वाले देशों पर लगेगा 50% अधिक शुल्क
- हर मालवाहक जहाज से 2 मिलियन डॉलर वसूलना चाहता है ईरान, सालाना 500 बिलियन डॉलर वसूली का लक्ष्य

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

चालीस दिनों से अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच चल रही जंग ने पूरी दुनिया को कतार में खड़ा कर दिया। रसोई गैस और ईंधन की किल्लत ने दुनिया परेशान कर दिया। एक रात पहले ट्रंप ने एक समूची सभ्यता का नामोनिशान मिटा देने की धमकी दी और जब पूरी दुनिया टकटकी लगाए रही कि न जाने सनकी ट्रंप किस नई तबाही का किस्सा लिखने लगे, तभी ट्रंप ने ऐलान कर दिया कि अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच चल रही जंग दो सप्ताह तक बंद रहेगी। इस युद्ध विराम के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ईरान दोनों ही अपनी-अपनी जीत का ढोल पीट रहे हैं, लेकिन अब ट्रंप के जो बयान सामने आ रहे हैं उससे साफ हो रहा है कि ट्रंप का मकसद ईरान पर किसी तरह का परमाणु नियंत्रण लाना नहीं बल्कि तेल के खेल का है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सीजफायर के बाद बड़ा बयान दिया है। उन्होंने होर्मुज जलडमरूमध्य जलमार्ग से टोल वसूलने के लिए अमेरिका-ईरान ज्वॉइंट वेंचर का सुझाव दिया है। अमेरिकी मीडिया से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि हम इसे एक संयुक्त उद्यम के रूप में करने के बारे में सोच रहे हैं। यह इसे सुरक्षित करने का एक तरीका है। साथ ही इसे अन्य कई लोगों से भी सुरक्षित करना है। यह एक खूबसूरत चीज है।

टैरिफ व प्रतिबंधों में राहत

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दो हफ्ते के सीजफायर की घोषणा के बाद बड़ा बयान देते हुए कहा है कि अमेरिका और ईरान अब मिलकर काम करेंगे और दोनों देशों के बीच टैरिफ व प्रतिबंधों में राहत को लेकर बातचीत जारी है। ट्रंप ने बताया कि अमेरिका द्वारा ईरान को दिए गए 15 प्रस्तावों में से कई बिंदुओं पर सहमति बन चुकी है, हालांकि उन्होंने इन बिंदुओं का खुलासा नहीं किया। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि हम ईरान के साथ टैरिफ और प्रतिबंधों में राहत पर बातचीत कर रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे। ईरान ने भी ट्रंप के सामने दस शर्तें रखी हैं और अब ट्रंप को उन शर्तों पर कोई खास एतराज नहीं है।

वैश्विक बाजारों में भी सकारात्मक असर

सीजफायर की खबर के बाद ईरान में राहत का माहौल देखने को मिला है, वहीं वैश्विक बाजारों में भी सकारात्मक असर पड़ा है। हालांकि दोनों देशों के बीच मुख्य विवाद अभी भी सुलझे नहीं हैं और शांति समझौते को लेकर मतभेद बने हुए हैं।

ईरान को हथियार देने वाले देशों पर लगेगा 50% अधिक शुल्क

ट्रंप ने चेतावनी दी कि जो भी देश ईरान को हथियार मुहैया कराएगा, उसके अमेरिकी निर्यात पर 50% टैरिफ लगाया जाएगा। उन्होंने चीन और रूस पर इशारा करते हुए कहा कि इन देशों ने ईरान को मिसाइल, एयर डिफेंस सिस्टम और अन्य सैन्य तकनीक देकर उसकी क्षमता बढ़ाई है, हालांकि हालिया हमलों के दौरान उनका समर्थन सीमित रहा। इस बीच अमेरिका और इजरायल के हमलों में ईरान के कई शीर्ष नेताओं की मौत हो गई, जिनमें सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई भी शामिल हैं। उनके बाद उनके बेटे मोजतबा खामेनेई को नया सर्वोच्च नेता बनाया गया है।

500 बिलियन डॉलर वसूलना चाहता है ईरान

ईरान और अमेरिका के बीच सीजफायर की घोषणा से खाड़ी का सिनेरियो बदल गया है। जॉर्डन, यूएई और बहरीन जैसे देश इस सीजफायर से जहां परेशान हैं, वहीं ओमान की बैठे-बिठाए चांदी हो गई है। खाड़ी में स्थित ओमान की सीमा होर्मुज के एक भाग से लगती है। होर्मुज के दूसरी तरफ ईरान है। सीजफायर के तहत ईरान ने एक प्रस्ताव दिया है। ईरान का कहना है कि ओमान के साथ मिलकर वो होर्मुज में एक टोल बूथ बनाएगा। ईरान इस बूथ के सहारे हर जहाज से पैसा वसूलेगा। शुरूआत में उसका लक्ष्य हर मालवाहक जहाज से 2 मिलियन डॉलर वसूलना है। ईरान इसके जरिए हर साल करीब 500 बिलियन डॉलर वसूलना चाहता है। ईरान ने इसके लिए प्रोटोकॉल की मांग भी की है। इतना ही नहीं, ईरान ने इसे जरूरी भी बताया है। उसका कहना है कि होर्मुज उसके नियंत्रण में है। व्यापारियों को इसके लिए पैसे देने होंगे। अमेरिका ने इसका खुलकर विरोध नहीं किया है। ईरान का यह प्रस्ताव अगर लागू होता है तो ओमान को भी टोल का पैसा मिलेगा। ईरान टोल का कितना पैसा ओमान को देना चाहता है, इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है, लेकिन यह कयास है कि उसे आधा पैसा मिल सकता है। अगर ऐसा होता है तो ओमान को हर साल 250 बिलियन डॉलर का मुनाफा बैठे-बिठाए हो सकता है।

बिना अनुमति होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों को उड़ा देंगे: ईरान

दो सप्ताह के सीजफायर के बीच ईरानी नौसेना ने फिर होर्मुज जलडमरूमध्य के पास मौजूद जहाजों को चेतावनी जारी की है। आईआरजीसी ने कहा है कि होर्मुज जलडमरूमध्य पार करने के लिए उन्हें अभी भी ईरान की अनुमति की जरूरत लेनी पड़ेगी। वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक रिपोर्ट के अनुसार, ईरानी नौसेना ने रेडियो के जरिए जाहाजों को चेतावनी दी कि बिना अनुमति के गुजरने की कोशिश करने वाले किसी भी जहाज को नष्ट कर दिया जाएगा। रेडियो संदेश में कहा गया- जलडमरूमध्य से गुजरने के लिए आपको ईरानी सेपाह नौसेना से अनुमति लेनी होगी। अगर कोई जहाज बिना अनुमति के गुजरने की कोशिश करता है, तो उसे नष्ट कर दिया जाएगा। यह संदेश अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के उस बयान के बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि वह ईरान पर हमले दो हफ्तों के लिए तभी रोकेंगे, जब जलडमरूमध्य को पूरी तरह, तुरंत और सुरक्षित तरीके से खोला जाएगा।

दफन यूरेनियम खोद निकालेंगे: ट्रंप

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफ कहा कि अमेरिका ईरान में यूरेनियम एनरिचमेंट पूरी तरह बंद कराने की दिशा में काम करेगा। उन्होंने कहा कि कोई भी एनरिचमेंट नहीं होगा और अमेरिका, ईरान के साथ मिलकर गहराई में दफन यूरेनियम अवशेषों को खोदकर निकालेगा और खत्म करेगा। उन्होंने यह भी दावा किया कि ईरान के परमाणु ठिकाने अभी भी सैटेलाइट की कड़ी निगरानी में हैं और हमले के बाद से वहां कोई छेड़छाड़ नहीं हुई है। इससे साफ संकेत मिलता है कि अमेरिका इस पूरे मामले पर लगातार नजर बनाए हुए है।

भारत के विदेश मंत्रालय ने क्या कहा?

भारत के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इस संघर्ष की वजह से लोगों को पहले ही बहुत ज्यादा तकलीफ उठानी पड़ी है और इससे दुनिया भर में ऊर्जा की सप्लाई और व्यापार के नेटवर्क में रुकावट आई है। हमें उम्मीद है कि होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर जहाजो की आवाजाही और व्यापार का प्रवाह बिना किसी रुकावट के जारी रहेगा।

चीन की चाल या पाकिस्तान की पहल?

- ईरान-अमेरिका के बीच किसने करवाया सीजफायर?

ईरान की पूरी सभ्यता खत्म करने की धमकी के कुछ ही घंटों बाद, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने नाटकीय ढंग से सीजफायर का ऐलान कर दिया। हालांकि इसमें एक शर्त रखी गई कि वह यह है कि होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह और तत्काल प्रभाव से खोलेगा ताकि जहाज सुरक्षित रूप से वहां से गुजर सकें। दो हफ्ते के इस युद्ध विराम को शांति की पहल के तौर पर देखा जा रहा है। इस युद्ध विराम में अमेरिका और ईरान के बीच जिन दो देशों की चर्चा सबसे ज्यादा है, वो हैं चीन और पाकिस्तान। राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल पर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और फील्ड मार्शल का जिक्र किया, वहीं अमेरिकी मीडिया में चीन का नाम इस सीजफायर में अहम बताया जा रहा है। अब ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर इस सीजफायर के पीछे कौन है- चीन या पाकिस्तान?

युद्धविराम के पीछे किसकी भूमिका?

अमेरिका और ईरान, दोनों ही देश इस समझौते को अपनी जीत के तौर पर पेश कर रहे हैं, लेकिन यह सीजफायर रातों-रात नहीं हुआ, इसके पीछे पाकिस्तान और चीन की अहम भूमिका रही है।

युद्धविराम में पाकिस्तान की भूमिका

28 फरवरी को ईरान-अमेरिका युद्ध शुरू होने के बाद, पाकिस्तान दोनों युद्धरत देशों के बीच एक नए मध्यस्थ के रूप में उभरा। यह भूमिका अतीत में ओमान और कतर द्वारा निभाई गई थी। ईरान संघर्ष को शांत करने में निहित स्वार्थों को देखते हुए, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल ने ट्रंप और तेहरान के साथ अपनी निकटता का लाभ उठाकर किसी तरह समझौता कराया। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, युद्धविराम से पहले के दिनों में, फील्ड मार्शल मुनीर ने मध्यस्थता प्रस्तावों के तहत अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची से बात की थी। इसके अलावा, सोमवार को पाकिस्तान ने तथाकथित इस्लामाबाद समझौते को प्रस्तुत किया, जो शत्रुता समाप्त करने का एक ढांचा है।

होर्मुज पार कर सकते हैं भारतीय फ्लैग्ड शिप

दो हफ्ते के सीजफायर की खबर ने दुनिया भर को राहत दी है। इन पूरे 40 दिनों के दौरान स्ट्रेट ऑफ होर्मुज सबसे ज्यादा चर्चा और चिंता का केंद्र रहा। जहां दुनिया भर का ऊर्जा व्यापार बाधित रहा, वहीं भारतीय नौसेना भारत के ऊर्जा व्यापार को सुरक्षित रखते हुए जहाजों को स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पार करवाती रही। सरकारी सूत्रों के मुताबिक, फिलहाल सीजफायर के बाद भी नेवी पूरे हालात पर नजर बनाए हुए है और उसकी तैनाती में कोई बदलाव नहीं किया गया है। सूत्रों के अनुसार, सीजफायर के बाद पहली खेप में 5 से 6 जहाज जल्द ही स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पार कर सकते हैं। जहाजों के क्रू और ईरान के स्टेकहोल्डर्स के साथ बातचीत जारी है। खास बात यह है कि अभी नेवी के एसओपी (स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसिजर) में कोई बदलाव नहीं हुआ है। जिस तरह भारतीय नौसेना टैंकरों को एस्कॉर्ट कर रही थी और उन्हें होर्मुज पार करने के लिए गाइड कर रही थी, वह प्रक्रिया आगे भी जारी रहेगी। जंग की शुरुआत में होर्मुज के पश्चिम में 25 भारतीय फ्लैग्ड शिप मौजूद थे। इनमें से अब तक 9 जहाज एक-एक कर होर्मुज पार कर चुके हैं।

- संजय राऊत ने केंद्र पर साधा निशाना

वैश्विक कूटनीति में चूक गए 'महाविश्वगुरु'

शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राऊत ने केंद्र की भाजपा सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि अमेरिका-ईरान युद्धविराम के दौरान पाकिस्तान को वैश्विक स्तर पर जो अहमियत मिली है, उसके लिए केंद्र सरकार जिम्मेदार है। उनका आरोप है कि मौजूदा नेतृत्व में भारत की अंतरराष्ट्रीय साख कमजोर हुई है। राऊत ने कहा कि जहां पाकिस्तान और चीन को शांति स्थापित करने का श्रेय मिल रहा है, वहीं भारत इस पूरी प्रक्रिया में हाशिये पर रहा। उन्होंने कहा, पाकिस्तान ने अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थता कर दुनिया के नक्शे पर वापसी की है। यह भारत के लिए शर्म की बात है। हमारे प्रधानमंत्री खुद को 'महाविश्वगुरु' बताते हैं, लेकिन वे चूक गए।

सीजफायर के बीच दुनिया को बड़ी राहत

मिडिल ईस्ट में जारी तनाव के बीच एक अहम कूटनीतिक संकेत सामने आया है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान होर्मुज के समुद्री मार्ग को सीमित और नियंत्रित तरीके से खोलने पर विचार कर रहा है। एक वरिष्ठ ईरानी अधिकारी ने बताया कि यह कदम गुरुवार या शुक्रवार तक उठाया जा सकता है। यह निर्णय अमेरिका और ईरान के बीच पाकिस्तान में होने वाली अहम बैठक से पहले लिया जा सकता है, ताकि बातचीत के लिए माहौल तैयार हो सके। अधिकारी के मुताबिक, अगर दोनों देशों के बीच बातचीत के लिए एक ढांचा तय हो जाता है, तो होर्मुज जलडमरूमध्य को सीमित और ईरान के नियंत्रण में खोला जाएगा। इसका मतलब यह है कि जहाजों की आवाजाही पूरी तरह सामान्य नहीं होगी, बल्कि उन्हें ईरान की सेना के साथ समन्वय करके ही गुजरना होगा यानी हर जहाज को सुरक्षा और अनुमति के लिए ईरानी सैन्य नियंत्रण का पालन करना होगा।

फिर बीजेपी के घाट पर समरजीत घाटगे

शशिकांत शिंदे बोले- यह हसन मुश्रीफ के लिए खतरे की घंटी

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

कोल्हापुर की राजनीति के दिग्गज नेता समरजीतसिंह घाटगे ने एक बार फिर भाजपा का दामन थाम लिया है। बुधवार को मुंबई स्थित भाजपा मुख्यालय में वरिष्ठ मंत्री चंद्रकांत पाटिल और रविंद्र चव्हाण की उपस्थिति में घाटगे आधिकारिक रूप से पार्टी में शामिल हुए। 2024 के विधानसभा चुनावों के दौरान टिकट न मिलने से नाराज होकर घाटगे ने शरद पवार की एनसीपी (एसपी) का हाथ थामा था, लेकिन अब उनकी घर वापसी ने पश्चिमी महाराष्ट्र के सियासी समीकरणों को गर्मा दिया है। समरजीत घाटगे ने स्पष्ट किया कि उन्होंने भाजपा में शामिल होने से पहले शरद पवार से मुलाकात की थी और उन्हें अपनी स्थिति से अवगत कराया था। उन्होंने कहा, दिसंबर में ही मैंने पवार साहब को अपनी भूमिका स्पष्ट कर दी थी।

हसन मुश्रीफ के लिए खतरे की घंटी!

समरजीत घाटगे की भाजपा में वापसी पर प्रतिक्रिया देते हुए शरद पवार गुट के प्रदेश अध्यक्ष शशिकांत शिंदे ने तीखा हमला बोला। शिंदे ने कहा, घाटगे मूल रूप से भाजपा के ही थे, वे हमारे पास केवल टिकट के लिए आए थे। लेकिन उनकी वापसी मौजूदा कैबिनेट मंत्री हसन मुश्रीफ के लिए एक बड़ी चेतावनी है। शिंदे का तर्क है कि भाजपा अब अपने दम पर (स्वबल) चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है, और घाटगे का प्रवेश इसी रणनीति का हिस्सा है।

समुद्र में प्रशासन का बड़ा एक्शन

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

महाराष्ट्र में आधी रात को समुद्र में चलाए गए एक विशेष और गुप्त अभियान के तहत अवैध रूप से मछली पकड़ने वाले एक बड़े गिरोह का पर्दाफाश किया गया है। इस दौरान अनाधिकृत एलईडी लाइटों का उपयोग करके मछली पकड़ने वाली 6 नावों को रंगे हाथों पकड़ा गया। इस पूरी कार्रवाई में प्रशासन ने लगभग डेढ़ करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त की है। यह अब तक की सबसे बड़ी समुद्री छापों में से एक मानी जा रही है जो समुद्री इकोसिस्टम को नुकसान करती हैं।

उपचुनाव में सुनेत्रा पवार के साथ 'बड़े भाई' के रूप में खड़ी रहेगी बीजेपी

पवार की बारामती में दिखेगा देवा भाऊ का दम!

- बारामती उपचुनाव में डबल हुई सुनेत्रा की चुनौती
- 2024 में 23 थे अब मैदान में 53 उम्मीदवार

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

क्या आप इस बात की कल्पना कर सकते हैं कि बारामती में कोई उपचुनाव जीतने के लिए दादा (अजित पवार) किसी अन्य नेता की मदद मांगते? लेकिन अब परिस्थितियां अलग हैं। अजित दादा का स्वर्गवास हो चुका है और उनकी एनसीपी में उनके जैसा कद्दावर नेता दूर-दूर तक नजर नहीं आ रहा है। लेकिन बारामती से उपचुनाव लड़ रही सुनेत्रा पवार का पलड़ा इसलिए भारी लगता है, क्योंकि खुद सीएम फडणवीस ने उन्हें आश्वस्त किया है कि उपचुनाव में बीजेपी बड़े भाई के रूप में सुनेत्रा पवार के साथ खड़ी रहेगी। अब देवा भाऊ का आश्वासन मिल जाने से उपचुनाव में ताल ठोक रही कांग्रेस की चुनौती और कमजोर नजर आने लगी है। बुधवार को सुनेत्रा पवार ने पार्थ पवार, सुनील तटकरे, हसन मुश्रीफ के साथ वर्षा बंगले पहुंचकर मुख्यमंत्री फडणवीस से मुलाकात की। लगभग एक घंटे की बातचीत में देवा भाऊ ने सुनेत्रा पवार को आश्वस्त कर दिया कि उपचुनाव में उनकी जीत का डंका बजेगा। महाराष्ट्र की राजनीति में कभी बीजेपी शिवसेना के छोटे भाई के रूप में उभरी थी, लेकिन बीजेपी ने कुछ ही दिनों में ऐसी राजनीतिक मजबूती हासिल कर ली है कि अब महाराष्ट्र में बीजेपी सभी दलों के बड़े भाई के रूप में नजर आ रही है। बीजेपी को थोड़ी-बहुत चुनौती कांग्रेस से मिल रही है, क्योंकि कांग्रेस के पास समृद्ध राजनीतिक विरासत है। वहीं कुछ राजनीतिक क्षत्रप ऐसे हैं जो अपना गढ़ सुरक्षित बचाए हुए हैं। इनमें सबसे प्रमुख नाम है उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का। बीजेपी की सारी तिकड़म के बावजूद हर चुनाव में शिंदे ठाणे-कल्याण का अपना गढ़ बचाने में न केवल सफल रहे हैं बल्कि बीजेपी को चौंकाया भी है। बारामती भी पवार परिवार का ऐसा ही गढ़ था। लेकिन एनसीपी में दो फाड़ होने के बाद वहां से पवार परिवार का दबदबा अब खत्म होने लगा है। उपचुनाव में सुनेत्रा पवार की जीत भी एक तरह से बीजेपी की ही जीत कही जाएगी।

डबल हुई सुनेत्रा की चुनौती

महाराष्ट्र की सबसे हाई-प्रोफाइल सीटों में से एक बारामती में होने जा रहा विधानसभा उपचुनाव इस बार बेहद दिलचस्प और चुनौतीपूर्ण होने वाला है। उपमुख्यमंत्री और एनसीपी अध्यक्ष सुनेत्रा पवार के लिए यह मुकाबला पिछले चुनाव (2024) की तुलना में कहीं अधिक कठिन नजर आ रहा है। चुनाव आयोग के ताजा आंकड़ों के अनुसार, इस उपचुनाव के लिए कुल 53 उम्मीदवारों ने अपने नामांकन पत्र दाखिल किए हैं, जो 2024 के विधानसभा चुनाव के मुकाबले लगभग दोगुने से भी अधिक हैं।

दोगुनी हुई प्रतिद्वंद्वी की संख्या

अजित पवार के निधन के बाद यह माना जा रहा था कि सुनेत्रा पवार निर्विरोध चुनी जा सकती हैं, लेकिन विपक्षी दलों और निर्दलीयों की सक्रियता ने समीकरण बदल दिए हैं। इस बार 53 उम्मीदवारों की लंबी सूची ने चुनावी गणित को जटिल बना दिया है। इनमें कांग्रेस के उम्मीदवार आकाश मोरे के अलावा करुणा मुंडे और अभिजीत बिचुकले जैसे चर्चित नामों ने भी पर्चा भरकर मुकाबले को बहुकोणीय बना दिया है।

हिंदमाता एंकर: शिवसेना में बड़े बदलाव की तैयारी, महाराष्ट्र के राज्य के सभी 43,000 गांवों तक पहुंचने का लक्ष्य

एकनाथ शिंदे की कार्यकर्ताओं को चेतावनी- काम करो या पद छोड़ो

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

महाराष्ट्र की राजनीति से इस वक्त की सबसे बड़ी हलचल सामने आ रही है। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने अपनी पार्टी, शिवसेना के भीतर एक बड़े क्लीनअप ऑपरेशन के संकेत दिए हैं। शिंदे ने स्पष्ट कर दिया है कि अब पार्टी में केवल उन्हीं चेहरों को जगह मिलेगी जो जमीन पर उतरकर काम करेंगे। उन्होंने सीधे शब्दों में चेतावनी दी है कि जो काम करेगा, वही पद पर रहेगा। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का विजन अब केवल शहरों तक सीमित नहीं है। उन्होंने राज्य के सभी 43,000 गांवों तक शिवसेना के संगठन को मजबूती से पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। चूंकि वर्तमान में कोई बड़े चुनाव तत्काल प्रभाव में नहीं हैं, इसलिए शिंदे इस समय का उपयोग पार्टी की जड़ों को गहरा करने में करना चाहते हैं। उनका मानना है कि जब तक पार्टी का कार्यकर्ता अंतिम छोर के व्यक्ति तक नहीं पहुंचेगा, तब तक संगठन की मजबूती अधूरी है।

मंत्रियों और विधायकों की होगी समीक्षा

सूत्रों के अनुसार, शिंदे खुद मंत्रियों और विधायकों के कामकाज की रिपोर्ट कार्ड तैयार कर रहे हैं। वे केवल घोषणाओं से संतुष्ट नहीं हैं, बल्कि उनके द्वारा किए गए पार्टी विस्तार कार्यों की समीक्षा भी करेंगे। पिछले हफ्ते पुणे शिवसेना कार्यकारिणी को भंग करना इस बात का जीता-जागता सबूत है कि शिंदे अब किसी भी प्रकार की कोताही बरतने के मूड में नहीं हैं। निष्क्रिय नेताओं के लिए यह एक सीधा संदेश है कि यदि वे संगठन की सक्रियता में योगदान नहीं देते, तो उनकी कुर्सी जाना तय है।

सक्रियता ही एकमात्र विकल्प

एकनाथ शिंदे ने निर्देश दिए हैं कि पदाधिकारियों को जनता के बीच जाकर सरकारी योजनाओं का प्रचार करना होगा और संगठन के दायरे को बढ़ाना होगा। जिम्मेदारी का मतलब केवल अधिकार नहीं, बल्कि जवाबदेही है। जो नेता इस कसौटी पर खरे नहीं उतरेंगे, उन्हें हटाकर नए और ऊर्जावान चेहरों को मौका दिया जाएगा। महाराष्ट्र की राजनीति के जानकारों का मानना है कि यह कड़ा रुख आगामी स्थानीय निकाय और अन्य चुनावों के लिए एक मजबूत वॉर मशीन तैयार करना है।

नवी मुंबई बनेगी ग्लोबल हब

सिडको ने पेश किया 16250 करोड़ का बजट

मेट्रो-एयरपोर्ट के लिए हुए ऐलान

हिंदमाता संवाददाता @ नवी मुंबई

सिडको ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 16,250 करोड़ का बजट पेश किया है। इस बजट में नवी मुंबई और उसके आस-पास इंफ्रास्ट्रक्चर के विस्तार, क्षेत्रीय कनेक्टिविटी और आवास विकास पर लगातार फोकस बनाए रखने की रूपरेखा तैयार की गई है। वित्त वर्ष 2025-26 की समीक्षा करते हुए, सिडको ने 9,774.23 करोड़ की संशोधित प्राप्तियों और 9,770.26 करोड़ के खर्च की जानकारी दी। इसके परिणामस्वरूप 3.97 करोड़ का अधिशेष प्राप्त हुआ, जो प्रमुख विकास परियोजनाओं को पूरा करते समय अपनाए गए विवेकपूर्ण वित्तीय प्रबंधन को दर्शाता है। वित्त वर्ष 2026-27 के लिए, सिडको ने 16,250 करोड़ की प्राप्तियों और 16,150 करोड़ के खर्च का अनुमान लगाया है, जिसमें 100 करोड़ के अधिशेष की उम्मीद है।

नवी मुंबई एयरपोर्ट बड़ी उपलब्धि

इस वर्ष की एक प्रमुख उपलब्धि नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का परिचालन शुरू होना रही है। अभी यह एयरपोर्ट रोजाना 76 शहरों के लिए लगभग 150 हवाई उड़ानों को संभाल रहा है और यहां रोजाना लगभग 19,000 यात्री आते-जाते हैं। उम्मीद है कि अप्रैल 2026 के आखिर से अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शुरू होने के बाद इस एयरपोर्ट का और भी ज्यादा विकास होगा। पहले चरण में इस एयरपोर्ट की क्षमता सालाना 2 करोड़ यात्रियों और 5 लाख टन कार्गो को संभालने की है। इसके लिए यहां 3,700 मीटर लंबा रनवे बनाया गया है, जिस पर बड़े आकार के विमान भी उतर सकते हैं। भविष्य में होने वाले विस्तार में टर्मिनल-2, एक सेंट्रल टर्मिनल - कॉम्प्लेक्स, कई तरह के परिवहन साधन और एक जनरल एविएशन टर्मिनल शामिल होंगे। इसके अलावा, यहां वॉटर - टैक्सी कनेक्टिविटी और एक फीडएक्स कार्गो हब बनाने की भी योजना है।

मुख्य इंफ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट

मेट्रो लाइन 8 : छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट को नवी मुंबई हवाई अड्डे से जोड़ने वाले 34.89 किलोमीटर लंबे मेट्रो लाइन 8 कॉरिडोर में 20 स्टेशन होंगे। सिडको को उम्मीद है कि 2031 तक यह कॉरिडोर रोजाना लगभग 9.8 लाख यात्रियों को सेवा प्रदान करेगा।

नवी मुंबई मेट्रो का विस्तार

सिडको ने मेट्रो लाइन 1ए (बेलापुर-नवी मुंबई हवाई अड्डे तक, 3.2 किलोमीटर) और मेट्रो लाइन 2 (पेंढार-नवी मुंबई एयरपोर्ट टर्मिनल-4, 15 किमी) के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर ली है। इसका मकसद एयरपोर्ट को नवी मुंबई मेट्रो नेटवर्क से जोड़ना है।

ठाणे-नवी मुंबई एयरपोर्ट एलिवेटेड कॉरिडोर

सिडको, पीपीपी मॉडल के तहत ठाणे और नवी मुंबई एयरपोर्ट के बीच 25.3 किलोमीटर लंबा छह-लेन वाला एलिवेटेड कॉरिडोर बना रहा है। इस प्रोजेक्ट की अनुमानित लागत 6,521 करोड़ है। इस कॉरिडोर के बनने से यात्रा का समय लगभग 90 मिनट से घटकर लगभग 30 मिनट रह जाएगा। खारघर वैली गोल्फ कोर्स को 9-होल वाले लेआउट से अपग्रेड करके, इंटरनेशनल स्टैंडर्ड का 18-होल वाला चैंपियनशिप कोर्स बना दिया गया है। यहां 'प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया' सिडको ओपन 2025 का आयोजन किया गया था। सिडको नवी मुंबई में एक 'यूनिटी मॉल' बना रहा है। इसका मकसद एक जिला एक उत्पाद पहल को बढ़ावा देना है। सिडको के उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक विजय सिंघल ने बताया कि वित्त वर्ष 2026-27 के लिए सिडको के बजट में इंफ्रास्ट्रक्चर, कनेक्टिविटी और गुणवत्तापूर्ण आवास के प्रति प्रतिबद्धता दिखाई है। नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, एयरोसिटी का विकास, और नियोजित एज्युसिटी व मेडिसिटी: साथ ही मेट्रो लाइन 8 और लाइन 2 के माध्यम से बेहतर कनेक्टिविटी, और प्रस्तावित अंतर्राष्ट्रीय कॉर्पोरेट पार्क व कई अन्य विकास पहलों के चलते, नवी मुंबई एक प्रमुख आर्थिक और निवेश केंद्र के रूप में उभरने के लिए पूरी तरह तैयारी दिखाई है।

बिजली चोरी में केस दर्ज

तीन लाख से अधिक नुकसान, आरोपी पर कार्रवाई शुरू

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

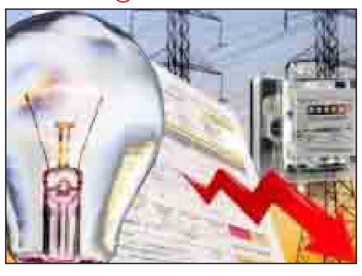

शांतीनगर पुलिस थाना क्षेत्र में बड़े पैमाने पर बिजली चोरी का मामला सामने आया है। पुलिस ने बिजली अधिनियम 2003 की धारा 135 के तहत एक व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शिकायत दर्ज

यह मामला गुन्हा रजि. क्र. 272/2026 के तहत दर्ज किया गया है। शिकायत एक्जीक्यूटिव कर्मचारी कु. निकिता अशोक मोरे (24) ने दर्ज कराई है। पुलिस ने उनके बयान के आधार पर कार्रवाई शुरू की है।

आरोपी नामजद

मामले में पाटील तुळशीराम नारायण, निवासी बेहेळे गांव, भिवंडी को आरोपी बनाया गया है। फिलहाल आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है और पुलिस उसकी तलाश में जुटी है।

कैसे हुई चोरी

जांच में सामने आया कि आरोपी ने 9 दिसंबर 2024 से 8 दिसंबर 2025 के बीच बिना मीटर के अवैध कनेक्शन लेकर बिजली का उपयोग किया। उसने पास के पोल से केबल जोड़कर सीधे बिजली आपूर्ति ली।

कंपनी को नुकसान

अवैध कनेक्शन के जरिए करीब 10,755 यूनिट बिजली का उपयोग किया गया, जिससे कंपनी को लगभग 3.01 लाख रुपए का नुकसान हुआ। पुलिस ने 7 अप्रैल 2026 को मामला दर्ज कर जांच सहायक पुलिस निरीक्षक अरुण घोलप को सौंपी है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

रिश्वत लेते शिक्षा अधिकारी गिरफ्तार

•एसीबी ने 22 हजार लेते विभागीय अध्यक्ष को रंगे हाथ दबोचा

हिंदमाता संवाददाता @ नवी मुंबई

जिनके कंधों पर राज्य के लाखों छात्रों का भविष्य और परीक्षाओं की पारदर्शिता सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी होती है, उसी शिक्षा मंडल के उच्च पदस्थ अधिकारी भ्रष्टाचार के दलदल में फंसे पाए गए। महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक और उच्च माध्यमिक शिक्षा मंडल के वाशी नवी मुंबई स्थित विभागीय कार्यालय के अध्यक्ष राजेंद्र आहिरे को 22 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया गया। एंटी करप्शन ब्यूरो एसीबी की इस कड़ी कार्रवाई ने पूरे शिक्षा विभाग में हलचल मचा दी है।

एसीबी की टीम ने रचा जाल

शिकायतकर्ता को वाशी स्थित शिक्षा मंडल कार्यालय में बिजली रखरखाव और मरम्मत का ठेका दिया गया था। यह ठेका 1 सितंबर 2025 से 31 अगस्त 2026 तक के लिए था। इस कार्य का नवंबर 2025 से फरवरी 2026 तक चार महीनों का लगभग 3.16 लाख रुपए का बिल मंजूर होना बाकी था। अपने अधिकार के पैसे पाने के लिए जब शिकायतकर्ता ने आहिरे से मुलाकात की, तो उन्होंने कुल बिल का 7 कमीशन यानी 22,176 रुपए की मांग की। एसीबी की टीम ने रचा जाल विशेष रूप से, यह रिश्वत की मांग भंडार विभाग प्रमुख मनोहर पवार के मध्यस्थता से की गई थी।

प्रशासनिक गलियारों में रोष व्याप्त

सरकारी कार्य में टक्केवारी पर आधारित यह चलन अब सीधे विभागीय अध्यक्ष स्तर तक पहुंच गया है, जिससे प्रशासनिक गलियारों में रोष व्याप्त है। इस भ्रष्ट मांग का शिकार न बनने के लिए शिकायतकर्ता ने 25 मार्च को एसीबी में रिपोर्ट दर्ज कराई। विभाग के उपअधीक्षक धर्मराज सोनके और उनकी टीम ने 6 अप्रैल को शिकायत की पड़ताल की। 7 अप्रैल को वाशी स्थित कार्यालय में ही जाल बिछाया गया। जैसे ही विभागीय अध्यक्ष राजेंद्र आहिरे ने अपने केबिन में शिकायतकर्ता से रिश्वत ली, एसीबी की टीम ने उन्हें रंगे हाथ पकड़ लिया।

अधिकारी पर मामला दर्ज

अधिकारी पर मामला दर्ज इस मामले में वाशी पुलिस थाने में भ्रष्टाचार निवारण कानून के तहत मामला दर्ज किया गया है। ऐसे पवित्र संस्थान में, जहां अनुशासन और नैतिक शिक्षा दी जाती है, सर्वोच्च पद पर बैठा अधिकारी सिर्फ 22 हजार रुपए की रिश्वत के लिए अपनी पद और प्रतिष्ठा दांव पर लगाता है, यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। यह कार्रवाई केवल एक व्यक्ति तक सीमित नहीं है, बल्कि ठेकेदारों से कमीशन लेने की प्रवृत्ति पर भी ध्यान केंद्रित है।

मुंबई युवक कांग्रेस के न्याय सत्याग्रह में पहुंचे अर्जुन सिंह

यूथ कांग्रेस का बढ़ाया हौसला

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मुंबई यूथ कांग्रेस द्वारा आयोजित न्याय सत्याग्रह के तीसरे दिन आज, मुंबई कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अर्जुन सिंह ने मुंबई कांग्रेस कार्यालय पहुंचकर नौजवानों को अपना समर्थन दिया। इस मौके पर अर्जुन सिंह ने महात्मा गांधी की तस्वीर पर माल्यार्पण कर यूथ कांग्रेस के कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि यूथ कांग्रेस कांग्रेस के रीढ़ की हड्डी है। उन्होंने कहा कि आने वाला कल आप सब नौजवानों का है। केंद्र सरकार के नेताओं द्वारा कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं का अपमान करना निंदनीय है। मल्लिकार्जुन खड़गे जैसे वरिष्ठ नेताओं को गलत शब्दों का प्रयोग कर 90 साल के बुजुर्ग को अपमानित करना यह मोदी सरकार के नेताओं की चाल चलन को दर्शाता है कि यह लोग किस विचारधारा के हैं। न्याय सत्याग्रह द्वारा शांतिपूर्ण सत्याग्रह कांग्रेस की विचारधारा को दर्शाता है। कांग्रेस के लोग शांति प्रिय लोग हैं, जो देश के सभी जाति धर्म तथा सभी संप्रदाय के लोगों को साथ लेकर चलने में विश्वास रखते हैं। नौजवानों का हौसला बढ़ाते हुए उन्होंने कहा कि आप सब इस सरकार के तानाशाह के खिलाफ जो आंदोलन सत्याग्रह कर रहे हैं, यही सही मायने में इंसानियत का जीता जागता सबूत है। आज देश में महंगाई चरम पर है। गैस सिलेंडर की भारी कमी की वजह से लाखों गरीब मजदूर शहरों को छोड़कर अपने गांव चले गए, जिसका असर देश की आर्थिक स्थिति पर पढ़ रहा है। कल कारखाने, फैक्ट्रियां बंद होने की कगार पर आ गई है। सरकार को जल्द से जल्द महंगाई तथा गैस डीजल पेट्रोल के कमी को नियंत्रित करना चाहिए और अमेरिका के आगे घुटने ना टेक कर, ईरान का साथ देना चाहिए। क्योंकि ईरान हमेशा से भारत का शुभचिंतक और मित्र रहा है। उन्होंने कहा कि देश की जनता जिस दिन उग्र होगी, केंद्र सरकार को इसका खामियाजा बहुत बुरा भुगतना पड़ेगा। इस मौके पर मुंबई यूथ कांग्रेस की अध्यक्ष जीनत सबरीन, यूथ कांग्रेस के जिला अध्यक्ष निखिल रूपारेल, जुबेर फारूकी, आसिफ खान ,राय साहब सरोज, शिव यादव, गणेश बाबूराव शेगर, आजाद खान, बाला जाधव पंकज चौधरी ,शीतल म्हात्रे, कमलेश यादव तथा बड़ी संख्या में युवक कांग्रेस के पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

दहेज उत्पीड़न में चार पर केस

पति, सास सहित परिवार पर घरेलू हिंसा के आरोप

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

नारपोली पुलिस थाना क्षेत्र में दहेज उत्पीड़न और घरेलू हिंसा का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने पति, सास, जेठ और जेठानी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह केस गुन्हा रजि. क्र. 265/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में दर्ज किया गया है।

आरोपी नामजद

37 वर्षीय महिला, निवासी नालासोपारा पश्चिम, ने शिकायत में पति संदीप हिरालाल विश्वकर्मा, सास कलावती विश्वकर्मा, जेठ अवधेश विश्वकर्मा और जेठानी सुरेखा विश्वकर्मा को आरोपी बनाया है। सभी आरोपी भिवंडी के पूर्णा गांव स्थित साई शुभवस्तु बिल्डिंग के निवासी हैं। फिलहाल किसी की गिरफ्तारी

लगातार प्रताड़ना

शिकायत के अनुसार, 1 जुलाई 2021 से 7 अप्रैल 2026 के बीच पीड़िता को दहेज को लेकर लगातार प्रताड़ित किया गया। ससुराल पक्ष पर कम दहेज लाने को लेकर अपमानित करने और मानसिक दबाव बनाने के आरोप हैं।

गाली-गलौज व मारपीट

पीड़िता ने बताया कि उसे बार-बार ताने दिए जाते थे और उसके साथ गाली-गलौज व मारपीट की जाती थी। इससे उसे मानसिक और शारीरिक रूप से काफी कष्ट झेलना पड़ा। नारपोली पुलिस ने 7 अप्रैल 2026 को मामला दर्ज कर जांच पुलिस उपनिरीक्षक सोनाली पाटील को सौंपी है। पुलिस के अनुसार, साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस कांस्टेबल पर जानलेवा हमले के 8 आरोपी बरी

गवाहों के पलटने से कमजोर पड़ा केस

हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे

महाराष्ट्र की एक स्थानीय अदालत ने कर्तव्य पर तैनात एक पुलिस कांस्टेबल की हत्या के प्रयास के आरोपी आठ व्यक्तियों को बरी कर दिया है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश वी. एल. भोसले ने अपने फैसले में स्पष्ट किया कि अभियोजन पक्ष आरोपियों के खिलाफ लगे आरोपों को संदेह के परे साबित करने में पूरी तरह विफल रहा। इस मामले में सबसे बड़ी बाधा पीड़ित कांस्टेबल द्वारा अपने हमलावरों को न पहचान पाना और मुख्य गवाहों का अपने बयानों से पलट जाना रही।

क्या था पूरा मामला?

यह घटना 21 अप्रैल, 2016 की रात की है। ठाणे के उपवन इलाके में स्थित एक बार के बाहर कांस्टेबल भास्कर सोनावणे अपने एक मुखबिर से मिलने के लिए खड़े थे। उसी दौरान होटल प्रबंधन और कमलेश नाम के एक ग्राहक के बीच किसी बात को लेकर तीखा विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि कमलेश का भाई अरुण करीब 10 से 15 लोगों की भीड़ लेकर मौके पर पहुंच गया। आरोप था कि इस हिंसक भीड़ ने कांस्टेबल सोनावणे पर लाठियों और बीयर की बोतलों से जानलेवा हमला कर दिया। इस हमले में कांस्टेबल को गंभीर चोटें आई थीं; उनकी खोपड़ी में फ्रैक्चर हो गया था और मस्तिष्क में भी गहरी चोट लगी थी। ठाणे पुलिस ने इस मामले में आठ लोगों को गिरफ्तार कर उन पर हत्या के प्रयास के तहत मामला दर्ज किया था।

अदालत के फैसले का आधार

सुनवाई के दौरान न्यायाधीश ने पाया कि घटना रात के अंधेरे में हुई थी, जिसके कारण पीड़ित कांस्टेबल खुद हमलावरों की पहचान करने में असमर्थ रहे। हमले के तुरंत बाद सोनावणे बेहोश हो गए थे, जिस वजह से वह यह नहीं बता पाए कि वास्तव में उन पर प्रहार किसने किया था। मामले को कमजोर करने में सबसे अहम भूमिका गवाहों की रही। होटल के साझेदार राजेश शेट्टी और प्रबंधक नवीन गौड़ा, जो इस मामले के मूल शिकायतकर्ता और चश्मदीद थे, दोनों ही अदालत में मुकर गए। अदालत ने कहा कि जब मुख्य गवाह ही अपने बयानों का समर्थन नहीं कर रहे हैं और पीड़ित खुद आरोपियों को नहीं पहचान पा रहा है, तो ऐसी स्थिति में आरोपियों को दोषी नहीं ठहराया जा सकता।

तांत्रिक ने प्राइवेट पूजा के बहाने महिला से किया रेप

हिंदमाता नेटवर्क @ अमरावती

लापता पति की तलाश के बहाने अमरावती जिले के एक नकली तांत्रिक ने शादीशुदा महिला के साथ रेप किया। यह घटना सक्करदरा पुलिस स्टेशन की सीमा में हुई। आरोपी का नाम ताहिर रशीद बेग (65, डब्बापुरा, अंजनगांव, अमरावती) है। पीड़ित 33 साल की महिला बर्तन धोकर अपना गुजारा करती है। 15 अक्टूबर, 2025 को उसका पति बिना किसी को बताए घर से चला गया। उसके बाद, तलाश की गई तो वह मध्य प्रदेश में मिला। रिश्तेदारों की मदद से महिला उसे वापस नागपुर ले आई। कुछ दिनों बाद, 30 अक्टूबर, 2025 को वह फिर घर से चला गया। तब से उसका कोई पता नहीं चला है।

पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज

महिला की शिकायत पर सक्करदरा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज की गई। कुछ दिन पहले, महिला एक शादी समारोह में गई थी जहां उसकी मुलाकात ताहिर से हुई। ताहिर ने खुद को तांत्रिक बताया। उसने दावा किया कि उसके पास उसके लापता पति को ढूंढने और वापस लाने की सुपरनैचुरल शक्ति है। उसने उसके घर जाकर एक खास पूजा करने का नाटक किया। महिला के घर पहुंचकर उसने उसे एक कमरे में बुलाया। फिर उसने महिला के कज़िन को कमरे से बाहर जाने को कहा।

पूजा करने के बहाने महिला के साथ ज्यादती

उसने महिला के दूसरे रिश्तेदारों को घर में एक खास जगह पर बैठाया। उनके सामने उसने तेल का दीया और अगरबत्ती जलाई और सभी को दीये की लौ को घूरने को कहा। कुछ देर बाद वह महिला को घर की ऊपरी मंज़िल पर ले गया। प्राइवेट पूजा करने के बहाने उसने महिला के साथ ज्यादती की। उसके बाद महिला ने अपने रिश्तेदारों को पूरी घटना बताई। अपने रिश्तेदारों की मदद से महिला ने सक्करदरा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने ताहिर को अमरावती से गिरफ्तार कर लिया।

शॉर्ट स्टोरी

भजन सम्राट अनूप जलोटा होगें विषेश अतिथि

हिंदमाता संवाददाता @ वसई

वसई स्थित भगवान बद्रीनाथ मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा एवं लोकार्पण समारोह के पावन अवसर हेतु विश्व विख्यात भजन सम्राट अनूप जलोटा जी को सादर आमंत्रित किया गया। भजन सम्राट अनूप जलोटा ने इस भव्य एवं ऐतिहासिक कार्यक्रम में सम्मिलित होने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान की है तथा मंदिर निर्माण परियोजना की सराहना करते हुए अपना आशीर्वाद भी दिया। उनका भजन संध्या का कार्यक्रम श्री बद्रीनाथ मंदिर वसई में बुधवार २२ अप्रैल २०२६ को शाम ५.०० बजे से शुरू होगा। उनकी गरिमामयी उपस्थिति इस महोत्सव को और भी दिव्य एवं यादगार बनाएगी।

सुरेंद्रकुमार बाजपेयी मुंबई जनता दल (एस) के अध्यक्ष नियुक्त

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

जनता दल (सेक्यूलर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री एच. डी. देवेगौड़ा की सलाह पर, महाराष्ट्र प्रदेश जनता दल (सेक्यूलर) के अध्यक्ष नाथाभाऊ शेवाले ने आधिकारिक तौर पर सुरेंद्रकुमार बाजपेयी को जनता दल (सेक्यूलर) की मुंबई इकाई का अध्यक्ष नियुक्त किया है। बाजपेयी, जो पहले महाराष्ट्र प्रदेश इकाई के कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में कार्यरत थे, अब महानगर में पार्टी की उपस्थिति को पुनर्जीवित करने की जिम्मेदारी संभालेंगे। पेशे से कंप्यूटर इंजीनियर और वकील बाजपेयी अपने साथ तकनीकी और कानूनी विशेषज्ञता का एक अनूठा अनुभव लेकर आए हैं। प्रदेश अध्यक्ष नाथाभाऊ शेवाले ने कहा कि बाजपेयी की नियुक्ति जमीनी स्तर पर पार्टी संगठन को मजबूत करने की भविष्य की रणनीति के तहत की गई है। अपनी नियुक्ति पर बाजपेयी ने राष्ट्रीय और प्रदेश नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया और एक समावेशी मुंबई का दृष्टिकोण साझा किया। उन्होंने कहा कि मैं मुंबई शहर के समग्र उत्थान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हूं। हमारा ध्यान आम आदमी को प्रभावित करने वाले मुख्य शहरी मुद्दों को हल करने पर होगा। हमारा लक्ष्य मुंबई के स्थापित राजनीतिक दलों के विकल्प के रूप में जेडीएस को एक मजबूत और व्यावहारिक समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष विकल्प के रूप में पेश करना है। बाजपेयी के साथ ही हाजी सलीम भट्टी को मुंबई जेडीएस का प्रभारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। भट्टी ने कहा कि हम अल्पसंख्यक समुदाय से जुड़े उन मुद्दों को उठाएंगे जो वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में गंभीर कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। वहीं, मुंबई जेडीएस के निवर्तमान अध्यक्ष प्रभाकर नारकर को अब महाराष्ट्र जेडीएस का कार्यकारी अध्यक्ष और महासचिव नियुक्त किया गया है।

जनता के हितों के लिए खुद को न्यौच्छावर कर दूंगा: विधायक मुरजी भाई पटेल

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

आज लगभग 25 वर्षो से अंधेरी पूर्व विधानसभा की जनता के बीच में रहकर उनके हितों के लिये निरंतर कार्य करने वाले शिवसेना विधायक मुरजी भाई पटेल द्वारा किये जा रहे जनहित कार्यो की तारीफ जितनी की जाय वह बहुत कम होगी। पहले नगरसेवक फिर विधायक बनने के बाद पटेल द्वारा क्षेत्र ही नही बल्कि एक एक घर के लोगो से संपर्क साधकर उनकी समस्या समाधान किया जा रहा है। और क्या रात क्या दिन मुरजी भाई खबर मिलने पर किसी भी समय अपने दल बल और अधिकारियों को साथ लेकर उस स्थान पर पहुंचने के बाद समाधान कर ही वापस आने का काम करते है। इस संदर्भ में विधायक ने बताया कि मेरे जीवन का एक ही लक्ष्य जनता में खुशहाली बनी रहे और सब सुख शांति में जीवन यापन करें। साथ ही साथ मैं सबसे मिलता रहूं और उनकी सेवा भी करता रहूं। उन्होंने आगे बताया कि सेवा से बढ़कर दुनियां में कोई पुण्य और धर्म नही है। और खासकर अंधेरी पूर्व विधानसभा की जनता हमारा परिवार जैसा है और इनके लिए मैं खुद को न्यौछावर कर दूंगा। और इस विधानसभा को महाराष्ट्र का सबसे आधुनिक संसाधनों से पूर्ण विधानसभा बनाकर ही दम लूंगा।

चलती ट्रेन से यात्री की जान बची

हिंदमाता संवाददाता @ कल्याण

रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के जवानों की मुस्तैदी से कल्याण रेलवे स्टेशन पर एक बड़ा हादसा टल गया। ऑपरेशन जीवन रक्षा के तहत ड्यूटी पर तैनात कर्मियों ने चलती ट्रेन से लटके एक यात्री को सुरक्षित बाहर निकालकर उसकी जान बचा ली। आरपीएफ थाना कल्याण के प्रभारी पी.आर. मीणा ने बताया कि पुणे-सतरागाछी हमसफर एक्सप्रेस प्लेटफॉर्म नंबर 4 से रवाना हो रही थी। इसी दौरान ड्यूटी पर मौजूद प्रधान आरक्षक गजानन अंभोरे और एमएसएफ जवान विशाल जाधव ने एक यात्री को ट्रेन और प्लेटफॉर्म के बीच फंसा हुआ देखा। हालात की गंभीरता को भांपते हुए दोनों जवान तुरंत मौके की ओर दौड़े और कसारा छोर के पास पहुंचकर यात्री को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। समय रहते की गई इस कार्रवाई से एक बड़ा हादसा टल गया। बचाए गए यात्री की पहचान अश्विनी कुमार बर्वे (63), निवासी बिलासपुर (छत्तीसगढ़) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि चाय पीने के लिए प्लेटफॉर्म पर उतरने के बाद ट्रेन चलने लगी और चढ़ने के प्रयास में उनका पैर फिसल गया, जिससे वे ट्रेन और प्लेटफॉर्म के बीच फंस गए। यात्री ने अपनी जान बचाने के लिए आरपीएफ जवानों का आभार व्यक्त किया। पूरी घटना स्टेशन के सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है।

चोरों के डर से ग्रामीण सतर्क

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

भिवंडी तालुका के ग्रामीण इलाकों में इन दिनों चोरों का आतंक बढ़ गया है, जिससे लोगों में भय का माहौल बना हुआ है। हालात से निपटने के लिए गांव के लोग अब खुद ही रात में पहरा देकर निगरानी कर रहे हैं। वेहले गांव के पूर्व सरपंच संतोष भोइर ने ठाकुरली मोथा गांव के पुल के पास सुराई सारंगगांव क्षेत्र में पुलिस चौकी स्थापित करने की मांग की है। उन्होंने इस संबंध में ठाणे पुलिस आयुक्त आशुतोष डुंबरे, पुलिस उपायुक्त शशिकांत बोराटे और नरपोली पुलिस स्टेशन को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में बताया गया है कि वेहले, सारंगगांव और आसपास के क्षेत्रों में सशस्त्र चोर सक्रिय हैं। हाल ही में वेहले गांव में एक घर में घुसने का प्रयास किया गया, जबकि सारंगगांव में एक ज्वेलर्स की दुकान से करीब 11 लाख रुपए के आभूषण चोरी कर लिए गए। इस मामले में नरपोली पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है, लेकिन आरोपी अब तक फरार हैं। ग्रामीणों का कहना है कि ठाकुरली पुल ठाणे और मुंबई से जुड़ा होने के कारण चोर आसानी से फरार हो जाते हैं। ऐसे में इलाके में पुलिस गश्त बढ़ाने और स्थायी पुलिस चौकी स्थापित करने की मांग जोर पकड़ रही है।

मजदूरी विवाद में लूम मालिक पर हमला

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

भिवंडी के निजामपुरा पुलिस थाना क्षेत्र में बकाया मजदूरी को लेकर हुआ विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। इस मामले में पुलिस ने 2 नामजद और 6 अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, गुन्हा रजि. क्र. 186/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। शिकायतकर्ता मुन्ना रामजी सिंह (52), निवासी वन्हाळदेवी तालाब के पास, ने बताया कि 31 मार्च 2026 की रात खोणीगांव खाड़ीपार स्थित एक लूम कारखाने में मजदूरी भुगतान को लेकर विवाद हुआ। शिकायत के मुताबिक, मजदूर रितेश देवीप्रसाद मिश्रा (22) अपने बकाया पैसे लेने मैनेजर सतेंदर विद्या सिंह के पास पहुंचा था। भुगतान में देरी की बात पर दोनों में कहासुनी हुई, जो हाथापाई में बदल गई। बाद में रितेश ने अपने साथियों को बुलाया, जिनमें शुभम भारत वाघमारे (24) समेत अन्य लोग शामिल थे। आरोप है कि सभी ने मिलकर शिकायतकर्ता के साथ गाली-गलौज की और मारपीट की। घटना के करीब एक सप्ताह बाद 7 अप्रैल को मामला दर्ज किया गया। पुलिस फरार आरोपियों की तलाश कर रही है और जांच पोउपनि गीते को सौंपी गई है।

हिंदमाता एंकर: महीने की शुरूआत से अब तक 36 से अधिक अधिकारियों का फेरबदल

महाराष्ट्र में फिर बड़ा प्रशासनिक बदलाव

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

महाराष्ट्र सरकार ने प्रशासनिक कामकाज में गतिशीलता लाने के उद्देश्य से एक बार फिर बड़ा फेरबदल किया है। मंगलवार (7 अप्रैल 2026) को जारी एक आधिकारिक आदेश के अनुसार, राज्य के 11 आईएएस (क्अर) अधिकारियों का तबादला कर दिया गया है। गौरतलब है कि यह एक सप्ताह के भीतर दूसरी बड़ी प्रशासनिक सर्जरी है; इससे पहले बीते शुक्रवार को भी 25 अधिकारियों को इधर से उधर किया गया था। ताजा आदेशों में वरिष्ठ आईएएस अधिकारी श्वेता सिंघल को नई दिल्ली स्थित महाराष्ट्र सदन के विशेष आवासीय आयुक्त के महत्वपूर्ण पद पर नियुक्त किया गया है। वहीं, कई अधिकारियों को फील्ड ड्यूटी से हटाकर मंत्रालय (सचिवालय) में रणनीतिक पदों पर लाया गया है।

मंत्रालय और प्रमुख बोर्डों में नई नियुक्तियां

सरकार ने गीतांजलि बाविस्कर (सीईओ, खादी ग्रामोद्योग बोर्ड) को अब नियोजन विभाग, मंत्रालय में संयुक्त सचिव के रूप में तैनात किया है। इसी क्रम में, महाडिस्कॉम (कल्याण) के संयुक्त प्रबंध निदेशक दिलीप जगदाले को जल आपूर्ति व स्वच्छता विभाग में संयुक्त सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई है। लक्ष्मण राऊत को महाराष्ट्र राज्य खादी ग्रामोद्योग बोर्ड का नया सीईओ नियुक्त किया गया है, जबकि पंकज देवरे को महाराष्ट्र राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सचिव पद की कमान मिली है।

कृषि और जिला स्तर पर बदलाव

कृषि क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण बदलाव देखे गए हैं। राहुल रंजन महिवाल को पुणे स्थित महाराष्ट्र कृषि शिक्षा व अनुसंधान परिषद का सदस्य सचिव बनाया गया है, जबकि रुचेश जयवंशी अब महाराष्ट्र राज्य कृषि निगम के प्रबंध निदेशक होंगे। जलगांव जिला परिषद की सीईओ मीनल करणवाल को मुंबई में नानाजी देशमुख कृषि संजीवनी परियोजना का निदेशक नियुक्त किया गया है। उनकी जगह करिश्मा नायर (पूर्व अतिरिक्त आयुक्त, नासिक मनपा) अब जलगांव जिला परिषद की नई सीईओ होंगी।

प्रशासनिक फेरबदल की सूची (संक्षिप्त विवरण)

अधिकारी का नाम	नई नियुक्ति (पद)
श्वेता सिंघल	विशेष आवासीय आयुक्त, महाराष्ट्र सदन, नई दिल्ली
गीतांजलि बाविस्कर	संयुक्त सचिव, नियोजन विभाग, मंत्रालय
दिलीप जगदाले	संयुक्त सचिव, जल आपूर्ति व स्वच्छता विभाग, मंत्रालय
मीनल करणवाल	परियोजना निदेशक, नानाजी देशमुख कृषि संजीवनी, मुंबई
राहुल रंजन महिवाल	सदस्य सचिव, महाराष्ट्र कृषि शिक्षा व अनुसंधान परिषद,पुणे
कन्हुराज बागटे	संयुक्त प्रबंध निदेशक, महाडिस्कॉम, कल्याण
अमित रंजन	अतिरिक्त नगर आयुक्त, नासिक मनपा

प्रशासनिक विशेषज्ञों का मानना है कि वित्तीय वर्ष की शुरूआत में किए जा रहे ये तबादले आगामी चुनाव योजनाओं और विकास परियोजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को ध्यान में रखकर किए गए हैं।

पाकिस्तान की दलाली बंद करें

संजय राऊत के विदेश मंत्री का इस्तीफा मांगने पर भाजपा का पलटवार

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय कूटनीति और राष्ट्रीय गौरव को लेकर जुबानी जंग छिड़ गई है। शिवसेना के सांसद संजय राऊत ने अमेरिका और ईरान के बीच हुए युद्ध विराम में पाकिस्तान की कथित मध्यस्थता को लेकर भारत सरकार पर तीखा हमला बोला है। राऊत ने इस स्थिति को भारत के लिए 'शर्मनाक' बताते हुए विदेश मंत्री एस. जयशंकर से नैतिकता के आधार पर इस्तीफे की मांग की है। संजय राऊत के इस बयान के बाद भारतीय जनता पार्टी ने आक्रामक रुख अपनाते हुए उन पर पलटवार किया है। भाजपा ने राऊत को 'पाकिस्तान की दलाली' बंद करने की नसीहत देते हुए उनके बयानों को भारत की वैश्विक छवि को धूमिल करने वाला बताया है।

संजय राऊत का आरोप: 'भारत के लिए शर्म की बात'

संजय राऊत ने बुधवार (8 अप्रैल 2026) को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि अमेरिका-ईरान संघर्ष में शांति स्थापित करने का श्रेय पाकिस्तान और चीन को मिल रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस. जयशंकर पर निशाना साधते हुए कहा, 'हम विश्वगुरु होने का दावा करते हैं, लेकिन हमारे पड़ोस में जब युद्ध विराम की बात आती है, तो पाकिस्तान मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा है। डोनाल्ड ट्रंप ने भी पाकिस्तान की भूमिका की सराहना की है। यह भारत की विदेश नीति की बड़ी विफलता है।' राऊत ने मांग की कि यदि भारत इस कूटनीतिक दौड़ में पिछड़ गया है, तो विदेश मंत्री को तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए।

भाजपा का पलटवार: 'पाकिस्तान की दलाली बंद करें राऊत'

भाजपा ने संजय राऊत के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए उन्हें 'पाकिस्तान का प्रवक्ता' करार दिया है। भाजपा नेताओं ने कहा कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने वैश्विक मंच पर भारत का मान बढ़ाया है और राऊत जैसे नेता केवल राजनीति चमकाने के लिए दुश्मन देश की तारीफ कर रहे हैं। भाजपा ने ट्वीट और बयानों के जरिए कहा, 'संजय राऊत को पाकिस्तान की दलाली बंद करनी चाहिए। जब पूरा विश्व भारत की रणनीतिक स्वायत्तता का सम्मान कर रहा है, तब उद्धव सेना के नेता पाकिस्तान का गुणगान कर रहे हैं।'

कूटनीतिक समीकरण और विवाद

यह विवाद ऐसे समय में आया है जब हाल ही में ईरान और अमेरिका के बीच तनाव कम करने के लिए इस्लामाबाद में बातचीत की खबरें आई थीं। हालांकि, भारत सरकार ने हमेशा यह रुख अपनाया है कि वह 'दलाल' नहीं बल्कि 'मित्र' की भूमिका निभाता है। एस. जयशंकर ने पहले भी स्पष्ट किया था कि भारत शांति का पक्षधर है, लेकिन वह कूटनीति के नाम पर किसी का मोहरा नहीं बनेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि संजय राऊत इस मुद्दे के जरिए केंद्र सरकार की 'सॉफ्ट पावर' और पड़ोस नीति पर सवाल उठा रहे हैं, जबकि भाजपा इसे देश के अपमान और पाकिस्तान प्रेम से जोड़कर देख रही है।

गर्मी की छुट्टियों में एसटी का सफर हुआ महंगा

जानें नई दरें

• 15 अप्रैल से जेब पर बढ़ेगा बोझ

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

यदि आप इस गर्मी की छुट्टियों में गांव जाने या परिवार के साथ यात्रा करने की योजना बना रहे हैं, तो यह खबर आपके लिए बेहद महत्वपूर्ण है। महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन महामंडल ने आगामी 15 अप्रैल से अपनी टिकट दरों में 10 प्रतिशत की मौसमी बढ़ोतरी करने का आधिकारिक निर्णय लिया है।

क्यों बढ़ाया गया किराया?

एसटी महामंडल के नियमावली के अनुसार, प्रशासन के पास अत्यधिक भीड़भाड़ वाले दिनों जैसे दिवाली, गर्मी की छुट्टियां और बड़े त्योहारों में किराया बढ़ाने का अधिकार सुरक्षित होता है। स्कूल और कॉलेजों की छुट्टियां शुरू होते ही यात्रियों की संख्या में भारी उछाल आता है, इसी का लाभ उठाने और बढ़ते परिचालन खर्च को संतुलित करने के लिए यह फैसला लिया गया है।

किन बसों पर होगा असर?

यह नई किराया दरें मुख्य रूप से साधारण और सुपरफास्ट बस सेवाओं पर लागू होंगी। राहत की बात यह है कि कुछ प्रीमियम सेवाओं को इससे बाहर रखा जा सकता है, लेकिन आम आदमी द्वारा सबसे ज्यादा उपयोग की जाने वाली एसटी बसों में अब सफर महंगा हो जाएगा।

कितना बढ़ेगा बोझ?

नए किराया ढांचे के मुताबिक, लंबी दूरी के सफर के लिए यात्रियों को अब 100 रुपए तक अतिरिक्त खर्च करने पड़ सकते हैं।

- **वयस्क यात्री:** प्रति स्टेज किराए में 12 रुपए की वृद्धि।
- **बच्चे:** प्रति स्टेज किराए में 7 रुपए की वृद्धि।
- **नाइट सर्विस:** यह बढ़ोतरी रात्रि सेवाओं पर भी समान रूप से लागू रहेगी।

यात्रियों की बढ़ेगी मुश्किलें

गर्मी की छुट्टियों में ट्रेनों में वेटिंग लिस्ट लंबी होने के कारण मध्यम वर्ग और ग्रामीण क्षेत्रों के लोग एसटी बसों को ही प्राथमिकता देते हैं। ऐसे में ऐन वक्त पर लिया गया यह फैसला आम जनता के बजट को बिगाड़ सकता है। महामंडल का कहना है कि यह बढ़ोतरी केवल सीजन तक सीमित है, ताकि अतिरिक्त बसों के संचालन का खर्च निकाला जा सके।

पाकिस्तान को मिला थैंक्यू नोट और भारत को...

ईरान-यूएस सीजफायर पर बड़ा बयान

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

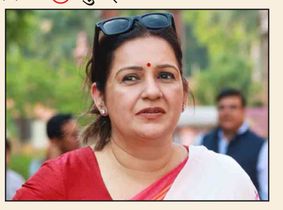

ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच जारी जंग में 40 दिनों बाद सीजफायर का ऐलान हो चुका है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दो हफ्ते के सीजफायर की घोषणा की है। वहीं ईरान ने अमेरिका के सामने 10 शर्तें रखी हैं। जिन्हें मानने के लिए ट्रंप तैयार हो गए हैं। इस बीच उद्धव गुट की नेता प्रियंका चतुर्वेदी की प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने कहा है कि ईरान को अपना पक्ष रखने का मौका मिल गया, अमेरिका ने अपनी इज्जत बचा ली, इजरायल को हकीकत का सामना करना पड़ा, पाकिस्तान को थैंक्यू नोट मिला, भारत को उसका तेल मिल गया, दुनिया को अस्थायी रूप से ही सही, शांति मिल गई। इस मामले पर ध्यान देने के लिए धन्यवाद।

भारत की भूमिका क्यों होनी चाहिए थी

प्रियंका चतुर्वेदी ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि अमेरिका और ईरान के बीच किसी भी वार्ता में भारत की भूमिका क्यों होनी चाहिए थी? आलोचना समझ में नहीं आती क्योंकि यह युद्ध हमारा नहीं था। उन्होंने आगे लिखा कि पाकिस्तान के लिए यह सीजफायर उस दलाल की तरह है जो पैसे लेकर संकट का समाधान करने का वादा करता है। जैसा कि भारत के विदेश मंत्री ने सर्वदलीय बैठक में कहा था।

ईरान ने पेश किया 10 सूत्रीय प्रस्ताव

अमेरिका के साथ युद्धविराम को लेकर ईरान की तरफ से 10 सूत्रीय प्रस्ताव पेश किया गया है। इसमें ईरान ने अमेरिका के सामने शर्तें रखी हैं। जिसमें आगे ईरान पर हमला न करना, लेबनान पर हमला न करना साथ ही ईरान को अब तक हुए नुकसान की भरपाई की शर्त शामिल है। इस पर अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि कहा कि अमेरिका द्वारा ईरान के पावर प्लांट, पुलों और अन्य बुनियादी ढांचों को निशाना नहीं बनाया जाएगा। मिडिल ईस्ट में शांति स्थापित करने के लिए वाशिंगटन और तेहरान के बीच 10 अप्रैल को इस्लामाबाद में मीटिंग होने की बात भी सामने आई है।

महाराष्ट्र में कुपोषण के खिलाफ जंग

अत्यंत कुपोषित बच्चों की संख्या 80,248 से घटकर हुई 13,321, सरकार का दावा

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

राज्य सरकार द्वारा समयसमय पर किए गए विभिन्न उपायों के चलते राज्य में कुपोषित बच्चों की संख्या में चरणबद्ध तरीके से कमी आई है। महिला एवं बाल विकास विभाग के अनुसार, वर्ष 2023 में जहां 80,248 अत्यंत कुपोषित बच्चे थे, वहीं अब यह संख्या घटकर 13,321 रह गई है। हालांकि, राज्य के दुर्गम और ग्रामीण क्षेत्रों के साथसाथ मुंबई जैसे बड़े शहरों की झुग्गी बस्तियों में भी कुपोषित बच्चों के पाए जाने से सरकार की चिंता बढ़ी है। नंदुरबार, गड़चिरोली, मेलघाट, पालघर, यवतमाल और वाशिम जैसे क्षेत्रों में अत्यंत कुपोषित बच्चों की संख्या अधिक है। वहीं नाशिक, धुलिया, चंद्रपुर और रायगड़ के कुछ हिस्सों में भी कुपोषण के मामले सामने आए हैं। इसके अलावा नागपुर, पुणे और मुंबई की झोपड़पट्टियों में भी कुपोषित बच्चे पाए गए हैं। कुपोषण के प्रमुख कारणों में गरीबी, भोजन की कमी, अपर्याप्त स्वास्थ्य सेवाएं, अस्वच्छता, पलायन और गलत खानपान की आदतें शामिल हैं। केंद्र सरकार की एकीकृत बाल विकास सेवा आईसीडीएस योजना के तहत आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाएं छह वर्ष तक के बच्चों, गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं और किशोरियों को विभिन्न सेवाएं प्रदान करती हैं। पोषण ट्रैकर प्रणाली का उपयोगइन सेवाओं की निगरानी के लिए पोषण ट्रैकर प्रणाली का उपयोग किया जा रहा है, जिसमें बच्चों का वजन और ऊंचाई हर महीने दर्ज की जाती है। इसके अलावा, बच्चों को पोषण आहार उपलब्ध कराने के लिए बनाए गए ऐप के माध्यम से आपूर्ति को तेज किया गया है।

मुंबई की सुरक्षा होगी और भी चाक-चौबंद

4 नए पुलिस स्टेशन और 2 नए डीसीपी जोन को मिली मंजूरी, बढ़ेगा पुलिस बल

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई मे तेजी से बढ़ती जनसंख्या, शहरी विस्तार और कानून-व्यवस्था की बढ़ती चुनौतियों को देखते हुए महाराष्ट्र राज्य के गृह विभाग ने मुंबई पुलिस बल के ढांचे को औस मजबूत करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। गृह विभाग ने मुंबई पुलिस आयुक्तालया के अंतर्गत 4 नये पुलिस स्टेशन, दो नये पुलिस उपायुक्त जोन तथा 3 नये सहायक पुलिस आयुक्त विभागों के गठन को औपचारिक मंजूरी दे दी है।

नए पुलिस स्टेशन और डीसीपी जोन को मिली मंजूरी

- जानकारी के अनुसार, जोन-8 में दो, जोन-7 में दो, जोन-11 में एक औस जोन-10 में एक पुलिस थाने की मंजूरी हुई है। इस विस्तार का मुख्य उद्देश्य पुलिस स्टेशनों के विशाल कार्यक्षेत्र और भारी आबादी के बोझ को कम करना है। मुंबई के कई पुलिस थानों पर जनसंख्या का अत्यधिक बोझ है। जहां एक सामान्य पुलिस स्टेशन 3 से 5 लाख लोगों को कवर करता है। वहीं, घाटकोपर पुलिस स्टेशन अकेले 13 लाख और शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन 10 लाख से अधिक आबादी की सुरक्षा करता है। इन दोनों पुलिस स्टेशनों पर जनसंख्या का सबसे अधिक बोझ है, और सुरक्षा के लिहाज से दबाव काफी ज्यादा है।
- तिलक नगर (6 लाख) और मालाड (4.5 लाख) जैसे क्षेत्रों में भी सुरक्षा के लिहाज से दबाव बहुत अधिक है। नये पुलिस स्टेशनों के निर्माण से इन भारी-भरकम कार्य क्षेत्रों का) विभाजन होगा, जिससे अपराध नियंत्रण में तेजी आएगी।

नए जोन और प्रशासनिक बदलाव

- वर्तमान में मुंबई में 13 पुलिसिंग जोन (1 से 12 और एक पोर्ट जोन) कार्यरत हैं। जो 5 प्रादेशिक क्षेत्रों में विभाजित हैं। नए बदलावों के तहत दो नये जोन जोड़े गए हैं। जिससे मौजूदा जोन के नंबरों में भी बदलाव हुआ है।
- **जोन-7 (पूर्वी उपनगर):** यह नया जोन घाटकोपर-तिलक नगर क्षेत्र को केंद्रित करेगा। इसमें चुनाभट्टी, नेहरू नगर, तिलक नगर, पंतनगर, घाटकोपर और विनोबा भावे नगर जैसे स्टेशन शामिल होंगे। साथ ही, असल्फा में एक नया पुलिस स्टेशन भी बनाया जाएगा।
- **जोन-12 (उत्तरी मुंबई):** यह जोन अंधेरी-गोरेगांव-मलाड कॉरिडोर की सुरक्षा संभालेगा। इसमें वसोर्वा, ओशिवारा, अंबोली, गोरेगांव, बांगुर नगर और मालाड स्टेशन शामिल होंगे। इसके अतिरिक्त, मार्वे में एक नया तटीय (कोस्टल) पुलिस स्टेशन भी स्थापित किया जाएगा।

तमिलनाडु चुनाव में किसी भी पार्टी ने नहीं दिए ब्राह्मण कैंडिडेट

प्रियंका चतुर्वेदी बोलीं- और बजाओ ताली थाली

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

उद्धव ठाकरे गुट की सीनियर नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने हाल ही में एक ऐसा बयान दिया है, जिससे सियासी पारा हाई हो गया है। चुनावी राज्य तमिलनाडु के डाटा का जिक्र करते हुए प्रियंका चतुर्वेदी ने नाराजगी जताई है और दावा किया है कि राज्य में सभी बड़ी पार्टियों ने एक भी ब्राह्मण चेहरे को उम्मीदवार नहीं बनाया। इसको लेकर उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट किया और लिखा- 'ऐसा और भी राज्यों में होगा... और बजाओ ताली और थाली।' एक्स पोस्ट में प्रियंका चतुर्वेदी ने लिखा, "मुझे खुशी है कि मैंने एक ऐसे आंदोलन को प्रेरित किया जो हमेशा आक्रोशित ही रहता है। जिस भी पक्ष के साथ भेदभाव होता है, मैं उसके पक्ष में बोलूंगी, चाहे वह मुस्लिम हों, एससी-एसटी हों, ईडब्ल्यूएस हों या इस मामले में ब्राह्मण हों।"

आरक्षण पर प्रियंका चतुर्वेदी का सवाल

इतना ही नहीं, आरक्षण के मकसद की सफलता पर सवाल उठाते हुए प्रियंका चतुर्वेदी ने यह भी पूछा कि क्या रिजर्वेशन का फायदा उस हर समुदाय को मिला है जिसको इसकी जरूरत थी या फिर कुछ समुदायों ने इसका ज्यादा लाभ उठाया? यूबीटी नेता ने अपने पोस्ट में लिखा, "...और जब हम आक्रोश की बात कर ही रहे हैं, तो यह भी जांचने का समय है कि प्रतिनिधित्व के नेक इरादे से शुरू हुई आरक्षण व्यवस्था ने क्या वास्तव में सभी आरक्षित वर्गों को समान रूप से लाभ पहुंचाया है या फिर इसका लाभ कुछ समुदायों ने दूसरों की तुलना में अधिक उठाया है?" प्रियंका चतुर्वेदी ने दो टूक यह भी कहा कि वह कठिन सवाल पूछेंगी, जवाब देना होगा। प्रियंका चतुर्वेदी के इस पोस्ट से जनता सहमत नहीं दिख रही। कई लोगों ने यूबीटी नेता के पोस्ट पर कमेंट कर लिखा है कि जब उन्हें ब्राह्मण उम्मीदवारों का डेटा पता लगा, तब उन्होंने आवाज उठाई, लेकिन जब अन्य समुदायों के साथ ऐसा कुछ होता है तो वह चुप्पी साध लेती हैं। हालांकि, प्रियंका चतुर्वेदी ने दावा किया है कि वह उस हर समुदाय के पक्ष में हैं, जिसको भेदभाव का सामना करना पड़ता है। इस मामले में वह समुदाय ब्राह्मण है।

डीजे की धुन पर नाचते-नाचते हुई युवक की मौत

गम में बदली दोस्त की शादी की खुशी

हिंदमाता नेटवर्क @ चंद्रपुर

चंद्रपुर जिले से एक ऐसी हृदय विदारक घटना सामने आई है, जिसने शादी के उत्सव को पल भर में गहरे शोक में बदल दिया। गोंडपीपरी तहसील के फुडीर्हेटी गांव में अपने दोस्त की शादी की खुशी में झूम रहे एक 25 वर्षीय युवक की नाचते-नाचते अचानक मौत हो गई। मृतक की पहचान अल्पेश दहागावकर के रूप में हुई है। इस घटना के बाद से पूरे इलाके में सन्नाटा पसरा हुआ है और शादी वाले घर में चीख-पुकार मची हुई है। मिली जानकारी के अनुसार, अल्पेश अपने बचपन के दोस्त की शादी में शामिल होने के लिए महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले के फुडीर्हेटी गांव आया था। रविवार को शादी का जश्न अपने चरम पर था और डीजे की धुन पर बाराती और दोस्त जमकर नाच रहे थे। अल्पेश भी पूरे उत्साह के साथ डांस फ्लोर पर थिरक रहा था, तभी अचानक वह लड़खड़ाकर जमीन पर गिर पड़ा।

सबको लगा कि मजाक कर रहा है

जब अल्पेश अचानक गिरा, तो वहां मौजूद दोस्तों और रिश्तेदारों को लगा कि शायद वह थक गया है या मस्ती के मूड में मजाक कर रहा है। लोग उसे उठाने के लिए आगे बढ़े, लेकिन जब अल्पेश के शरीर में कोई हलचल नहीं हुई, तो जश्न का शोर अचानक चीखों में बदल गया। घबराए हुए परिजन और दोस्त उसे तुरंत गोंडपीपरी के ग्रामीण सरकारी अस्पताल ले गए, लेकिन वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे 'ब्रॉट डेड' (मृत) घोषित कर दिया।

हार्ट अटैक की आशंका

डॉक्टरों और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, अल्पेश की मौत का प्रारंभिक कारण साइलेंट हार्ट अटैक या कार्डियक अरेस्ट माना जा रहा है। हालांकि, अस्पताल प्रशासन का कहना है कि मौत की सही वजह का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो पाएगा। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि डीजे के तेज शोर और लगातार शारीरिक परिश्रम के कारण कभी-कभी हृदय पर अत्यधिक दबाव पड़ता है, जो जानलेवा साबित हो सकता है।

गांव में पसरा सन्नाटा

जिस घर से कुछ ही घंटों बाद बारात निकलनी थी, वहां अब अंतिम संस्कार की तैयारियां हो रही हैं। अल्पेश की मौत ने एक बार फिर युवाओं में बढ़ते हार्ट अटैक के मामलों पर चिंता बढ़ा दी है। फुडीर्हेटी गांव के निवासियों ने बताया कि अल्पेश एक मिलनसार और स्वस्थ युवक था, और उसकी इस तरह अचानक विदाई ने सबको झकझोर कर रख दिया है। स्थानीय पुलिस ने इस मामले में आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

घाटकोपर में पानी सप्लाई फिर शुरू

बीएमसी ने 5 दिनों तक पानी उबालकर पीने की दी सलाह

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मुंबई महानगरपालिका के जल विभाग ने घाटकोपर क्षेत्र के निवासियों के लिए एक महत्वपूर्ण अपडेट जारी किया है। पिछले कुछ दिनों से घाटकोपर (वेस्ट) में चल रहा पानी की टंकी (रिजर्वायर) की मरम्मत का काम सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। इसके साथ ही, 10 अप्रैल 2026 से क्षेत्र में जलापूर्ति अपनी पुरानी समय-सारणी (शेड्यूल) के अनुसार फिर से बहाल कर दी जाएगी।

मरम्मत कार्य हुआ पूरा

मुंबई महानगरपालिका के जल विभाग के अनुसार, घाटकोपर (पश्चिम) स्थित 'लो लेवल रिजर्वायर' के दो बड़े कम्पार्टमेंट्स में लीकेज और मेंटेनेंस का काम चल रहा था। इस मरम्मत के कारण पिछले कुछ समय से पानी की सप्लाई के समय में बदलाव किया गया था, जिससे स्थानीय निवासियों को थोड़ी असुविधा का सामना करना पड़ रहा था। अब दोनों कम्पार्टमेंट्स का काम पूरा होने के बाद प्रशासन ने सप्लाई को सामान्य करने का निर्णय लिया है।

इन इलाकों को मिलेगी राहत

10 अप्रैल से जिन प्रमुख क्षेत्रों में पानी की सप्लाई पुराने समय पर शुरू होगी, उनमें नारायणनगर, चिरागनगर, आजाद नगर, गणेश मैदान, पारशीवाड़ी, न्यू माणिकलाल एस्टेट मार्ग, एनएसएस मार्ग, महिंद्रा पार्क, डी.एस. मार्ग सहित अन्य क्षेत्र शामिल हैं। इनके अलावा आसपास के अन्य स्लम और हाउसिंग सोसायटियों में भी पानी का प्रेशर और समय पहले जैसा हो जाएगा।

बीएमसी की सलाह: पानी उबालकर पिएं

भले ही पानी की सप्लाई बहाल हो गई है, लेकिन बीएमसी ने स्वास्थ्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए एक महत्वपूर्ण चेतावनी जारी की है। प्रशासन ने अपील की है कि रिपेयरिंग के बाद शुरूआती दिनों में पानी में थोड़ी गंदगी या मटमैलापन होने की संभावना रहती है। इसलिए, आगामी 5 दिनों तक नागरिक पानी को अच्छी तरह उबालकर या फिल्टर करने के बाद ही इस्तेमाल करें। मानसून से पहले और मरम्मत के तुरंत बाद जलजनित बीमारियों के खतरे को टालने के लिए यह सावधानी बरतनी आवश्यक है। स्थानीय प्रशासन ने नागरिकों से सहयोग की अपील की है और कहा है कि यदि पानी सप्लाई में कोई तकनीकी दिक्कत आती है, तो वे तुरंत संबंधित वॉर्ड ऑफिस में संपर्क कर सकते हैं।

इंस्टाग्राम पर नकली नोटों का काला खेल, 2 गिरफ्तार

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

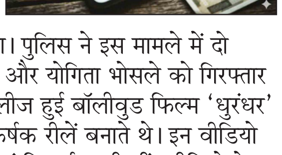

सोशल मीडिया की दुनिया जितनी रंगीन है, उसके पीछे छिपे खतरे उतने ही गहरे हैं। महाराष्ट्र साइबर पुलिस ने हाल ही में एक ऐसे गिरोह का पदार्फाश किया है जो इंस्टाग्राम पर फिल्मी गानों की आड़ में नकली नोटों का धंधा चला रहा था। पुलिस ने इस मामले में दो मुख्य आरोपियों, राहुल अनिल पवार और योगिता भोसले को गिरफ्तार किया है। ये जालसाज हाल ही में रिलीज हुई बॉलीवुड फिल्म 'धुरंधर' के साउंडट्रैक का उपयोग करके आकर्षक रीलें बनाते थे। इन वीडियो में असली दिखने वाले नोटों की गड्डियां दिखाई जाती थीं। वीडियो के कैप्शन में दावा किया जाता था कि ये नकली नोट बाजार में आसानी से चलते हैं और इनकी 'होम डिलीवरी' भी उपलब्ध है।

पुलिस जांच में सामने आया कि ये ठग लोगों को 1 लाख रुपए के बदले 5 से 8 लाख रुपए के नकली नोट देने का लालच देते थे। जो लोग इनके झांसे में आते, उन्हें व्हाट्सएप पर बुलाया जाता था। ठगी के दो तरीके अपनाए जाते थे। एडवांस पेमेंटः कई बार आरोपी एडवांस पैसे ऑनलाइन मंगवा लेते थे और फिर पीड़ित का नंबर ब्लॉक कर देते थे। आमने-सामने लूटः यदि कोई ग्राहक खुद पैसे लेने पहुंचता, तो उसे किसी सुनसान जगह बुलाकर स्थानीय गैंग का डर दिखाया जाता और उसके पास मौजूद असली पैसे भी लूट लिए जाते थे।

पति ने पत्नी की पीट-पीटकर की हत्या

हिंदमाता नेटवर्क @ पुणे

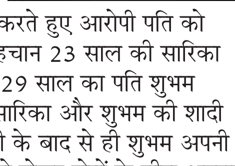

पुणे के बिबवेवाड़ी इलाके से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जहां एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की हत्या कर उसे हादसा दिखाने की साजिश रच डाली। पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। मृत महिला की पहचान 23 साल की सारिका घोडके के रूप में हुई है, जबकि आरोपी 29 साल का पति शुभम श्रीकांत घोडके है। पुलिस के मुताबिक, सारिका और शुभम की शादी कुछ महीने पहले ही हुई थी। लेकिन शादी के बाद से ही शुभम अपनी पत्नी के चरित्र पर शक करता था, जिसको लेकर दोनों के बीच अक्सर विवाद होता रहता था। 24 मार्च को भी इसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते हिंसक झगड़े में बदल गई।

पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की

गुस्से में आकर शुभम ने सारिका की बेरहमी से पिटाई की और रसोई में मौजूद चीजों से उस पर हमला कर दिया। इस हमले में सारिका गंभीर रूप से घायल हो गई। वारदात के बाद आरोपी उसे अस्पताल लेकर पहुंचा, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मामले को छिपाने के लिए शुभम ने पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की। उसने दावा किया कि सारिका की मौत गैलरी से गिरने के कारण हुई है। लेकिन घटनास्थल की स्थिति और शरीर पर मिले चोटों के निशानों ने पुलिस के संदेह को बढ़ा दिया। बिबवेवाड़ी पुलिस ने तकनीकी जांच और पूछताछ के जरिए सच्चाई का पता लगाया। जब आरोपी से सख्ती से पूछताछ की गई तो वह अपने बयान में उलझने लगा और उसने अपराध कबूल कर लिया। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर उसके खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। जांच के दौरान यह भी सामने आया है कि आरोपी ने सबूत मिटाने की कोशिश की थी। वहीं, पड़ोसियों के मुताबिक पति-पत्नी के बीच आए दिन झगड़े होते रहते थे। फिलहाल पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है।

हिंदमाता एंकर: जमीन के पारिवारिक विवादों से मिलेगा छुटकारा, प्रशासनिक देरी को कम करने के लिए सरकार ने इस प्रक्रिया को कर दिया तेज

अब केवल 200 रुपए में होगी खेत की पैमाइश

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

ग्रामीण इलाकों में अक्सर देखा जाता है कि एक ही सर्वे नंबर या गोट की जमीन को लेकर भाइयों और परिवार के सदस्यों के बीच वर्षों तक विवाद चलता रहता है। इन पारिवारिक झगड़ों को खत्म करने और राजस्व रिकॉर्ड को पारदर्शी बनाने के लिए महाराष्ट्र सरकार ने एक क्रांतिकारी कदम उठाया है। अब किसान नाममात्र के शुल्क पर अपनी जमीन के टुकड़ों का आधिकारिक विभाजन और पैमाइश करा सकेंगे।

सिर्फ 200 रुपए में होगा काम

पहले जमीन की पैमाइश और नक्शा बनवाने के लिए किसानों को हजारों रुपए खर्च करने पड़ते थे और सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने पड़ते थे। लेकिन अब महाराष्ट्र सरकार ने फैसला किया है कि संयुक्त परिवार की जमीन के बंटवारे, पंजीकृत बंटवारा पत्र या महाराष्ट्र भूमि राजस्व अधिनियम 1966 के तहत होने वाले विभाजन के लिए किसानों से प्रति हिस्से केवल 200 रुपए शुल्क लिया जाएगा। आवेदन करने और आवश्यक दस्तावेज जमा करने के बाद लगभग एक महीने के भीतर माप की प्रक्रिया पूरी कर दी जाएगी। सभी सह-स्वामियों के हस्ताक्षर के साथ तहसीलदार या भूमि अभिलेख कार्यालय में आवेदन करना होगा।

क्या है 'पोटहिस्सा मोजणी'?

जब एक संयुक्त परिवार के नाम पर दर्ज किसी एक सर्वे नंबर या गट की जमीन का आपस में बंटवारा होता है, तो नक्शे पर प्रत्येक हिस्सेदार की जमीन को अलग-अलग दिखाना 'पोटहिस्सा मोजणी' कहलाता है। इससे मूल गट के उप-विभाग हो जाते हैं। हर हिस्सेदार को अपना स्वतंत्र हिस्सा और अलग सातबारा (7/12) मिल जाता है। भविष्य में जमीन बेचने या बैंक से लोन लेने में कोई कानूनी अड़चन नहीं आती।

पैमाइश की 'क' प्रति अब समय पर मिलेगी

अमरावती के तहसीलदार विजय लोखंडे के अनुसार, प्रशासनिक देरी को कम करने के लिए सरकार ने इस प्रक्रिया को तेज कर दिया है। पैमाइश पूरी होने के बाद मिलने वाला आधिकारिक नक्शा (क-प्रति) अब किसानों को निर्धारित समय के भीतर उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिए ई-मोजणी पोर्टल का उपयोग किया जा रहा है।

आवेदन के लिए आवश्यक शर्तें और दस्तावेज

- इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए कुछ नियम तय किए गए हैं।
- **सभी की सहमति:** सातबारा पर दर्ज सभी हिस्सेदारों की लिखित सहमति अनिवार्य है। यदि विवाद है, तो मामला दीवानी न्यायालय में जाएगा।
- **दस्तावेज:** चालू सातबारा (7/12), 8-अ उतारा और यदि रजिस्टर्ड बंटवारा पत्र है तो वह आवश्यक है।
- **समय सीमा:** आवेदन और शुल्क जमा करने के बाद लगभग एक महीने के भीतर मामले का निपटारा करने के निर्देश दिए गए हैं।

डिजिटल सातबारा की ओर कदम

अक्सर परिवारों में जमीन का 'मौखिक बंटवारा' तो हो जाता है, लेकिन सरकारी रिकॉर्ड में वह दर्ज नहीं होता। इससे रिकॉर्ड में त्रुटियां बनी रहती हैं। सरकार का यह कदम डिजिटल सातबारा को पूरी तरह सटीक और अपडेट बनाने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा।

विचार प्रवाह

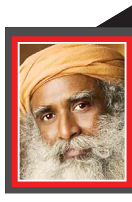

कोई भी काम तनावपूर्ण नहीं है। शरीर, मन और भावनाओं का प्रबंधन ना कर पाने की आपकी असमर्थता उसे तनावपूर्ण बनाता है।

– सद्गुरु जग्गी वासुदेव

संपादकीय

मंडी पोर्टलों की बाधा

कहने को तो देश डिजिटल क्रांति के दौर में पहुंच चुका है और वित्तीय लेनदेन से लेकर तमाम क्षेत्रों में आधुनिक तकनीक वरदान साबित हो सकती है। लेकिन हमें यह मानकर चलना चाहिए कि देश का परंपरागत किसान डिजिटल सुविधाओं के उपयोग में खुद को सहज महसूस नहीं करता। आधुनिक डिजिटल तकनीक का प्रयोग नई पीढ़ी की सोच के अनुरूप है, लेकिन पुरानी पीढ़ी इसके उपयोग में खुद को असहज पाती है। कमोबेश किसानों के कल्याण के लिए बनाये गए मंडी पोर्टलों पर भी यही बात लागू होती है। जाहिरा तौर पर किसानों के लिये मंडी पोर्टलों का उपयोग आसान होना चाहिए। बाकायदा किसानों को डिजिटल साक्षर बनाने की मुहिम चलाने की जरूरत भी है। सही मायनों में डिजिटलीकरण का मुख्य उद्देश्य कृषि उपजों की खरीद की प्रक्रिया को सरल बनाना था। लेकिन हरियाणा में जमीनी हकीकत इसके विपरीत नजर आ रही है। दरअसल, हम एक आम किसान से यह उम्मीद नहीं कर सकते कि वह शहरी लोगों की तरह पोर्टलों, पासवर्डों और प्रक्रियात्मक पेचीदगियों के जाल का सहजता से उपयोग कर सके। यही वजह है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी का लाभ उठाने के लिये उसे एक जटिल प्रक्रिया का सामना करना पड़ा है। उल्लेखनीय है कि राज्य भर की मंडियों से द ट्रिब्यून में प्रकाशित हालिया रिपोर्टों से एक जैसा पैटर्न नजर आया है। अब राज्य में फसलों की बिक्री के लिये अनिवार्य पोर्टल- ई-खरीद और मेरी फसल, मेरा ब्योरा यानी एमएफएमबी- साइट क्रैश, डेटा विसंगतियों और सत्यापन की विफलताओं से ग्रस्त है। जिससे कई तरह की समस्याओं से किसानों को रूबरू होना पड़ रहा है। यहां तक कि कई जिलों में, किसानों को गेट पास तक नहीं दिए गए हैं। वजह यह बतायी जा रही है कि किसानों का रिकॉर्ड मेल नहीं खा रहा है। कई बार अंतिम व महत्वपूर्ण क्षणों में सर्वर ने काम नहीं किया। जिसका खमियाजा फसल बेचने आने वाले किसानों को उठाना पड़ रहा है। दरअसल, ऐसी अनेक तकनीकी जटिलताओं के परिणाम तात्कालिक व गंभीर बताये जाते हैं। किसानों की फसल तो बिक्री के लिये तैयार है, लेकिन कतिपय कारणों से उसे मंडियों में प्रवेश करने में दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। यही वजह है किसान अपने खून-पसीने की फसल निजी व्यापारियों को बेचने को विवश हो जाते हैं। किसान की मजबूरी ये होती है कि वह जल्द से जल्द फसल बेचना चाहता है। उसे अपने पहले के खर्च निकालने हैं और अगली फसल की तैयारी करनी है। जिसके चलते वह तुरंत भुगतान की आस में कम दाम में भी व्यापारियों को फसल बेचने को बाध्य हो जाता है। ऐसा नहीं है कि सरकारी एजेंसियां खरीद नहीं कर रही हैं, लेकिन फसल की आवक का एक छोटा हिस्सा ही खरीद पायी हैं। जो फसल खरीद के वायदे और वास्तविक तैयारी के बीच के अंतर को स्पष्ट करती है। कुछ आंकड़े इस बात की पुष्टि कर रहे हैं। विशेष रूप से, हरियाणा में गेहूं की खरीद को 80 लाख टन से घटाकर 72 लाख टन करने से किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर्याप्त रूप में नहीं मिल पा रहा है। जिसके चलते उन्हें आर्थिक घाटा उठाना पड़ रहा है। विडंबना यह है कि जो अनाज एमएसपी पर नहीं खरीदा जाता है, उसे किसान व्यापारियों को एमएसपी से 400 से पांच सौ रुपये कम दाम पर बेचने को मजबूर है। यानी एमएसपी के मूल उद्देश्य के विपरीत यह किसानों के हितों को नुकसान पहुंचा रहा है। इस बात में कोई संदेह नहीं कि डिजिटलीकरण का लक्ष्य व्यवस्था में पारदर्शिता और दक्षता लाना है। लेकिन इस प्रणाली की उपयोगिता तभी है जब सर्वर ठीक से काम कर रहा हो। साथ ही लोग इसका उपयोग बेहतर ढंग से करना जानते हों। यह प्रक्रिया छोटे और गरीब व निरक्षर किसानों को प्रोसेस से बाहर कर देती है। जिनकी सेवा का दावा व्यवस्था अक्सर करती है। एक विसंगति यह भी कि इसमें कोई बैकअप सिस्टम नहीं है। पोर्टल के फेल होने पर खरीद रुक जाती है। यदि एमएसपी का लाभ कमजोर डिजिटल प्रणाली की वजह से किसान को नहीं मिलता, तो यह किसानों का सुरक्षा कवच नहीं रह जाता है।

आज का इतिहास

- 1860 - पहली बार मनुष्य की आवाज का अंकन किया गया।
- 1965 - कच्छ के रन में भारत-पाक में युद्ध छिड़ा।
- 1988 - ली पेंग चीन के प्रधानमंत्री बने।
- 1989 - एशिया की पहली संपूर्ण भूमिगत संजय जलविद्युत परियोजना शुरू की गयी।
- 1998 - सऊदी अरब में मीना के पास भगदड़ में 150 से अधिक यात्रियों की मृत्यु।
- 1999 - नाइजर के राष्ट्रपति इब्राहिम बारे मैनसारा की हत्या, खालसा पंथ की त्रिशती पर विशेष डाक टिकट जारी।
- 2002 - बहरीन में निगम चुनाव में महिलाओं को भी भाग लेने की छूट मिली।
- 2003 - स्टीव वॉ सर्वाधिक टेस्ट (157) खेलने वाले खिलाड़ी बने।
- 2004 - ईराक में संघर्ष तेज पर अमेरिकी काफि ले पर हमले में 9 लोगों की मृत्यु। पुर्तगाल के सर्वोच्च न्यायालय ने भारत के कई आपराधिक मामलों में वांछित माफिया सरगना अबू सलेम के भारत प्रत्यर्पण संबंधी आदेश की पुनः समीक्षा करने को कहा।
- 2005 - ब्रिटेन के युवराज चार्ल्स का विवाह कैमिला के साथ संपन्न।
- 2006 - यूरेनस ग्रह के चारों ओर शनि जैसा वलय होने की पुष्टि। पाकिस्तान के राष्ट्रपति जनरल परवेज मुशर्रफ ने 2007 के चुनावों के बाद भी अपने पद बने रहने की घोषणा की।
- 2008 -उत्तर प्रदेश सरकार ने दलिया व कॉपियों समेत डेढ़ दर्जन वस्तुओं को वैट से मुक्त किया। राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) ने वर्ष 2007-08 में अपने कारोबार में पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 21% की वृद्धि की। नेपाल में बहुप्रतीक्षित संविधान सभा के लिए मतदान शुरू हुआ।
- 2010 - जम्मू-कश्मीर की विधान सभा ने अंतर ज़िला भर्तियों पर पाबंदी लगाए जाने सबंधी विवादित विधेयक पारित हो गया।
- 1933 - प्रतिमा देवी (अभिनेत्री)- कन्नड़ सिनेमा की प्रसिद्ध भारतीय अभिनेत्री थीं।
- 1893-राहुल सांकृत्यायन- हिंदी के एक प्रमुख साहित्यकार थे।
- 1916 - एस. ओबुल रेड्डी - आंध्र प्रदेश के 6वें राज्यपाल थे।
- 1929 - शरन रानी - 'हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत' की विद्वान और सुप्रसिद्ध सरोद वादिका
- 1948-जया बच्चन- अभिनेत्री।
- 1954 - जयराम रमेश, प्रसिद्ध राजनीतिज्ञ और अर्थशास्त्री।
- 1964 - तीरथ सिंह रावत - भारतीय जनता पार्टी के राजनीतिज्ञ हैं।
- 1919 - अवधानम सीता रमन - भारतीय लेखक और पत्रकार थे।
- 1981 - दुगार्बाई देशमुख, प्रथम महिला नेता
- 1984 - भाऊराव देवाजी खोब्रागडे - भारतीय भारतीय रिपब्लिकन पार्टी के राजनीतिज्ञ थे।

पश्चिम एशिया संकट में उलझे ट्रंप

ईरान-इजरायल टकराव ने अमेरिकी नेतृत्व की सीमाएं उजागर कीं

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

वर्ष 2010 की चर्चित फिल्म 'फंस गए रे ओबामा' एक कामेडी फिल्म थी। यह एक त्रासदी से उपजी थी। इसकी कहानी राष्ट्रपति बराक ओबामा के कार्यकाल में अमेरिका में उभरे आर्थिक संकट से ग्रस्त भारत आए एक एनआरआइ से संबंधित थी। जैसे अमेरिका में आई मंदी ने उस वक्त सारे विश्व को परेशान किया, वैसे ही अमेरिका की ओर से इजरायल के साथ मिलकर ईरान पर किए गए हमले से आज सारा विश्व त्रस्त है। इस युद्ध को जारी हुए एक महीने से अधिक का समय बीत गया है और कहना कठिन है कि यह कब समाप्त होगा?

ट्रंप की रणनीतिक भूल और युद्ध की शुरूआत

यदि अमेरिका इजरायल का साथ नहीं देता तो इस युद्ध की नौबत ही नहीं आती, लेकिन ऐसा लगता है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने अहंकार के चलते ईरान को वेनेजुएला समझ लिया और बिना यह विचारे उस पर चढ़ाई कर दी कि उसने कितनी एवं कैसी सैन्य क्षमता हासिल कर ली है? वे इसे भी भांप नहीं सके कि ईरान पड़ोसी देशों में हमले करके और होर्मुज समुद्री मार्ग अवरुद्ध कर उनके पसीने छुड़ा देगा। वह फिलहाल सचमुच ऐसा करने में समर्थ है और ट्रंप को सूझ नहीं रहा है कि वे इस युद्ध से कैसे निकलें?

शक्ति का दावा, कमजोरी का प्रदर्शन

■ एक ओर वे सबसे शक्तिशाली शासक और विश्व के नीति-नियंता होने के गुमान में हैं और दूसरी ओर ईरान को होर्मुज खोलने के लिए मोहलत पर मोहलत देकर अपनी कमजोरी भी जाहिर कर चुके। यदि उनकी सेना इतनी ही शक्तिशाली है तो ईरान की मारक क्षमता कम होने का नाम क्यों नहीं ले रही है? वह ऐसी-ऐसी मिसाइलें दागने में लगा हुआ है, जिससे अमेरिका भी दंग है और इजरायल भी। ट्रंप कभी ईरान को पाषाण युग में पहुंचाने की धमकी देते हैं और कभी उससे शांति वार्ता की पहल करते हैं।

शांति प्रस्ताव पर ईरान का पलटवार

■ ट्रंप ने ईरान के समक्ष शांति वार्ता का जो प्रस्ताव रखा, उसने उसे खारिज ही नहीं किया, बल्कि उनका उपहास भी उड़ाया। वह उन्हें जवाबी धमकी भी दे रहा है। ट्रंप ने ईरान पर हमला करते समय कहा था कि वे वहां सत्ता परिवर्तन के साथ परमाणु हथियारों के निर्माण की उसकी क्षमता खत्म करना चाहते हैं। ईरान में सत्ता परिवर्तन के कोई आसार नहीं, जबकि उसके सुप्रीम नेता खामेनेई समेत कई बड़े सैन्य अफसर मारे जा चुके हैं। यह कहना भी कठिन है कि अमेरिका और इजरायल के हमलों में उसके परमाणु संयंत्र इतने बुरी तरह तबाह हो गए हैं कि वह फिर कभी परमाणु हथियार बनाने की क्षमता हासिल नहीं कर सकेगा।

मित्र देशों से घटता समर्थन

■ अपनी टैरिफ नीति की लाठी से दुनिया को हांकने वाले ट्रंप न तो खाड़ी देशों को ईरान के हमलों से बचा पा रहे हैं और न ही अपने मित्र देशों और यहां तक कि नाटो देशों को इस युद्ध में सहयोग देने के लिए राजी कर पा रहे हैं। उनके मित्र देश उनका सहयोग करने के लिए इसलिए भी आगे नहीं आ रहे हैं, क्योंकि बहुत समय नहीं हुआ, जब उन्होंने ग्रीनलैंड पर कब्जे की धमकी देकर उन्हें तंग किया था। ईरान ने इस माहौल की हवा निकाल दी है कि दुनिया में वही होगा, जैसा ट्रंप चाहेंगे और उनकी जिद के सामने अन्य देशों को झुकना ही होगा।

शांति के दावों की पोल

■ ट्रंप यह कहते रहे हैं कि वे शांति के राष्ट्रपति हैं और सात-आठ युद्ध रोके हैं, लेकिन उनके पास इसका कोई जवाब नहीं कि वे रूस-यूक्रेन युद्ध क्यों नहीं रोक सके, जिस पर उन्होंने सबसे ज्यादा रियाज किया। शांति का स्वयंभू मसीहा होने के नाते वे खुद को नोबेल पुरस्कार का अधिकारी बताते रहे हैं और उसके न मिलने पर विलाप भी करते रहे हैं, लेकिन उन्होंने कुल मिलाकर दुनिया को अस्थिर और अशांत ही किया है। वे अपने विरोधी देशों के साथ मित्र देशों से भी बुरा बर्ताव करने के आदी हैं। ट्रंप यह चाहते हैं कि सारी दुनिया उन्हें सलाम करे, लेकिन वे इसके लिए धौंस-धमकी का सहारा लेते हैं।

ट्रंप की छवि और व्यवहार पर सवाल

■ इसी कारण वे आदर और सम्मान के पात्र नहीं और न हो सकते हैं। ट्रंप एक अविश्वसनीय और अराजक शासक हैं, क्योंकि वे अपने कहे से मुकरने, मनमानी करने और झूठ बोलने में माहिर हैं। वे ऐसा दिखाते हैं कि उनके पास दुनिया की हर समस्या का समाधान है, पर पश्चिम एशिया संकट उनके गले की हड्डी बन गया है। इससे वे कितने कुंठित हैं, इसका पता गत दिनों की उनकी गाली-गलौज वाली पोस्ट से मिला। उनकी भाषा का स्तर कुछ-कुछ हिंदी फिल्मों के इस डायलाग जैसा था-कुत्ते कमीने मैं तेरा खून पी जाऊंगा।

ईरान के प्रति सहानुभूति और वास्तविकता

■ पश्चिम एशिया संकट में बुरी तरह फंस गए ट्रंप सहानुभूति के पात्र नहीं, क्योंकि उन्होंने मनमानी ही की। चूंकि ईरान अमेरिका और इजरायली हमलों से जूझ रहा है, इसलिए वह दुनिया के एक बड़े हिस्से में हमदर्दी हासिल कर रहा है, लेकिन यदि अमेरिका और इजरायल ने मनमानी की तो ईरान भी दूध का धुला नहीं। वहां की सत्ता एक निरंकुश और अपने ही लोगों के प्रति निर्मम बर्ताव करने वाली सत्ता है। उसने अपने ही हजारों लोगों को मारा है। वह इजरायल को दुनिया के नक्शे से मिटाने की सनक से बुरी तरह ग्रस्त है।

परमाणु खतरा और क्षेत्रीय अस्थिरता

■ यदि ईरान परमाणु हथियार बना लेता है तो इजरायल के अस्तित्व के लिए तो गंभीर खतरा बनेगा ही, पश्चिम एशिया में दादागीरी कर सबको तंग करेगा और हमास, हिजबुल्ला जैसे आतंकी संगठनों की और खुलकर मदद करेगा। पश्चिम एशिया संकट का समाधान चाहे जब और जैसे हो, फिलहाल अमेरिकी राष्ट्रपति वहां बुरी तरह घिर गए हैं और उन पर 'फंस गए रे ट्रंप' जैसी फिल्म बनाने की आवश्यकता नहीं, क्योंकि वे खुद चलती-फिरती कामेडी बन गए हैं।

आंखनदेखी

काठमांडू, नेपाल शहर के पश्चिम में स्थित प्राचीन धार्मिक स्थल स्वयंभूनाथ में बुद्ध प्रतिमा पर बैठे बंदर दिखाई देते हैं। पहाड़ी पर स्थित यह स्थल अपनी आध्यात्मिक महत्ता के साथ-साथ प्राकृतिक वातावरण और जीवंत वन्य जीवन के कारण पर्यटकों का प्रमुख आकर्षण बना हुआ है।

हिरासत में मौत 9 पुलिसकर्मियों को फांसी

● थाने में बाप-बेटे संग हुई बेरहमी की खौफनाक कहानी

हिंदमाता नेटवर्क @ तमिलनाडु

एक्स फाइल

तमिलनाडु के सथानकुलम कस्टोडियल किलिंग केस में अदालत का ऐतिहासिक फैसला आया है। बाप-बेटे के साथ हुई अमानवीय यातना ने पूरे देश को झकझोर दिया था। अब 6 साल बाद कोर्ट ने 9 पुलिसवालों को फांसी की सजा सुनाई है। यह फैसला न सिर्फ न्याय की मिसाल है, बल्कि पुलिस अत्याचार के खिलाफ कड़ा संदेश भी देता है। मद्रास हाई कोर्ट की मदुरै बेंच ने इस मामले को रेयरेस्ट ऑफ रेयर मानते हुए दोषियों को फांसी की सजा सुनाई। यह फैसला लंबे चले ट्रायल के बाद आया है। इस मामले की सुनवाई फर्स्ट एडिशनल डिस्ट्रिक्ट एंड सेशंस जज जी मुथुकुमारन की अदालत में हुई, जहां सभी आरोपियों को हत्या समेत कई गंभीर धाराओं में दोषी पाया गया। सीबीआई ने अपनी जांच के दौरान जो खुलासे किए, वे बेहद चौंकाने वाले थे। सथानकुलम थाने की दीवारों, टॉयलेट, एसएचओ के कमरे और लाठियों से जुटाए गए डीएनए सैंपल, पीड़ितों जयराज और बेनिक्स से मेल खा गए। फोरेंसिक रिपोर्ट में साफ कहा गया कि दोनों पीड़ितों को हिरासत में पुलिसवालों ने बेरहमी से टॉर्चर किया था। जांच रिपोर्ट के मुताबिक, 19 जून 2020 की शाम और रात थाने के अंदर दोनों के साथ अमानवीय व्यवहार किया गया। जिस तरह से दोनों को पीटा गया, वो उनकी मौत का कारण बनने के लिए पर्याप्त था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और न्यायिक जांच में भी यही बात सामने आई कि पुलिस की बर्बरता ही उन दोनों की मौत की वजह बनी। इतना ही नहीं, दोनों को अपने ही खून को अपने कपड़ों से साफ करने के लिए मजबूर किया गया था। सीबीआई के मुताबिक, 19 जून 2020 की रात करीब साढ़े सात बजे कोरोना लॉकडाउन के दौरान दुकान खोलने की वजह से जयराज को पुलिस ने कामराजर चौक से उठा लिया। जब उनके बेटे बेनिक्स को ये पता चला, तो वो तुरंत थाने पहुंच गया।

कई घंटों तक चला सिलसिला

थाने में बेनिक्स ने देखा कि उसके पिता को पीटा जा रहा है। उसने विरोध किया, तो पुलिसवाले आगबबूला हो गए। उन्होंने बेनिक्स पर भी हमला कर दिया। जब उसने बचाव किया, तो पुलिसकर्मी और भड़क गए। इसके बाद आरोपी पुलिसकर्मियों ने मिलकर दोनों को सबक सिखाने का फैसला किया। इसके बाद शुरू हुआ बेरहमी का सिलसिला, जो घंटों तक चला।

मेज पर झुकाकर पीटा गया

चार्जशीट में उस खौफनाक मंजर का जिक्र है, जिसे सुनकर रूह कांप जाती है। दोनों को कपड़े उतरवाकर सिर्फ अंडरवियर में मेज पर झुकाया गया। उनके हाथ-पैर पकड़े गए ताकि वे हिल भी न सकें। फिर उनके कूल्हों, पीठ और शरीर के अन्य हिस्सों पर डंडों से लगातार वार किए गए। पिटाई इतनी बेरहमी से हुई कि शरीर पर गहरे जख्म हो गए।

मौत देने वाली क्रूर यातना

न्यायिक मजिस्ट्रेट की रिपोर्ट में दोनों के शरीर पर 18 गंभीर चोटों का जिक्र किया गया। डॉक्टरों की टीम ने अपनी रिपोर्ट में साफ कहा कि इन चोटों से पैदा हुई जटिलताओं के कारण ही बेनिक्स की मौत हुई। जयराज ने भी पुलिसवालों से रहम की गुहार लगाई थी। उन्होंने कहा था, "मत मारो, ब्लड प्रेशर, डायबिटीज की बीमारी है।"

देशभर में गूंजा था मामला

उस गुहार किसी ने नहीं सुनी। पुलिसवालों को यह पता था कि इतनी मार से मौत हो सकती है, फिर भी उन्होंने यातना जारी रखी। जयराज और बेनिक्स की मौत के बाद पूरे देश में गुस्सा फैल गया। इस मामले में 10 पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार किया गया। उनमें से एक आरोपी पुलिसवाले की कोरोना के दौरान मौत हो गई।

फैसला न्याय की बड़ी जीत

इस घटना ने पुलिस हिरासत में होने वाले अत्याचारों पर बड़े सवाल खड़े किए। सथानकुलम कांड ने उन कई मामलों को भी उजागर किया, जहां हिरासत में लोगों के साथ अमानवीय व्यवहार किया गया था। अब अदालत के इस फैसले को न्याय की बड़ी जीत माना जा रहा है, जिसने यह साफ कर दिया कि कानून से ऊपर कोई नहीं है।

प्रेरक प्रसंग

समय का महत्व

कबीर नाम का एक लड़का था। वह स्वभाव से बहुत मतलबी और स्वार्थी था। पढ़ाई-लिखाई में उसकी बिल्कुल रुचि नहीं थी। हर दिन वह स्कूल जाने के लिए घर से तो निकलता, लेकिन स्कूल पहुंचने के बजाय रास्ते में ही अपने कुछ शरारती दोस्तों के साथ पार्क में खेलता रहता था। दिनभर मस्ती करने के बाद, जब स्कूल की छुट्टी होती, तब वह भी अपना बैग लेकर ऐसे घर लौटता जैसे वह सच में स्कूल गया हो। उसके माता-पिता को उसकी इस आदत का बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था। एक दिन कबीर की मुलाकात उसके सहपाठी मोहित से हुई। कबीर ने उससे स्कूल में करवाए गए कक्षा-कार्य की कॉपी मांगी ताकि वह उसे घर पर उतार सके। मोहित ने पहले तो साफ मना कर दिया। उसने कहा कि तुम कभी स्कूल नहीं आते, फिर मेरी कॉपी क्यों चाहिए? यह सुनकर कबीर रोने लगा और मिन्नतें करने लगा। उसकी हालत देखकर मोहित को दया आ गई और उसने अपनी कॉपी दो दिन के लिए दे दी। लेकिन कबीर की आदतें नहीं बदलीं। उसने उन दो दिनों में भी कॉपी से कुछ नहीं लिखा और अपना समय यूं ही खेलकूद में बर्बाद करता रहा। तीसरे दिन मोहित ने अपनी कॉपी वापस ले ली। अब कबीर के पास न तो पढ़ाई का कोई आधार था और न ही तैयारी। कुछ दिनों बाद परीक्षा शुरू हुई। कबीर परीक्षा कक्ष में बैठा तो उसे कोई भी प्रश्न समझ में नहीं आया। वह खाली कॉपी लिए बैठा रहा और जैसे-तैसे परीक्षा पूरी की। जब परिणाम घोषित हुआ, तो कबीर फेल हो गया। यह बात उसके लिए बहुत शर्मनाक थी। वह अपने दोस्तों और मोहल्ले वालों का सामना करने से कतराने लगा। अब उसे अपनी गलती का एहसास हो रहा था, लेकिन बहुत देर हो चुकी थी।

■ कबीर को समझ में आ गया कि समय का सही उपयोग न करने का परिणाम कितना बुरा होता है। उसने सोचा कि अगर उसने समय रहते पढ़ाई की होती, तो आज उसे यह दिन नहीं देखना पड़ता। अब उसके पास पछताने के अलावा कुछ भी नहीं बचा था। नैतिक सीख: गया समय फिर हाथ नहीं आता।

राशिफल

मेष– आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। करियर के क्षेत्र में उन्नति के योग हैं। आपके प्रयासों को पहचान मिलेगी और वरिष्ठों का सहयोग प्राप्त होगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और अचानक धन लाभ के अवसर मिल सकते हैं। संबंधों में मधुरता आएगी।

वृषभ– आज आपका भाग्य पूरी तरह से साथ देगा। धर्म-कर्म के कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी। नौकरी में बदलाव का सोच रहे हैं तो यह समय अनुकूल है। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा और किसी मांगलिक कार्य का संयोग बन सकता है। सेहत में सुधार होगा।

मिथुन– आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहेगा। आर्थिक लाभ के योग हैं, लेकिन सामाजिक कार्यों से जुड़े लोगों को कुछ बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। संतान की ओर से कोई शुभ समाचार मिल सकता है। नौकरीपेशा लोगों के लिए दिन सामान्य से बेहतर रहेगा।

कर्क– आपके काम से लोग प्रभावित होंगे और आपको सराहना मिलेगी। सामाजिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी और किसी संस्था से जुड़ने का मौका मिल सकता है। अपनी योजनाओं को गति देंगे और आर्थिक सौदेबाजी में सफल रहेंगे।

सिंह– आज का दिन आपके करियर में उतार-चढ़ाव ला सकता है। हालांकि, मित्रों और शुभचिंतकों का सहयोग मिलेगा। आय के नए स्रोत खुलने और बड़े धन लाभ की संभावना है। पारिवारिक जीवन खुशहाल रहेगा और घर में किसी शुभ कार्य का आयोजन हो सकता है।

कन्या– आज आप अपनी निर्णय लेने की क्षमता से लाभ उठाएंगे। कार्यक्षेत्र में कामकाज के चलते व्यस्तता अधिक रहेगी, लेकिन सभी रुके हुए काम पूरे हो जाएंगे। इससे भविष्य में लाभ कमाने के मौके मिलेंगे। यात्रा का योग बन सकता है। सेहत का ध्यान रखें।

तुला–आज का दिन आपके लिए चुनौतियों से भरा हो सकता है, इसलिए धैर्य बनाए रखें। कोई भी बड़ा निवेश सोच-समझकर करें। प्राइवेट नौकरी करने वालों को अपनी मेहनत के लिए पहचान मिलेगी। सुख-शांति बनी रहेगी, लेकिन जीवनसाथी से गलतफहमी हो सकती है।

वृश्चिक– आज आपका पराक्रम रंग लाएगा। रोजी-रोजगार में तरक्की के योग हैं। व्यावसायिक सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। व्यापार में लाभ होगा। प्रेम संबंधों में मधुरता बनी रहेगी, और आप आत्म-विश्वास से खिल उठेंगे।

धनु– अपनी जुबान पर नियंत्रण रखें, अन्यथा परिवार में किसी बात को लेकर विवाद हो सकता है। प्रेम और व्यापार दोनों के लिए दिन अच्छा है। दोस्ती और समझदारी से सफल निर्णय लेकर सकारात्मक माहौल बना सकते हैं। सट्टा या लॉटरी जैसे जोखिम भरे कामों से बचना चाहिए।

मकर– आज आपके लिए सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। कार्य और व्यापार में तरक्की मिलेगी। कार्यक्षेत्र में प्रबंधन से जुड़े मामले आपके पक्ष में रहेंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा और प्रेम-संतान का पूरा साथ मिलेगा। आज करियर संबंधी निर्णयों पर पुनर्विचार करने का समय है।

कुंभ– आज का दिन आपके लिए कुछ खर्चो वाला हो सकता है, इसलिए बजट का ध्यान रखें। यात्रा पर जाने के योग हैं। विरोधी सक्रिय हो सकते हैं, इसलिए सतर्क रहें। स्वास्थ्य थोड़ा नरम-गरम रह सकता है। रोमांस बढ़ेगा। प्रेम संबंधों में मधुरता आएगी।

मीन–आज आपकी आय में वृद्धि हो सकती है। रुका हुआ पैसा वापस मिलेगा। कार्यक्षेत्र में किए गए प्रयासों से लाभ मिलेगा। सेहत अच्छी रहेगी और पारिवारिक जीवन भी सुखद रहेगा। किसी महत्वपूर्ण काम में आपको सफलता मिल सकती है।

डेरेक ओ ब्रायन ने लगाए गंभीर आरोप

चुनाव आयोग पहुंचे तृणमूल नेताओं को सात मिनट में भगाया गया

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने आज दिल्ली में चुनाव आयोग के समक्ष अपनी नाराजगी व्यक्त की। सांसद का आरोप है कि आयोग के मुख्य चुनाव आयुक्त ने उनसे केवल सात मिनट में बैठक खत्म कर हट जाने को कहा। डेरेक ओ ब्रायन ने बताया आज हम मुख्य चुनाव आयुक्तसे मिलने गए। बैठक सुबह 10:02 बजे शुरू हुई। जब हमने उनसे पूछा कि आप अधिकारियों के तबादले कैसे कर रहे हैं और स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव कैसे करवाएंगे, बैठक के सात मिनट के भीतर ही उन्होंने कहा कि यहां से दफा हो जाओ। जो मैंने आज देखा, वह शर्मनाक है। सांसद ने आगे चुनौती दी कि चुनाव आयोग वीडियो या ऑडियो रिकॉर्डिंग जारी करे, जिससे स्पष्ट हो सके कि बैठक में वास्तव में क्या हुआ। डेरेक ओ ब्रायन ने कहा हमारे एक सहयोगी ने उन्हें भारत के एकमात्र CEC होने पर बधाई दी जिन पर लोकसभा और राज्यसभा से हटाने के नोटिस आए हैं। इस मुद्दे पर आज सभी समान विचारधारा वाले विपक्षी दल शाम 4 से 4:30 बजे तक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे।

चुनाव आयोग ने कहा- शालीनता बनाए रखें

हालांकि चुनाव आयोग ने टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन से बैठक के दौरान शालीन व्यवहार बनाए रखने का अनुरोध किया। आयोग के अधिकारियों ने कहा कि बैठक में चिल्लाना और अनुचित व्यवहार करना उचित नहीं है। ईसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सांसद से विनम्रतापूर्वक कहा गया कि कृपया आयोग कक्ष में शालीनता बनाए रखें। यह महत्वपूर्ण है कि सभी बैठकें सम्मान और मर्यादा के साथ संचालित हों।

चुनाव आयोग का टीएमसी को अल्टीमेटम

चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि इस बार पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनाव पूरी तरह से निष्पक्ष और शांतिपूर्ण होंगे। आयोग ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को स्पष्ट संदेश देते हुए कहा कि चुनाव भयमुक्त, हिंसा रहित, धमकियों से मुक्त, लालच रहित होंगे। चुनाव आयोग ने यह भी कहा कि किसी भी तरह की छापेमारी, बूथ जामिंग या स्रोत जामिंग बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

चुनाव आयोग ने कहा- शालीनता बनाए रखें

हालांकि चुनाव आयोग ने टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन से बैठक के दौरान शालीन व्यवहार बनाए रखने का अनुरोध किया। आयोग के अधिकारियों ने कहा कि बैठक में चिल्लाना और अनुचित व्यवहार करना उचित नहीं है। ईसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया 'सांसद से विनम्रतापूर्वक कहा गया कि कृपया आयोग कक्ष में शालीनता बनाए रखें। यह महत्वपूर्ण है कि सभी बैठकें सम्मान और मयार्दा के साथ संचालित हों।'

परिसीमन की आड़ में बंगाल को विभाजित करने की साजिश: ममता बनर्जी

कोलकाता। बंगाल की मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी ने बुधवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार चुनाव आयोग के साथ मिलकर भाजपा को आगामी लोकसभा चुनाव जीतने में मदद करने के लिए नए सिरे से परिसीमन की योजना बना रही है। हुगली जिले के आरामबाग में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए ममता ने आरोप लगाया कि भाजपा परिसीमन की आड़ में बंगाल को विभाजित करने की साजिश रच रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने बंगाल को निशाना बनाया है। वह राज्य को फिर से विभाजित करने की साजिश रच रही है। परिसीमन के नाम पर, आप बंगाल से एक और राज्य बनाने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने फिर दोहराया कि भाजपा व केंद्र सरकार द्वारा उत्तर बंगाल के कुछ जिलों और बिहार के कुछ हिस्सों को मिलाकर अलग राज्य बनाने की साजिश रची जा रही है। पिछले दिनों भी ममता ने इसका आरोप लगाया था।

धर्म में अंधविश्वास क्या है, इसका फैसला करने का हमें अधिकार: सुप्रीम कोर्ट

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश से जुड़े 2018 के फैसले के बाद सुप्रीम कोर्ट अब धर्म के भीतर अंधविश्वास की परिभाषा तय करने के अधिकार क्षेत्र पर विचार कर रहा है। बुधवार को एक नौ-न्यायाधीशों की संविधान पीठ के समक्ष हुई सुनवाई के दौरान, सुप्रीम कोर्ट ने यह महत्वपूर्ण अवलोकन किया कि किसी धर्म में कौन सी प्रथा अंधविश्वास है, यह तय करने का अधिकार और अधिकार क्षेत्र रखता है।

केंद्र सरकार का तर्क और सुप्रीम कोर्ट का जवाब

यह टिप्पणी केंद्र सरकार की उस दलील के जवाब में आई, जिसमें सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा था कि एक धर्मनिरपेक्ष अदालत इस मुद्दे पर फैसला नहीं कर सकती, क्योंकि न्यायाधीश कानून के विशेषज्ञ होते हैं, न कि धर्म के। मेहता ने तर्क दिया कि यदि कोई प्रथा अंधविश्वास मानी भी जाती है, तो यह तय करना अदालत का काम नहीं है, बल्कि संविधान के अनुच्छेद 25(2)(बी) के तहत विधायिका का काम है कि वह सुधार कानून बनाए। उन्होंने कहा कि विधायिका किसी विशेष प्रथा को अंधविश्वास बताकर उसमें सुधार कर सकती है, जैसा कि जादू-टोना और अन्य ऐसी प्रथाओं को रोकने के लिए कई कानून बनाए गए हैं। हालांकि, न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह ने मेहता के इस तर्क को बहुत सरल बताते हुए कहा कि अदालत के पास यह तय करने का अधिकार और अधिकार क्षेत्र है कि कोई चीज अंधविश्वास है या नहीं। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसके बाद क्या होगा, यह विधायिका का काम है, लेकिन अदालत में यह नहीं कहा जा सकता कि विधायिका का निर्णय ही अंतिम होगा।

न्यायिक विशेषज्ञता और धार्मिक विविधता पर सवाल

सॉलिसिटर जनरल मेहता ने यह भी तर्क दिया कि एक धर्मनिरपेक्ष अदालत यह तय नहीं कर सकती कि कोई धार्मिक प्रथा केवल अंधविश्वास है, क्योंकि अदालत के पास ऐसी विद्वत्तापूर्ण क्षमता नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि आप (न्यायाधीश) कानून के क्षेत्र के विशेषज्ञ हैं, धर्म के नहीं। मेहता ने यह भी कहा कि नागालैंड के लिए जो धार्मिक हो सकता है, वह किसी और के लिए अंधविश्वास हो सकता है, क्योंकि समाज अत्यंत विविध है।

न्यायमूर्ति बागची का सवाल

इस पर न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची ने एक महत्वपूर्ण सवाल उठाया। उन्होंने पूछा कि यदि जादू-टोना को धार्मिक प्रथा का हिस्सा माना जाए, तो क्या उसे अंधविश्वास नहीं माना जाएगा? उन्होंने मेहता से पूछा कि यदि अदालत के पास अनुच्छेद 32 के तहत ऐसी याचिका आती है कि जादू-टोना की एक धार्मिक प्रथा मौजूद है, और विधायिका खामोश है, तो क्या अदालत 'खाली क्षेत्र के सिद्धांत' का उपयोग करके स्वास्थ्य, नैतिकता और सार्वजनिक व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए ऐसी प्रथा को प्रतिबंधित करने का निर्देश नहीं दे सकती? सॉलिसिटर जनरल ने जवाब दिया कि न्यायिक समीक्षा की जा सकती है क्योंकि यह 'स्वास्थ्य, नैतिकता और सार्वजनिक व्यवस्था' के अंतर्गत आता है, न कि इसलिए कि यह अंधविश्वास है। न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना ने एक अलग दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हुए कहा कि किसी आवश्यक धार्मिक प्रथा को निर्धारित करते समय, अदालत को उस विशेष धर्म की फिलॉसफी के लेंस से देखना चाहिए। उन्होंने कहा कि आप किसी अन्य धर्म के विचारों को लागू नहीं कर सकते और कह सकते हैं कि यह आवश्यक धार्मिक प्रथा नहीं है। अदालत का दृष्टिकोण उस धर्म की फिलॉसफी को लागू करना है, जो स्वास्थ्य, नैतिकता और सार्वजनिक व्यवस्था के अधीन हो।

इस्तीफे से पहले नरेंद्र मोदी और अमित शाह से मिलेंगे नीतीश कुमार

हिंदमाता नेटवर्क @ पटना

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इस्तीफा देने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर सकते हैं। सीएम नीतीश कुमार का गुरुवार को दिल्ली दौरा प्रस्तावित है। शुक्रवार, 10 अप्रैल को उनका राज्यसभा सांसद के रूप में शपथ ग्रहण होगा। 11 अप्रैल को उनका वापस पटना लौटने का कार्यक्रम है। इससे पहले राष्ट्रीय राजधानी में उनकी भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात संभव है। इस दौरान बिहार में नई सरकार के गठन को लेकर चर्चा हो सकती है। नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल सूत्रों के अनुसार, नीतीश कुमार अपने आगामी दिल्ली दौरे में पीएम मोदी और गृह मंत्री शाह से भी मुलाकात करेंगे। हालांकि, बैठक की तारीख और समय अभी तय नहीं हुआ है। वहीं, जेडीयू के वरिष्ठ नेता एवं मंत्री विजय चौधरी ने बुधवार को पटना में मीडिया से बातचीत में कहा कि नीतीश के कल (9 अप्रैल) को पटना से दिल्ली जाने का कार्यक्रम है। शुक्रवार को वे राज्यसभा सांसद के रूप में शपथ लेंगे।

नए मुख्यमंत्री और डिप्टी सीएम के नामों का ऐलान नीतीश के इस्तीफे के बाद ही किया जाएगा

नए सीएम पर चर्चा के लिए भाजपा ने दिल्ली में बुलाई बैठक

वहीं, भाजपा ने भी बिहार में आगामी सरकार के गठन को लेकर दिल्ली में अहम बैठक बुलाई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, यह बैठक 10 अप्रैल को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की अध्यक्षता में आयोजित की जाएगी। इसमें पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के साथ भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी, दोनों डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी एवं विजय सिन्हा के अलावा प्रदेश के सभी वरीय नेता मौजूद रहेंगे। इसमें बिहार में आगामी मुख्यमंत्री के नाम को लेकर चर्चा हो सकती है। नीतीश के बाद बिहार में भाजपा का सीएम बनना लगभग तय माना जा रहा है। हालांकि, अगला मुख्यमंत्री कौन होगा, इस पर अभी मुहर नहीं लगाई गई है। नई सरकार में जेडीयू से डिप्टी सीएम बनाए जाने की चर्चा है। नए मुख्यमंत्री और डिप्टी सीएम के नामों का ऐलान नीतीश के इस्तीफे के बाद ही किया जाएगा।

दिल्ली से लौटने के बाद सीएम पद छोड़ेंगे नीतीश

सूत्रों के अनुसार, नीतीश कुमार पटना लौटने के बाद किसी भी दिन मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे सकते हैं। वह एमएलसी पद पहले ही छोड़ चुके हैं। बीते 16 मार्च को उन्होंने राज्यसभा का चुनाव जीता था और 30 मार्च को बिहार विधान परिषद की सदस्यता से इस्तीफा दिया था। नीतीश पूर्व में कह चुके हैं कि वह अपनी इच्छा से राज्यसभा जा रहे हैं और बिहार में नई सरकार को मार्गदर्शन देते रहेंगे।

मोदी और शाह से नीतीश की क्या होगी बात?

नीतीश कुमार के गुरुवार दोपहर को पटना से दिल्ली जाने का कार्यक्रम है। दिल्ली में वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से उनके आवास पर जाकर मुलाकात कर सकते हैं। यह मुलाकात शिष्टाचार भेंट होगी। इस दौरान एनडीए के शीर्ष नेताओं के बीच बिहार में मौजूदा राजनीतिक घटनाक्रम और एनडीए की नई सरकार के गठन को लेकर चर्चा भी की जा सकती है। नीतीश के बाद अगला मुख्यमंत्री कौन होगा, इस पर भी मोदी और शाह से सीएम की बात हो सकती है। हालांकि, आधिकारिक रूप से इस संभावित मुलाकात के बारे में कुछ नहीं कहा गया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के दिल्ली से लौटने के बाद पटना में कोई एक दिन तय कर एनडीए विधान मंडल दल की बैठक बुलाई जाएगी। इसमें नीतीश सीएम पद छोड़ने की औपचारिक जानकारी सभी विधायकों को देंगे। फिर, राज्यपाल के पास जाकर अपना त्यागपत्र दे देंगे। इसके बाद बिहार में नई सरकार के गठन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। नीतीश के इस्तीफे के बाद मौजूदा मंत्रिपरिषद भी स्वत: भंग हो जाएगा। राज्य में नए सिरे से एनडीए की सरकार का गठन होगा। खरमास खत्म होने पर 15 अप्रैल के बाद नए मुख्यमंत्री और मंत्रिमंडल का 'शुभ मुहूर्त' में शपथ ग्रहण संभव है।

मुद्रा योजना उद्यमियों को सशक्त बनाएगी

विकसित भारत के लिए होगी सक्रिय भागीदार: निर्मला सीतारमण

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री मुद्रा योजना ऐसे लोगों को वित्त उपलब्ध कराने पर केंद्रित है, जिन्हें ऋण नहीं मिला है। यह योजना उद्यमियों को सशक्त बनाना जारी रखेगी। उन्होंने कहा कि इन उद्यमियों की 2047 तक राष्ट्र को 'विकसित भारत' बनाने की यात्रा में सक्रिय भागीदारी होगी। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (PMMY) की 11वीं वर्षगांठ के अवसर पर सीतारमण ने कहा कि पिछले एक दशक में भारत ने एक मौन बदलाव देखा है, जहां करोड़ों आम नागरिक नए आत्मविश्वास के साथ उद्यमिता के क्षेत्र में आगे आए हैं।

■ सीतारमण ने कहा कि इसके केंद्र में आठ अप्रैल, 2015 को प्रधानमंत्री द्वारा शुरू की गई पहल पीएमएमवाई है, जिसका उद्देश्य ही 'जिन्हें ऋण नहीं मिला, उन्हें वित्त उपलब्ध कराना' था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि प्रधानमंत्री मुद्रा योजना ने लाखों लोगों को सपने देखने के आत्मविश्वास और उन्हें पूरा करने के साधनों से सशक्त बनाकर ऋण तक पहुंच को फिर से परिभाषित किया है। बाधाओं को दूर करके और हमारे लोगों की आकांक्षाओं पर भरोसा करके, इसने पूरे भारत में उद्यम की भावना को मजबूत किया है। 11 साल बाद, यह योजना देश में एमएसएमई और अनगिनत व्यक्तिगत उद्यमियों के लिए ऋण परिदृश्य को नया आकार देने में सहायक रही है।

■ ये वे उद्यमी थे जो अब तक औपचारिक बैंकिंग प्रणाली से बाहर थे। इस पहल के साथ, ऋण की बाधाओं को दूर करके उद्यमिता का वास्तव में लोकतंत्रीकरण हुआ है। लाखों लोगों को सशक्त बनाने और समावेशी विकास के दृष्टिकोण को पूरा करने में पीएमएमवाई की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर 57.79 करोड़ से अधिक ऋण स्वीकृत किए गए हैं, जिसके तहत 40.07 लाख करोड़ रुपए वितरित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि दो-तिहाई ऋण महिला उद्यमियों को स्वीकृत किए गए हैं। कुल कर्ज का लगभग पांचवां हिस्सा पहली बार उद्यमी बनने वाले व्यक्तियों को दिया गया। संख्या के हिसाब से देखें तो नए उद्यमियों को 12 लाख करोड़ रुपए की राशि के 12.15 करोड़ ऋण दिए गए हैं।

■ वित्त मंत्री ने इस योजना को आम आदमी तक पहुंचाने और इसे बड़ी सफलता बनाने के लिए बैंकों, विभिन्न वित्तीय संस्थानों और हितधारकों की भी सराहना की। इस अवसर पर वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि वित्तीय समावेशन सरकार की शीर्ष प्राथमिकताओं में से एक है, क्योंकि यह समावेशी विकास हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पीएमएमवाई छोटे उद्यमियों को बैंकों, एनबीएफसी और एमएफआई से ऋण सहायता पाने के लिए एक मंच देता है। उन्होंने कहा कि इसने समाज के वंचित वर्गों सहित देश भर में स्वरोजगार के अवसर पैदा किए हैं। इनमें अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग (कुल लाभार्थियों का 51 प्रतिशत) और महिलाएं (कुल लाभार्थियों का 67 प्रतिशत) शामिल हैं।

दिल्ली हाई कोर्ट का अहम फैसला

शादीशुदा लिव-इन जोड़ों को भी निजी स्वतंत्रता का अधिकार

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे एक जोड़े को पुलिस सुरक्षा देते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद-21 के तहत जीवन और निजी स्वतंत्रता के अधिकार से सिर्फ इसलिए वंचित नहीं किया जा सकता, क्योंकि वे पहले से ही किसी और से शादीशुदा हैं। न्यायमूर्ति सौरभ बनर्जी की पीठ ने टिप्पणी की कि याचिकाकर्ता दोनों ही भारतीय नागरिक हैं और संविधान के अनुच्छेद 19 और 21 के तहत दिए गए मौलिक अधिकारों के रूप में उपलब्ध सुरक्षा के पूरी तरह हकदार हैं, भले ही याचिकाकर्ता शादीशुदा हों, अविवाहित हों या लिव-इन रिलेशनशिप में हों।

कोर्ट ने और क्या कहा?

अदालत ने कहा कि याचिककर्ताओं की स्वतंत्रता का अधिकार या जीवन और निजी स्वतंत्रता का अधिकार इस कोर्ट से सुरक्षा पाने का हकदार है। अदालत ने कहा कि दोनों याचिकाकर्ता बालिग हैं और उन्होंने पर्याप्त सुरक्षा के लिए इस कोर्ट का रुख किया है। दोनों याचिककर्ताओं के रिश्ते की कानूनी वैधता या उनके बीच हुए आपसी समझौते की बारीकियों में जाए बिना अदालत ने निर्देश दिया कि याचिकाकर्ता जब भी जरूरत हो संबंधित थाना एसएचओ से संपर्क कर सकते हैं और पुलिस उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगी।

महिला व उसके पार्टनर ने दायर की थी याचिका

याचिका में कहा गया था कि महिला को उसके स्वजन व उसके पति से धमकी मिल रही है। महिला ने धमकियों व उत्पीड़न पर सुरक्षा की मांग की थी। याचिकाकर्ताओं ने कोर्ट को बताया कि साथ रहने का फैसला करने के बाद से उन्हें लगातार उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है और उन्हें अपनी सुरक्षा का डर सता रहा है। याचिका के अनुसार महिला को 2016 से ही उसके पति द्वारा अपमान और यातना का शिकार बनाया जा रहा था। इसके बाद फरवरी 2026 से उसने याचिकाकर्ता नंबर-के साथ हैदराबाद में लिव-इन रिलेशनशिप में रहना शुरू कर दिया। हालांकि, अपने परिवार से मिली धमकियों और स्थानीय पुलिस के हस्तक्षेप के कारण दोनों दिल्ली आ गए। दोनों ने अपनी सुरक्षा की मांग को लेकर हाई कोर्ट में याचिका दायर की।

असम के नगांव जिले के आयुक्त ने गमछा भेंटकर मतदान कर्मियों को उत्साहित किया, बिहू नृत्य से छाई उत्सवमय वातावरण

पंकज नाथ @ असम

9 अप्रैल को पूरे असम में आयोजित होने वाले असम विधानसभा चुनाव के लिए आज नगांव जिले के सात विधानसभा क्षेत्रों के 1868 मतदान केंद्रों पर दिन के बीच में सभी पोलिंग और प्रिसाइडिंग स्टाफ की टीमें सुचारू रूप से पहुंच गईं। प्रत्येक केंद्र पर पर्याप्त सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था की गई है। सुबह 6 बजे मतदान कर्मियों ने वीवीपैट, ईवीएम आदि सभी सामग्री एकत्र करने हेतु अपने-अपने केंद्रों पर पहुंचे। 55 नंबर धिंग, 56 नंबर रूपहीहाट और 58 नंबर सामगुड़ी के लिए डोशन हायर सेकेंडरी एंड मल्टीपर्पस स्कूल; 57 नंबर कलियाबर और 59 नंबर बरहमपुर के लिए सरकारी हायर सेकेंडरी बालक विद्यालय तथा 60 नंबर नगांव -बटद्रवा और 61 नंबर रहा (अनुसूचित जाति) के लिए सरकारी हायर सेकेंडरी बालिका विद्यालय को केंद्र निर्धारित किया गया था। इन केंद्रों से सामग्री संग्रहित कर4 नेहरूबाड़ी और गरूफील्ड में

रखी विशेष मोटर गाड़ियों द्वारा आज दोपहर तक मतदानकर्मी टीमें अपने केंद्रों पर पहुंच गईं। जिला आयुक्त देवाशिष शर्मा ने सम्पूर्ण प्रक्रिया का प्रत्यक्ष अनुश्रवण किया तथा नेहरूबाड़ी से स्टाफ को गंतव्य स्थल की ओर रवाना होने से पूर्व फूलम गमछा भेंटकर सम्मानित कर उत्साहित किया। उन्होंने निर्वाचन केंद्रित उत्सवमय वातावरण का सूत्रपात करते हुए वहां बिहू नृत्य प्रदर्शन की भी व्यवस्था की, जिसमें सभी मतदान कर्मी आनंदपूर्वक भाग लेते नजर आए।जिला आयुक्त ने5उ भोजन कक्षों का भी दौरा कर भोजनग्रहण कर रहे कर्मियों से बातचीत कर उनकी स्थिति जानी। जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी विकास शर्मा ने बताया कि प्रत्येक केंद्र के विरुद्ध एक प्रिसाइडिंग, तीन पोलिंग एवं एक सुरक्षा रक्षक भेजा गया है। जिले में 200 महिला कर्मियों द्वारा संचालितछ मतदान केंद्र भी हैं। कल होने वाले मतदान के पूर्वावलोकन में आज नगांव शहर में उत्सवमय वातावरण छाया रहा।

हिंदमाता एंकर: डिजिटल डेटाबेस 10 अप्रैल तक तैयार करने के निर्देश दिए गए

यूपी में जनगणना 2027 को लेकर क्या है नया अपडेट? सात मई से खुलेगा स्व-गणना पोर्टल

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

प्रदेश में जनगणना 2027 के पहले चरण की सभी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। जनगणना में करीब 5.5 लाख प्रगणक और पर्यवेक्षक मैदान में उतरेंगे। इन सभी का सत्यापित और अद्यतन डिजिटल डेटाबेस 10 अप्रैल तक तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, फील्ड में तैनाती से पहले सभी को अनिवार्य और गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह प्रशिक्षण 16 अप्रैल से सात मई के बीच पूरा किया जाएगा। जनगणना से पहले सात मई से स्वगणना के लिए भी पोर्टल खुल जाएगा।

■ जनगणना 2027 के पहले चरण की तैयारियों को लेकर बुधवार को मुख्य सचिव एसपी गोयल ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए हुई समीक्षा बैठक में सभी मंडलायुक्तों और जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि मकान सूचीकरण और गणना कार्य को तय समय-सीमा में सटीक और त्रुटिरहित तरीके से पूरा किया जाए। विशेष रूप से घनी आबादी वाले शहरी क्षेत्रों, झुग्गी बस्तियों और अधिक गतिशील जनसंख्या वाले इलाकों में सटीक गणना कराई जाएगी। मकान सूचीकरण और गणना ब्लाकों की सीमाएं स्पष्ट और त्रुटिरहित तय करने पर भी जोर दिया गया। तकनीकी सहायकों की भर्ती जल्द पूरी कर जियो-टैगिंग और सीमांकन कार्य को मजबूत करने को कहा गया। इस बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल होगी। आम नागरिकों के लिए पहली बार स्व-गणना की सुविधा भी दी जा रही है।

सात मई से खुलेगा स्व-गणना पोर्टल

प्रदेश में स्व-गणना पोर्टल सात मई से 21 मई तक खुला रहेगा, जिस पर लोग अपने परिवार का विवरण खुद दर्ज कर सकेंगे। इसके लिए व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं। भारत के महारजिस्ट्रार एवं जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण ने अधिकारियों से अपील की कि इसे जन-जन से जोड़कर एक जन-अभियान बनाया जाए, ताकि सटीक और विश्वसनीय आंकड़े मिल सकें। जनगणना निदेशक शीतल वर्मा ने प्रस्तुति के जरिये पूरी प्रक्रिया और समय-सीमा की जानकारी दी। बताया कि पहले चरण में 22 मई से 20 जून तक मकानों की गणना होगी, जबकि दूसरे चरण में नौ फरवरी से 28 फरवरी 2027 तक जनसंख्या की गणना की जाएगी। बैठक में प्रमुख सचिव राजस्व अपर्णा, प्रमुख सचिव सामान्य प्रशासन मनीष चौहान, सचिव अभिषेक प्रकाश सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

यूपी में बेमौसम बारिश ने मचाई तबाही

CM योगी ने किया मुआवजे का ऐलान

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को लखनऊ में एक हाई लेवल बैठक कर प्रदेश में बेमौसम बारिश और आकाशीय बिजली से हुए नुकसान की समीक्षा की। पिछले एक हफ्ते में प्राकृतिक आपदा के कारण यूपी में 20 लोगों की जान गई है, जबकि 12 लोग घायल हुए और 33 पशुओं की हानि हुई है। मुख्यमंत्री ने राजस्व और कृषि विभाग को निर्देशित किया है कि हर प्रभावित किसान और बटाईदार के नुकसान का निष्पक्ष आकलन कर तुरंत रिपोर्ट भेजी जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि आपदा की इस घड़ी में सरकार किसानों के साथ खड़ी है और राहत वितरण में किसी भी स्तर पर देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

24 घंटे में सहायता और कड़े निर्देश

सीएम योगी ने जिलाधिकारियों को निर्देश दिया है कि जनहानि, पशु हानि और घायलों के परिजनों को 24 घंटे के भीतर मुआवजा दिया जाए। राहत आयुक्त कार्यालय से सभी जिलों की स्थिति पर नजर रखी जा रही है। मुख्यमंत्री ने चेतावनी दी है कि राहत कार्यों में लापरवाही अक्षम्य होगी और जवाबदेही तय की जाएगी। उन्होंने कहा कि स्टेट डिजास्टर रिलीफ फंड से जिलों को पर्याप्त धनराशि तुरंत उपलब्ध कराई जाए ताकि सहायता कार्य न रुकें।

आवास और बीमा योजनाओं का लाभ

सरकार ने आपदा पीड़ितों के लिए अन्य सुरक्षा कवरेज का भी ऐलान किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन परिवारों के घर नष्ट हुए हैं, उन्हें 'मुख्यमंत्री आवास योजना' के तहत प्राथमिकता पर घर दिए जाएं। साथ ही, पात्र लाभार्थियों को 'कृषक दुर्घटना बीमा योजना' के अंतर्गत जल्द लाभान्वित किया जाए। अधिकारियों को बीमा कंपनियों से तालमेल बिठाकर फसल बीमा दावों का त्वरित निपटान सुनिश्चित करने को भी कहा गया है।

मंडी समितियों और सर्वे पर जोर

सीएम ने राजस्व और कृषि विभागों के बीच प्रभावी समन्वय पर जोर दिया है ताकि सर्वे का काम समयबद्ध तरीके से पूरा हो। उन्होंने मंडी समितियों को भी किसानों को हर संभव सहयोग देने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारी सीधे किसानों तक पहुंचें और यह सुनिश्चित करें कि उन्हें सरकारी योजनाओं का पूरा लाभ मिले। संकट की इस स्थिति में हर प्रभावित तक सहायता पहुंचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

ग्रेटर नोएडा में हिट एंड रन!

तेज रफ्तार SUV ने 5 छात्रों को मारी टक्कर

हिंदमाता नेटवर्क @ ग्रेटर नोएडा

ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क थाना क्षेत्र में सोमवार शाम एक तेज रफ्तार SUV कार ने सड़क किनारे से गुजर रहे पांच छात्रों को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि सभी छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की मदद से तुरंत घायलों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज इलाज चल रहा है। जानकारी के मुताबिक, सभी छात्र कॉलेज की छुट्टी होने के बाद अपने-अपने हॉस्टल की ओर जा रहे थे। जीएल बजाज कॉलेज के पास पहुंचते ही तेज रफ्तार से आ रही एक एसयूवी कार ने पहले तीन छात्रों को टक्कर मारी और फिर आगे बढ़ते हुए दो अन्य छात्रों को भी ठोक दिया। इस अचानक हुए हादसे से छात्र संभाल नहीं पाए और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में घायल पांच छात्रों में से दो छात्राएं और एक छात्र शारदा विश्वविद्यालय में लॉ की पढ़ाई कर रहे हैं।

एक छात्र की हालत गंभीर

दो अन्य छात्र जीएल बजाज कॉलेज के बताए जा रहे हैं। डॉक्टर के अनुसार, घायलों में से एक छात्र की हालत गंभीर है, जिसका पैर कई जगह से टूट गया है। उसे पहले आईसीयू में भर्ती किया गया था और अब उसे बेहतर इलाज के लिए दिल्ली रेफर करने की तैयारी चल रही है। बाकी छात्रों को सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में चोटे आई थी। प्राथमिक उपचार के बाद कुछ छात्रों को छुट्टी दे दी गई है, बाकी का इलाज जारी है।

तेज रफ्तार बना हादसे की वजह

एसीपी ग्रेटर नोएडा अरवदि कुमार ने बताया कि पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि एसयूवी कार अनयिंत्रति होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई थी। इसी दौरान वहां से गुजर रहे छात्र उसकी चपेट में आ गए। कार की रफ्तार काफी तेज थी। इस वजह से कार चालक अपना नयिंत्रण खो बैठा और यह हादसा हो गया। पुलिस ने कार को कब्जे में ले लयिा है और आरोपी ड्राइवर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे गरिफ्तार कर लयिा है। फलिहाल पुलसि इस मामले में आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

शॉर्ट स्टोरी

थ्रेसर मशीन में समा गया पूरा इंसान, गेहूं की मड़ाई के दौरान दर्दनाक हादसा

हिंदमाता नेटवर्क @ प्रयागराज

उत्तर प्रदेश में प्रयागराज के गंगानगर इलाके में एक दिल दहला देने वाला हादसा सामने आया है, जिसने पूरे गांव को झकझोर कर रख दिया। बहरिया थाना क्षेत्र के मजूरा गांव में गेहूं की मड़ाई के दौरान एक 18 वर्षीय युवक की थ्रेसर मशीन में फंसकर मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार, गांव में गेहूं की कटाई के बाद मड़ाई का काम चल रहा था। खेत में लगे थ्रेसर मशीन के जरिए गेहूं निकाला जा रहा था। इसी दौरान राजकुमार नाम के शख्स का बेटा सुमित मशीन में गेहूं की बालियां डालने का काम कर रहा था। काम के दौरान अचानक उसका हाथ मशीन में फंस गया। हाथ फंसते ही स्थिति बेहद गंभीर हो गई। मशीन की तेज रफ्तार के कारण युवक खुद को संभाल नहीं पाया और कुछ ही पलों में उसका पूरा शरीर मशीन के अंदर खिंचता चला गया। आसपास मौजूद लोगों ने जब यह भयावह दृश्य देखा तो मौके पर अफरा-तफरी मच गई। लोगों ने तुरंत मशीन बंद करने की कोशिश की, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों की चीख-पुकार सुनकर गांव के अन्य लोग भी वहां पहुंच गए। हादसे की सूचना मिलते ही परिवार के लोग भी मौके पर पहुंचे। बेटे की इस हालत को देखकर परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। पूरे गांव में मातम का माहौल है। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

दुकान बंद कराने पहुंचे ASI को वार्ड पार्षद और दबंगों ने पीटा, ICU में भर्ती

हिंदमाता नेटवर्क @ गया

गया जिले के रामपुर थाना क्षेत्र के गेवाल बिगहा मोहल्ले में गश्ती के दौरान वार्ड पार्षद और उनके साथ मौजूद दबंगों ने पुलिस टीम पर हमला की। इस घटना में रामपुर थाना में तैनात एएसआई विक्रम कुमार पासवान गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है, जहां डॉक्टरों की टीम उनका इलाज कर रही है। जानकारी के मुताबिक, रामपुर थाना की गश्ती टीम देर रात लगभग डेढ़ से दो बजे के बीच इलाके में गश्त कर रही थी। इसी दौरान गेवाल बिगहा चौक के पास कई दुकानें खुली देखी गईं। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए गश्ती टीम में तैनात एएसआई ने दुकानदारों से दुकानें बंद करने का अनुरोध किया। पुलिस के अनुसार देर रात तक दुकानें खुली रहने से भीड़ जुटने और अप्रिय घटनाओं की आशंका बनी रहती है। एएसआई विक्रम कुमार पासवान ने बताया कि पुलिस टीम रात दस बजे गश्ती के लिए निकली थी और करीब दो बजे गेवाल बिगहा चौक पहुंची। वहां कई असामाजिक तत्वों के घूमने, गांजा और सिगरेट पीने तथा पुलिस पर टिप्पणी करने की बात सामने आई। ऐसे में अधिकांश दुकानदारों ने दुकान बंद कर दी, लेकिन एक दुकानदार दुकान बंद करने को तैयार नहीं हुआ। एएसआई ने बताया कि जिस दुकानदार ने दुकान बंद नहीं की थी, उसके खिलाफ पहले से शिकायतें भी मिल रही थीं। पुलिस उससे बात कर ही रही थी कि नादरगंज मोहल्ला वार्ड संख्या 38 के वार्ड पार्षद कलाम कुरैशी वहां पहुंचे। फिर पुलिस ने उन्हें भी देर रात का हवाला देते हुए जाने को कहा, लेकिन इसी दौरान विवाद शुरू हो गया। एएसआई के अनुसार वार्ड पार्षद उनसे उलझ गए और सिगरेट पीते हुए धुआं उनके चेहरे पर छोड़ने लगे। पुलिस का कहना है कि वार्ड पार्षद के मुंह से शराब की गंध आ रही थी। इसके बाद उन्हें मेडिकल जांच के लिए वाहन में बैठाने की कोशिश की गई, तभी स्थिति और बिगड़ गई। बताया गया है कि इसी दौरान वार्ड पार्षद के साथ मौजूद लोगों ने एएसआई से धक्का-मुक्की शुरू कर दी और देखते ही देखते मारपीट की घटना को अंजाम दिया। इस हमले में एएसआई गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद एएसआई किसी तरह थाने पहुंचे, लेकिन उन्हें तेज दर्द महसूस होने लगा।

बिहार में CM कौन? 10 अप्रैल को दिल्ली में BJP की बैठक में नाम पर लगेगी मुहर!

हिंदमाता नेटवर्क @ पटना

बिहार की राजनीति में इन दिनों जबरदस्त हलचल मची हुई है। नीतीश कुमार के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद अब सबकी नजरें इस बात पर टिकी हैं कि बिहार की कमान किसके हाथों में जाएगी। इसी बड़े सवाल का जवाब खोजने के लिए भारतीय जनता पार्टी (BJP) ने कमर कस ली है। बीजेपी के गलियारों से खबर आ रही है कि 10 अप्रैल को दिल्ली में एक बहुत ही अहम बैठक बुलाई गई है। इस बैठक का मुख्य मकसद बिहार में नई सरकार के गठन और सबसे जरूरी, नए मुख्यमंत्री के नाम पर अंतिम मुहर लगाना है। सूत्रों की मानें तो 10 अप्रैल को होने वाली इस बैठक में बिहार बीजेपी कोर ग्रुप के तमाम बड़े दिग्गज शामिल होंगे। यह बैठक बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की अध्यक्षता में होगी। इसमें न केवल दिल्ली के शीर्ष नेता मौजूद रहेंगे, बल्कि बिहार से भी उन चेहरों को बुलाया गया है जो वहां की राजनीति की नब्ज पहचानते हैं। इस बैठक में प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी, डिप्टी सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा जैसे दिग्गज नेता भी हिस्सा लेंगे। इस महामंथन में नित्यानंद राय, संजय जायसवाल और संगठन के माहिर खिलाड़ी भीखू भाई दलसानिया और क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेन्द्र भी शामिल होंगे। साथ ही, बिहार सरकार के मंत्री दिलीप जायसवाल और मंगल पांडेय जैसे नेताओं को भी बुलावा भेजा गया है। कुल मिलाकर कहें तो दिल्ली में बिहार बीजेपी की पूरी टीम जुटने वाली है ताकि किसी भी नाम पर फैसला लेने से पहले हर पहलू को बारीकी से परखा जा सके।

"मंडी आए तो घेरकर मारेंगे"

DM को धमकी देने वाला किसान नेता गिरफ्तार

हिंदमाता नेटवर्क @ पीलीभीत

उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिले में जिलाधिकारी को फोन पर धमकी देने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोपी ने न केवल अभद्र भाषा का प्रयोग किया बल्कि पूरनपुर मंडी आने पर जिलाधिकारी को घेरकर मारपीट करने की धमकी भी दी। मामला सामने आने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। जानकारी के अनुसार 6 अप्रैल को कलेक्ट्रेट स्थित गांधी सभागार में बर्ड फ्लू की रोकथाम को लेकर जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह की अध्यक्षता में बैठक चल रही थी। इसी दौरान उनके सीयूजी नंबर पर एक कॉल आई, जिसे उनके आशुलिपिक ने रिसीव किया। फोन करने वाले ने खुद को बलजिंदर सिंह बताया और गेहूं खरीद को लेकर नाराजगी जताते हुए जिलाधिकारी के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया। आरोपी ने कहा कि यदि डीएम पूरनपुर मंडी आए तो उसे घेरकर मारा जाएगा और यह बात रिकॉर्ड कर लेने की भी बात कही। हैरानी की बात यह रही कि आरोपी ने खुद इस कॉल की रिकॉर्डिंग कर उसे सोशल मीडिया पर वायरल भी कर दिया। जिसके बाद मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई की। तहरीर के आधार पर पूरनपुर थाने में मुकदमा दर्ज किया गया और पुलिस ने आरोपी बलजिंदर सिंह, निवासी मुझा कला, को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी खुद को किसान यूनियन (अन्नदाता गुट) का प्रदेश सचिव बताता है।

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव ने बताया कि कॉल के दौरान अभद्र भाषा और धमकी दी गई थी। जिसके आधार पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी को जेल भेजा गया है। घटना के बाद आरोपी का एक और वीडियो सामने आया, जिसमें वह माफी मांगता नजर आ रहा है। उसने कहा कि उसके पिता कई दिनों से गेहूं बेचने के लिए केंद्र पर परेशान थे, इसी तनाव में उससे गलत शब्द निकल गए। इधर, इस घटना के बाद पूरनपुर मंडी में हलचल बढ़ गई है। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक खुद मौके पर पहुंचे। वहीं थाने के बाहर किसान नेताओं की भीड़ जमा हो गई और कुछ लोगों ने नारेबाजी भी की। किसानों का आरोप है कि जिले में गेहूं की सरकारी खरीद न होने से वे परेशान हैं हालांकि, प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि किसी भी अधिकारी को धमकी देना कानूनन अपराध है और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

ग्रेटर नोएडा: 27KM लंबी रोड अब जेवर एयरपोर्ट से जुड़ेगी

जाम से राहत

हिंदमाता नेटवर्क @ ग्रेटर नोएडा

ग्रेटर नोएडा में बढ़ते ट्रैफिक दबाव और लगातार लगने वाले जाम को देखते हुए प्राधिकरण ने एक बड़ा फैसला लिया है। शहर की 130 मीटर चौड़ी सड़क को जेवर एयरपोर्ट और यमुना सिटी तक जोड़ने की तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इस परियोजना के पूरा होने के बाद न केवल यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। बल्कि पूरे क्षेत्र की कनेक्टिविटी भी मजबूत होगी। खास बात ये है कि सड़क के विस्तार से परी चौक पर लगने वाले जाम से काफी हद तक छुटकारा मिल सकेगा, जो लंबे समय से लोगों के लिए परेशानी का कारण बना हुआ है। ये सड़क लगभग 27 किलोमीटर लंबी होगी, जो ग्रेटर नोएडा और ग्रेटर नोएडा वेस्ट को जोड़ते हुए आगे यमुना सिटी तक पहुंचेगी। वर्तमान में ये सड़क सिरसा गोल चक्कर तक बनी हुई है। लेकिन अब इसे आगे बढ़कर जेवर एयरपोर्ट से जोड़ा जाएगा। इस परियोजना के पूरा होने के बाद गाजियाबाद मेरठ और आसपास के इलाकों से आने वाले लोगों को सीधे एयरपोर्ट तक पहुंचने का आसान रास्ता मिल जाएगा। प्राधिकरण के अधिकारियों के अनुसार, इस सड़क के निर्माण से पहले जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इसके लिए किसानों से जमीन लेने के लिए सर्वे का काम शुरू कर दिया गया है।अधिकारियों का कहना है कि सर्वे और जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरे होते ही निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा। उम्मीद जताई जा रही है कि वर्ष 2026-27 के दौरान इस परियोजना पर तेजी से काम शुरू किया जाएगा।

किसानों से जमीन लेने की प्रक्रिया जारी

इस परियोजना के लिए जिन किसानों की जमीन प्रभावित होगी उनसे बातचीत कर जमीन अधिग्रहण किया जाएगा। प्राधिकरण की कोशिश है कि किसानों को उचित मुआवजा दिया जाए। ताकि परियोजना बिना किसी विवाद के आगे बढ़ सके। जमीन अधिग्रहण पूरे होते ही सड़क निर्माण का काम चरणबद्ध तरीके से शुरू किया जाएगा। इस सड़क को ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे से भी जोड़ा जाएगा, जिससे यह एक अहम कनेक्टिविटी कॉरिडोर बन जाएगी। इसके लिए विशेष रेम्प तैयार किया जाएगा, ताकि वाहन आसानी से एक्सप्रेसवे पर चढ़ सके और उतर सकें। इससे दिल्ली NCR के अलग-अलग हिस्सों से आने वाले लोगों को सीधा फायदा मिलेगा।

परी चौक पर लगने वाले जाम से मिलेगी बड़ी राहत

ग्रेटर नोएडा का परी चौक ट्रैफकि जाम के लिए जाना जाता है। रोजाना हजारों वाहन यहां से गुजरते हैं, जसिसे अक्सर लंबा जाम लग जाता है। नई सड़क के बनने से वाहनों का दबाव अलग-अलग रूट पर बांटा जाएगा, जसिसे परी चौक पर जाम की समस्या काफी हद तक काम हो जाएगी। इस सड़क के बनने से लोगों को अब लंबा चक्कर लगाने की जरूरत नहीं पडेग़ी। इस परयिोजना के साथ-साथ यमुना प्राधकिरण क्षेत्र में अधूरी पडी सड़कों को भी पूरा करने की योजना बनाई गई है। इसके लिए वत्तिीय वर्ष 2026-27 में करीब 300 करोड रुपए खर्च कएि जाएंगे। ग्रेटर नोएडा प्राधकिरण के सीईओ एन जी रवकिुमार ने इस परयिोजना को लेकर कहा- शहर में लगातार बढ़ रहे ट्रैफकि दबाव को देखते हुए सड़कों का चौड़ीकरण और नई कनेक्टविटिी वकिसति करना बेहद जरूरी हो गया है। 130 मीटर सड़क का वसि्तार सरिसा गोल चक्कर से आगे यमुना सटिी और जेवर एयरपोर्ट तक कयिा जाएगा इसके लिए संबंधति वभिाग को नरि्देश दएि जा चुके हैं और सर्वे का कार्य जारी है। इस परियोजना के पूरा होने के बाद लोगों को नोएडा एयरपोर्ट तक पहुंचने में काफी आसानी होगी और परी चौक जैसे वेस्ट इलाकों में ट्रैफकि का दबाव कम होगा।

जिसे अमन समझा, वो निकला अली शेख।

8 साल तक लड़की को देता रहा झांसा, सच पता चला तो दी धमकी

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

राजधानी लखनऊ के गाजीपुर क्षेत्र में गंभीर मामला सामने आया है। यहां एक युवती ने इंदिरा नगर के रहने वाले अली शेख पर पहचान छिपाकर दोस्ती करने, शादी का झांसा देकर यौन शोषण करने और धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़िता महानगर इलाके की रहने वाली है। उसने 5 अप्रैल को गाजीपुर थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। जल्द पीड़िता के बयान मजिस्ट्रेट के सामने दर्ज कराए जाएंगे। पीड़िता का आरोप है कि करीब 8 साल पहले उसकी मुलाकात आरोपी से हुई थी। उस समय आरोपी ने अपना नाम अमन सिंह बताया था और मोबाइल नंबर लिया था। दोस्ती बढ़ने के बाद आरोपी ने शादी का झांसा देकर उसके साथ संबंध बनाए। युवती का कहना है कि बाद में जब उसने शादी की बात की, तो आरोपी टालमटोल करने लगा और फिर शादी से साफ इनकार कर दिया।इसी दौरान आरोपी की पहचान अली शेख के रूप में सामने आई। युवती के मुताबिक, जब उसने आरोपी से उसकी असली पहचान को लेकर सवाल किया, तो उसने कोर्ट मैरिज और हिंदू रीति-रिवाज से शादी करने की बात कहकर उसे शांत करने की कोशिश की। लेकिन इसके बाद आरोपी ने कथित तौर पर अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देनी शुरू कर दी। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया है कि 1 अप्रैल को आरोपी ने बातचीत के बहाने उसे इंदिरा नगर स्थित एक होटल में बुलाया, जहां उसके साथ रेप किया और मारपीट भी की। पुलिस का कहना है कि आरोपी अली शेख बढ़ई का काम करता है। इंस्पेक्टर गाजीपुर ने बताया कि पीड़िता की तहरीर के आधार पर रेप, मारपीट, धमकी और यौन शोषण से संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर लिया गया है। पुलिस अब आरोपी की तलाश कर रही है और मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

अप्रैल में अगस्त जैसा मौसम क्यों? यूपी में बारिश-आंधी का तांडव

7 दिन में 20 मौतें 8 डिग्री तक गिरेगा पारा

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

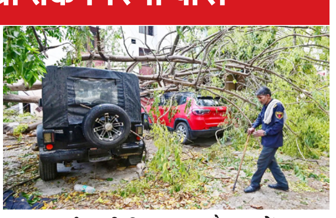

उत्तर प्रदेश में अप्रैल का मौसम अगस्त की याद दिला रहा है। मंगलवार से शुरू हुई बारिश का सिलसिला बुधवार को पूरे प्रदेश में तेज हो गया है। लखनऊ समेत कई शहरों में सुबह से लगातार बारिश हो रही है। मौसम विभाग के मुताबिक यह सिलसिला बृहस्पतिवार यानी आज भी जारी रहने की संभावना है। भारी बारिश और आकाशीय बिजली गिरने से एक हफ्ते में 20 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, 12 लोग घायल हैं। नए पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से पश्चिमी उत्तर प्रदेश से शुरू हुआ यह मौसमी बदलाव धीरे-धीरे पूर्वी जिलों की ओर बढ़ रहा है। इसके चलते आगामी 48 घंटों में प्रदेश के अधिकतम तापमान में 6 से 8 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की जा सकती है।हालांकि, इसके बाद तापमान में फिर उतनी ही तेजी से बढ़ोतरी होने का अनुमान है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ के कारण पूरे प्रदेश में आंधी-पानी का दौर चलेगा। यह बदलाव पश्चिम से शुरू होकर पूर्व की ओर बढ़ेगा। मौसम विभाग ने कई जिलों में ओलावृष्टि की चेतावनी जारी की है। अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, कासगंज, एटा, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा और आसपास के क्षेत्रों में ओले गिरने की संभावना है। कुछ जिलों में 50-60 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का अलर्ट जारी किया गया है। इसमें गौतमबुद्धनगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, कासगंज, एटा, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया और जालौन का नाम शामिल है। वहीं, हरदोई, फर्रुखाबाद, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, उन्नाव, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, गाजियाबाद, हापुड़, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, संभल, बदायूं, हमीरपुर, महोबा, झांसी और ललितपुर में 30-40 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलेंगी। कई जिलों में मेघगर्जन और वज्रपात की भी आशंका बनी हुई है, जिनमें लखनऊ, कानपुर, बाराबंकी, रायबरेली, अमेठी समेत 30 से ज्यादा जिले शामिल हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मौसम की इस विपरीत स्थिति पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में असमय बारिश से किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचा है और सरकार उनके साथ खड़ी है।

मेरठ के सेंट्रल मार्केट में बुलडोजर एक्शन की आहट

रडार पर 1400 दुकानें

हिंदमाता नेटवर्क @ मेरठ

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मेरठ के शास्त्री नगर सेंट्रल मार्केट मामले में बड़ा फैसला सुनाते हुए आवासीय प्लॉटों पर संचालित 44 व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को सील करने का निर्देश दिया। इन इमारतों में 6 स्कूल, 6 निजी अस्पताल, 4 बैंकट हॉल और 28 व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स शामिल हैं, जिन्हें नियमों के खिलाफ आवासीय क्षेत्र में बनाया गया था। आवास विकास परिषद की टीम ने कोर्ट के आदेश के बाद व्यापारियों को तत्काल भवन खाली करने की चेतावनी दी है। इस मामले की अगली सुनवाई 9 अप्रैल को होनी है, जिससे पहले प्रशासन और पुलिस सीलिंग की कार्रवाई को अंजाम देने की तैयारी में जुट गए हैं।

मरीजों और छात्रों को शिफ्ट करने का निर्देश

अदालत ने मानवीय पहलुओं को ध्यान में रखते हुए निर्देश दिया है कि जो छात्र इन स्कूलों में पढ़ रहे हैं, उनका दाखिला दूसरी जगह कराया जाए। साथ ही, अस्पतालों में भर्ती मरीजों को भी दूसरे अस्पतालों में शिफ्ट करने के लिए कहा गया है। कोर्ट की इस सख्ती के बाद व्यापारियों ने दुकानों से अपना सामान हटाना शुरू कर दिया है।

व्यापारियों का प्रदर्शन और 'जीवन-मरण' का संकट

शास्त्री नगर में इस कार्रवाई के विरोध में व्यापारियों, डॉक्टरों और स्कूल प्रबंधन ने संयुक्त बैठक की है। व्यापारियों ने छाती पीट-पीटकर प्रदर्शन किया और इसे अपने लिए जीवन-मरण का संकट बताया। उनका कहना है कि वे सरकार को टैक्स और जीएसटी देते हैं, फिर भी उनके व्यवसाय को उजाड़ा जा रहा है।

1400 से ज्यादा दुकानें रडार पर

सेंट्रल मार्केट का यह विवाद लंबे समय से कोर्ट में है। इससे पहले एक परिसर की 23 दुकानों को ध्वस्त किया जा चुका है। आवास विकास ने सेक्टर 1 से 13 तक ऐसी 1400 से ज्यादा दुकानों को चिन्हित किया है जो आवासीय प्लॉटों पर बनी हैं। फिलहाल उन 44 आवासीय भवनों पर गाज गिरी है जो पूरी तरह से कमर्शियल कामों में इस्तेमाल हो रहे थे।

हिंदमाता एंकर: अब सवाल यह है कि मूर्तियों का कायाकल्प दलित वोटों में कितना बदलाव लाता है और क्या यह भाजपा के लिए स्वर्ण-दलित के बीच संतुलन बनाए रख पाएगी

2027 में बाबा साहब के सहारे बीजेपी, UP में अंबेडकर मूर्ति योजना से दलितों को साधने की रणनीति!

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

यूपी की BJP सरकार ने 2027 विधानसभा चुनाव से पहले दलित वोट बैंक को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में कैबिनेट ने डॉ बीआर अंबेडकर मूर्ति विकास योजना को मंजूरी दे दी। योजना के तहत प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों पर डॉ। भीमराव अंबेडकर समेत अन्य महापुरुषों, समाज सुधारकों और सांस्कृतिक विभूतियों के स्मारकों का संरक्षण, सौंदर्यीकरण और कायाकल्प किया जाएगा। हर विधानसभा क्षेत्र में कम से कम 10 ऐसे स्मारकों को नई पहचान दी जाएगी। यूपी के डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने कहा कि बाबा भीमराव अंबेडकर सहित जो सामाजिक न्याय के पुरोधा रहे हैं, उनकी प्रतिमा छत्र-चबूतरे के साथ में है और जहां पर छत्र-चबूतरा नहीं बना है। हम लोग वहां पर प्रतिमाओं का नवीनीकरण करके व्यवस्थित तरीके से कार्य करेंगे। इसका शुभारंभ हम लोग 14 अप्रैल से करने जा रहे हैं। योगी सरकार के फैसले डॉ बीआर आंबेडकर मूर्ति पर छतरी और सुंदरीकरण पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री पर कोई भरोसा न करें।

BJP का यह फैसला दुधारी तलवार जैसा

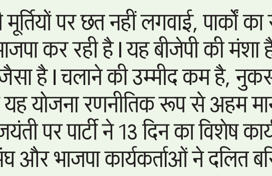

वरिष्ठ पत्रकार राजेंद्र कुमार कहते हैं- यूपी सरकार दलितों को यह संदेश देना चाहती है कि हम भी दलित समाज के हितैषी हैं। जो काम मायावती ने चार बार मुख्यमंत्री रहते नहीं किया। डॉ अंबेडकर की मूर्तियों पर छत नहीं लगवाई, पार्कों का सौंदर्यीकरण नहीं कराया। वह अब भाजपा कर रही है। यह बीजेपी की मंशा है लेकिन यह फैसला दुधारी तलवार जैसा है। चलाने की उम्मीद कम है, नुकसान की उम्मीद ज्यादा। भाजपा के लिए यह योजना रणनीतिक रूप से अहम मानी जा रही है। पिछले साल अंबेडकर जयंती पर पार्टी ने 13 दिन का विशेष कार्यक्रम चलाया था। 13 से 25 अप्रैल तक संघ और भाजपा कार्यकर्ताओं ने दलित बस्तियों में संपर्क अभियान चलाया।

लोकसभा चुनाव में BJP को करीब 8.5 % वोट का नुकसान

अब यह योजना उस अभियान को सरकारी स्तर पर संस्थागत रूप देने का काम करेगी। 2024 लोकसभा चुनाव में भाजपा को यूपी में करीब 8.5 प्रतिशत वोट का नुकसान हुआ था। सपा के PDA पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक फॉर्मूले और आरक्षण खत्म होगा, संविधान बदल जाएगा जैसे नरेटिव ने पार्टी को काफी झटका दिया था। उत्तर प्रदेश में दलित आबादी 20.7 प्रतिशत लगभग 4.14 करोड़ है। इसमें 66 उप-जातियां हैं, जिनमें छह प्रमुख उप-जातियां जाटव, पासी, कोरी, धोबी, खटिक, बाल्मिकी सहित कुल दलित आबादी का 87 प्रतिशत हिस्सा रखती हैं। जाटव सबसे एकजुट और बसपा के कोर वोटर माने जाते हैं, जबकि गैर-जाटव दलितों में बंटवारा ज्यादा है। 2011 से 2022 तक भाजपा ने गैर-जाटव वोटरों को साधकर अपनी वोट बैंक बढ़ाई थी, लेकिन 2024 में कुछ गैर-जाटव वोट इंडिया गठबंधन की ओर चले गए। दूसरी ओर, वरिष्ठ पत्रकार सुरेश बहादुर सिंह कहते हैं कि भाजपा की यह सोची-समझी रणनीति है।

'सपा ने हमेशा हर वर्ग के महापुरुषों का अनादर किया'

हालांकि, परिणाम क्या होगा, यह चुनाव के बाद ही पता चलेगा। राजनीतिक नरेंद्र श्रीवास्तव इस योजना को भाजपा की दलित आउटरीच की नई कड़ी मान रहे हैं। भाजपा प्रवक्ता हीरो बाजपाई का कहना है कि यह महापुरुषों के सम्मान का काम है, हीरो वाजपेई कहते हैं कि सपा ने हमेशा हर वर्ग के महापुरुषों का अनादर किया। लेकिन भाजपा सभी महापुरुषों का सम्मान करती है। अब सवाल यह है कि मूर्तियों का कायाकल्प दलित वोटों में कितना बदलाव लाता है और क्या यह भाजपा के लिए स्वर्ण-दलित के बीच संतुलन बनाए रख पाएगी। 2027 का चुनाव इसी का फैसला करेगा।

होर्मुज में लगा तीन हजार जहाजों का महाजाम!

भारत के ऑर्डर किए तेल टैंकर कैसे आएंगे?

हिंदमाता नेटवर्क @ तेहरान

अमेरिका और ईरान के बीच हुए युद्धविराम समझौते के बाद शिपिंग कंपनियां होर्मुज स्ट्रेट में तेल टैंकरों की आवाजाही फिर से शुरू होने को लेकर आशा से भर गई हैं। भारत समेत एशियाई देशों की रिफाइनरियों ने कच्चे तेल की लोडिंग के लिए शिपिंग कंपनियों से बड़े टैंकरों की मांग बढ़ा दी है। हालांकि, युद्धविराम फिलहाल बस 14 दिनों का है और जिस संख्या में खाड़ी में जहाज फंसे हैं, उन्हें देखते हुए लगता नहीं कि इतने कम दिन में होर्मुज का ट्रैफिक खत्म हो पाएगा। ऐसे में नए टैंकरों के होर्मुज से गुजरने पर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। लंदन स्टॉक एक्सचेंज ग्रुप यानी LSEG के शिपिंग डेटा के अनुसार, ज्यादातर फंसे हुए तेल और गैस टैंकर अभी भी खाड़ी के भीतर ही मौजूद हैं। यह स्थिति उस घोषणा के कुछ घंटों बाद की है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दो हफ्ते के युद्धविराम का ऐलान किया और कहा कि अमेरिका जहाजों की भीड़ कम करने में मदद करेगा। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने कहा कि अगर ईरान पर हमले बंद होते हैं, तो वो भी जवाबी हमले रोक देगा और अपनी सशस्त्र सेनाओं के साथ मिलकर जहाजों को होर्मुज में सुरक्षित रास्ता देगा। शिप ट्रैकिंग कंपनी केप्लर के अनुसार, मंगलवार तक स्ट्रेट में करीब 187 भरे हुए टैंकर मौजूद थे, जिनमें लगभग 17.2 करोड़ बैरल कच्चा तेल और रिफाइंड उत्पाद थे।

होर्मुज में कितने जहाज फंसे हुए हैं?

Fertmax FZCO के ग्लोबल हेड ऑफ रिसर्च डेजिन ली के अनुसार, खाड़ी में 1,000 से ज्यादा समुद्री जहाज फंसे हुए हैं और सामान्य हालात में भी इस ट्रैफिक को खत्म करने में दो हफ्तों से ज्यादा समय लग सकता है। उन्होंने कहा कि 14 दिन की अवधि इतनी कम है कि इससे बाजार में भरोसा पूरी तरह बहाल नहीं हो पाएगा, खासकर अरब खाड़ी के लोडिंग रूट्स पर। अभी यह भी साफ नहीं है कि जहाजों और चार्टर कंपनियों को होर्मुज में रास्ता तलाशने के लिए क्या कदम उठाने होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि कई बड़ी शिपिंग कंपनियां इस वक्त इंतजार कर रही हैं और देख रही हैं कि युद्धविराम कितना स्थिर रहेगा। जब उन्हें युद्धविराम की स्थिरता पर भरोसा हो जाएगा, वो तभी अपने जहाज खाड़ी में भेजेंगी। वहीं, चीन ने ईरान के राजदूत अब्दुलरेजा रहमानी फजली की मानें तो, खाड़ी में 3,000 से ज्यादा जहाज समंदर में फंसे हैं और होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ईरान होर्मुज पर पड़ रहे प्रेशर को कम करने की कोशिश करेगा और जहाजों को वहां से गुजरने देने के लिए कदम उठाएगा। हालांकि, उन्होंने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट पूरी तरह तभी खुल पाएगा जब अमेरिका के साथ बातचीत के अच्छे नतीजे निकलेंगे।

होर्मुज से निकलना अभी खतरनाक

शिपिंग एसोसिएशन BIMCO के सुरक्षा प्रमुख जैकब लार्सन ने समाचार एजेंसी रॉयटर्स से बात करते हुए कहा कि इंडस्ट्री अमेरिका और ईरान से टेक्निकल दिशा-निर्देशों का इंतजार कर रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि बिना ईरान और अमेरिका से समन्वय के खाड़ी से निकलना खतरनाक हो सकता है। 28 फरवरी को शुरू हुए अमेरिकी और इजरायली हमलों के जवाब में ईरान ने इस स्ट्रेट को बंद कर दिया था, जिससे वैश्विक तेल और एलएनजी सप्लाई का करीब 20% प्रभावित हुआ और ऊर्जा कीमतों में भारी उछाल आया। हालांकि युद्धविराम की घोषणा के बाद तेल कीमतों में गिरावट देखी गई है। शिपिंग सूत्रों के मुताबिक, जहाज मालिक फिलहाल 'वेट एंड वॉच' की रणनीति अपना रहे हैं और स्थिति स्पष्ट होने के बाद ही खाड़ी में जहाज भेजने का फैसला करेंगे। बुधवार को भारत की बड़ी रिफाइनरियों, जैसे रिलायंस इंडस्ट्रीज, इंडियन ऑयल कोर्पोरेशन ने मिडिल ईस्ट से कच्चे तेल की लोडिंग के लिए बड़े तेल टैंकरों के ऑर्डर बढ़ा दिए हैं। चीन की सरकारी तेल कंपनी चाइना नेशनल ऑफशोर ऑयल कोर्पोरेशन CNOOC ने भी टैंकरों की डिमांड बढ़ा दी है। लेकिन होर्मुज में लगे जाम को देखते हुए यह साफ नहीं कहा जा सकता है एशियाई देशों तक तेल कब तक आ सकेगा।

ईरान से जल्द बाहर निकलें!

केंद्र सरकार की भारतीय नागरिकों से अपील

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के खिलाफ अमेरिकी सेना के 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' में दो सप्ताह के युद्धविराम की घोषणा के बाद, तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने एक नई एडवाइजरी जारी कर भारतीय नागरिकों से जल्द से जल्द देश छोड़ने की अपील की है। इस एडवाइजरी में नागरिकों से दूतावास से समन्वय करने और सिर्फ दूतावास द्वारा सुझाए गए रास्तों का इस्तेमाल करने को कहा गया है। यह कदम क्षेत्र में हाल ही में हुए घटनाक्रमों को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है। दूतावास ने स्पष्ट किया कि यह नई एडवाइजरी 7 अप्रैल को जारी पहले नोटिस के बाद आई है। इसमें दोहराया गया है कि जो भारतीय अभी भी ईरान में मौजूद हैं, वो जल्द से जल्द देश छोड़ दें और इसके लिए दूतावास के संपर्क में रहकर उसी के सुझाए गए सुरक्षित मार्गों का इस्तेमाल करें।

आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर

+989128109115 +989128109102
+989128109109 +989932179359

भारतीय नागरिकों को दी सलाह

एडवाइजरी में खास तौर पर चेतावनी दी गई है कि कोई भी भारतीय नागरिक बिना दूतावास से सलाह लिए किसी अंतरराष्ट्रीय सीमा की ओर जाने की कोशिश न करे। इसमें कहा गया है कि स्वतंत्र रूप से बॉर्डर तक पहुंचने का प्रयास जोखिम भरा हो सकता है और इससे बचना चाहिए। दूतावास ने भारतीय नागरिकों की मदद के लिए कई आपातकालीन मोबाइल नंबर और एक आधिकारिक ईमेल आईडी भी साझा की है। जरूरत पड़ने पर नागरिक इनके जरिए तुरंत संपर्क कर सकते हैं और सुरक्षित निकासी के लिए मार्गदर्शन प्राप्त कर सकते हैं।

पहले 48 घंटे घर के अंदर रहने की दी थी सलाह

इससे पहले बीते दिन (7 अप्रैल) को ट्रंप के ईरान पर भीषण हमले की चेतावनी के बाद दूतावास ने एडवाइजरी जारी करते हुए सभी भारतीय नागरिकों को 48 घंटे घर के अंदर रहने की सलाह दी थी। जिसमें कहा गया था कि सैन्य और विद्युत प्रतिष्ठानों से बचें, इमारतों की ऊपरी मंजिलों से दूर रहें, आवागमन सीमित करें और आधिकारिक निर्देशों का सख्ती से पालन करें दूतावास द्वारा आयोजित आवासों में ठहरे भारतीयों को अपने कमरों में ही रहने और वहां तैनात दूतावास की टीमों के साथ नियमित संपर्क बनाए रखने के लिए कहा गया था। युद्धविराम के बाद अब नई एडवाइजरी जारी की गई है। यह एडवाइजरी ऐसे समय में आई है जब क्षेत्रीय परिस्थितियां तेजी से बदल रही हैं। दूतावास लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है और भारतीय नागरिकों को सलाह दी गई है कि वे नियमित रूप से अपडेट लेते रहें और किसी भी नई जानकारी के लिए दूतावास के संपर्क में बने रहें।

विदेश सचिव मिसरी ने अमेरिका की तीन दिवसीय यात्रा शुरू की

हिंदमाता नेटवर्क @ वाशिंगटन

विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने बुधवार को अमेरिका की तीन दिवसीय यात्रा शुरू की, जहां वह वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर द्विपक्षीय व्यापार तथा रक्षा संबंधों की समीक्षा करेंगे और पश्चिम एशिया के संकट समेत वैश्विक घटनाक्रम पर चर्चा करेंगे। अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने विदेश सचिव के आगमन पर उनका स्वागत करते हुए कहा कि विदेश सचिव की इस यात्रा से भारत-अमेरिका साझेदारी के व्यापक दायरे की समीक्षा करने का मौका मिलेगा। अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह के सशर्त संघर्षविराम समझौते के कुछ घंटों बाद विदेश सचिव की यह यात्रा हो रही है। क्वात्रा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''मिसरी की यात्रा हमारे अमेरिकी भागीदारों के साथ भारत-अमेरिका साझेदारी की समीक्षा करने और व्यापार, रक्षा, प्रौद्योगिकी और क्षेत्रीय एवं वैश्विक घटनाक्रम पर विचारों के आदान-प्रदान समेत हमारे द्विपक्षीय एजेंडे के प्रमुख स्तंभों पर चर्चा को आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान करता है।'' मिसरी का यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब दोनों पक्ष

अनिश्चितता और तनाव के दौर के बाद संबंधों को स्थिर करने के लिए काम कर रहे हैं। ऐसी खबरें हैं कि मिसरी की यात्रा के दौरान दोनों पक्ष प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते को आगे बढ़ाने पर विचार-विमर्श कर सकते हैं। विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को एक बयान में कहा था, ''यह दौरा भारत-अमेरिका द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा करने और प्रमुख क्षेत्रों में जारी सहयोग को आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान करेगा।'' मंत्रालय ने कहा था कि विदेश सचिव अमेरिकी प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ व्यापार, रक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के साथ-साथ पारस्परिक हित के क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रम समेत कई मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

हम तो शांति और युद्धविराम ही चाहते हैं

सीजफायर पर ट्रंप ने लिया नाम, चीन का आया पहला बयान

हिंदमाता नेटवर्क @ वाशिंगटन

चीन ने ईरान और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच हुए युद्धविराम समझौते का स्वागत किया, लेकिन ईरान के साथ किसी भी प्रत्यक्ष वार्ता की पुष्टि नहीं की, जिसके कारण समझौते को स्वीकार किया गया हो। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने पाकिस्तान और अन्य देशों के प्रयासों का भी स्वागत किया और विस्तार से बताए बिना कहा कि चीन ने भी अपने स्तर पर प्रयास किए। बीजिंग में माओ ने कहा, हम शांति वार्ता और युद्धविराम की वकालत करते रहे हैं। उन्होंने कहा कि चीनी अधिकारी शांति की दिशा में रचनात्मक भूमिका निभाते रहेंगे।चीन का कहना है कि वह शांति की दिशा में 'रचनात्मक भूमिका' निभाएगा। चीन और पाकिस्तान ने कुछ दिन पहले एक महीने से चल रहे युद्ध के बाद मध्य पूर्व में शांति बहाल करने के उद्देश्य से पांच सूत्री प्रस्ताव को आगे बढ़ाने पर सहमति जताई थी।

सीजफायर से चीन को क्या होगा फायदा

सूत्रों के मुताबिक ईरान को युद्धविराम के लिए चीन ने ही मनाया, ऐसा अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी कहा था। सीजफायर से चीन का भी फायदा होना है क्योंकि चीन ईरान का सबसे बड़ा ट्रेड पार्टनर और ईरानी तेल का सबसे बड़ा खरीदार है। ईरान और अमेरिका के बीच चल रहा जंग खत्म होना चीन के हित में था। स्टेट ऑफ हॉर्मुज़ को नॉर्मलाइज करना भी चीन के लिए जरूरी है, ताकि तेल आपूर्ति बाधित न हो। ईरान के कच्चे तेल पर चीन को भारी डिस्काउंट मिलता रहा है, तेल की सप्लाई रुकने से चीन को भी नुकसान हो रहा था। बता दें कि तीन साल पहले सऊदी अरब और ईरान सुलह में भी चीन की खास भूमिका थी। इस बार 40 दिनों की लड़ाई के बाद ईरान ने दिखाया कि वह अमेरिका से टक्कर ले सकता है। अब इस युद्ध के बाद खाड़ी देश अमेरिका की सुरक्षा गारंटी पर पुनर्विचार कर सकते हैं और नया क्षेत्रीय सुरक्षा ढांचा उभरने की संभावना है।

लेबनान में जारी रहेंगे इजराइल के हमले

क्या ईरान-अमेरिका सीजफायर से खुश नहीं नेतन्याहू?

हिंदमाता नेटवर्क @ लेबनान

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सीजफायर ऐलान के बाद इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू की ओर से प्रतिक्रिया जारी की गई है। इजराइल के प्रधानमंत्री कार्यालय ने बुधवार को एक बयान जारी कर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फैसले का समर्थन किया है। साथ ही इसको मानने के लिए एक शर्त भी रखी है। बयान में इजराइल ने साफ किया है कि वह इस संघर्ष विराम का समर्थन तभी करेगा, जब ईरान जल्द से जल्द स्ट्रेट ऑफ होर्मुज खोलेगा और अमेरिका, इजराइल और क्षेत्र के दूसरे देशों पर हमले बंद करेगा। साथ ही कहा कि वह लेबनान पर अपने हमले बंद नहीं करेगा। इजराइल ने यह भी कहा कि वह अमेरिका के उस प्रयास का समर्थन करता है, जिससे ईरान अब अमेरिका, इजराइल, ईरान के अरब पड़ोसियों और पूरी दुनिया के लिए परमाणु, मिसाइल और आतंकी खतरा नहीं रहे हैं। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक अमेरिका ने इजराइल को आश्वासन दिया है कि वह आने वाली बातचीत में इन सभी लक्ष्यों को हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध है। ये लक्ष्य अमेरिका, इजराइल और क्षेत्र के इजराइली सहयोगियों दोनों के लिए समान हैं।

लेबनान पर नहीं होगा सीजफायर लागू

इजराइल के प्रधानमंत्री कार्यालय ने साफ तौर पर कहा है कि दो हफ्तो का यह संघर्ष विराम लेबनान पर लागू नहीं होगा। जबकि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी अपने सीजफायर के ऐलान में साफ किया था कि इस सीजफायर में लेबनान भी शामिल है। बता दें, की लेबनान में इजराइल हिजबुल्लाह की पकड़ कमजोर करने के लिए नागरिक इलाकों पर भीषण हमले कर रहा है। अगर इजराइल ने ये हमले जारी रखे तो, इस सीजफायर के जरिए एक पूरे युद्ध विराम की कोशिश नाकाम हो सकती है।

सीजफायर से खुश नहीं इजराइल

इस सीजफायर को दुनिया भर में इजराइल की रणनीतिक जीत के तौर पर देखा जा रहा है। इजराइल इस सीजफायर के लिए तैयार नहीं था और ईरान पर भीषण हमलों की हिमायत कर रहा था। इस युद्धविराम में ईरान ने अपने प्रॉक्सी पर हो रहे हमलों को रोकने की मांग रखी है, जिसको अमेरिका की ओर से हरी झंडी मिल गई है।

ईरान-अमेरिका में सीजफायर से हर तरफ जश्न

लेकिन पाकिस्तान से क्यों नाराज है यूएई?

हिंदमाता नेटवर्क @ तेल अवीव

ईरान और अमेरिका के सीजफायर से जहां पूरी दुनिया खुश है। वहीं ईरान के पड़ोसी देश संयुक्त अरब अमीरात इस सीजफायर की घोषणा से नाराज और दुखी है। दिलचस्प बात है कि यूएई की नाराजगी पाकिस्तान को लेकर है। क्योंकि, पाकिस्तान ने ही पूरी प्रक्रिया में मैसेंजर की भूमिका निभाई है। हालांकि, आधिकारिक तौर पर यूएई ने इस युद्ध में खुद को विजेता घोषित किया है। यूएई के राष्ट्रपति के सलाहकार अनवर गरगाश ने एक बयान में अपनी ताकत का बखान किया। मिडिल ईस्ट के इस युद्ध में ईरान ने सबसे ज्यादा हमले यूएई पर ही किए थे। फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक ईरान ने यूएई पर 2 हजार से ज्यादा हमले किए। जंग के दौरान ईरान ने यूएई के दुबई, शारजाह और अबू धाबी पर जमकर हमला किया। यूएई रक्षा मंत्रालय के मुताबिक ईरान ने पिछले एक महीने में यूएई पर 2200 ड्रोन और 500 बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया। ईरानी हमले में 10 अमीराती की मौत हो चुकी है। जंग के दौरान ईरान ने 26 क्रूज मिसाइलों से भी यूएई पर हमला किया।

सवाल- सीजफायर से यूएई नाराज क्यों?

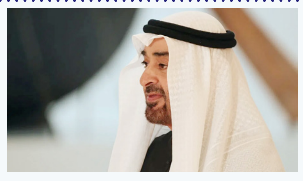

1. यूएई एक्सपर्ट अजमद ताहा के मुताबिक पाकिस्तान ने सीजफायर में यूएई को कन्फिडेंस में नहीं लिया। सिर्फ अमेरिका के इशारों पर सीजफायर की प्रक्रिया को अंजाम दिया। सीजफायर में यह घोषणा नहीं है कि किसी भी इलाके पर ईरान हमला नहीं करेगा। ईरान का हमला अगर जारी रहता है तो उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? सीजफायर के मैसेज में भी पाकिस्तान ने यूएई का जिक्र नहीं किया है, जबकि हमले में सबसे नुकसान यूएई को ही हुआ है।

2. मनारा संस्था के चेयरमैन और यूएई एक्सपर्ट अली अल-नुएमी इसे एक धोखा मानते हैं। अल-नुएमी के मुताबिक सीजफायर में यूएई की उपेक्षा की गई है। उससे न तो सलाह-मशवरा लिया गया और न ही उसे बताया गया। अजमद ताहा भी इसे एक धोखा मानते हैं।

3. यूएई के पॉलिसी मामलों के जानकार अल-खलीफा के मुताबिक होर्मुज पर जो डील हुई है, वो यूएई के फेवर में नहीं है। होर्मुज पर पाकिस्तान ने यूएन वोटिंग से खुद को अलग रखा। वहीं जब डील की बात आई तो ईरान की शर्तों को मान लिया। यह यूएई के लिए झटका है।

जंग लड़ने की तैयारी कर रहा था यूएई

वॉल स्ट्रीट जनरल ने यूएई की तैयारियों को लेकर एक रिपोर्ट की थी। इसमें कहा गया था कि यूएई जंग लड़ने की तैयारी में है। उसने इस संदर्भ में अमेरिका से बात भी की है। यूएई ने जंग में ईरानी नागरिकों पर प्रतिबंध भी लगा दिया था। यूएई की कोशिश किसी भी तरीके से ईरान के शासन को कमजोर करना था। यूएई होर्मुज नियंत्रण के लिए एक सैन्य बल बनवाने की पैरवी कर रहा था। इसके लिए बहरीन के साथ मिलकर उसने 2 बार यूएन में प्रस्ताव भी पेश किया, लेकिन यह पास नहीं हो पाया। यूएई और ईरान के बीच 1905 से ही दुश्मनी है। यूएई फारस की खाड़ी में स्थित ईरान के 3 द्वीप पर अपना दावा करता रहा है।

हिंदमाता एंकर जो लोग अधिक इंटेस एक्सरसाइज करते हैं, उनमें सभी बीमारियों का खतरा कम होता है और जो लोग कोई एक्सरसाइज नहीं करते, उनकी तुलना में उनमें बीमारियों का खतरा कम होता है

लंबी उम्र का शॉर्टकट! केवल 10 मिनट की मेहनत से मिलेगा फायदा, बस करना होगा ये काम

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

जैसे-जैसे गर्मी का मौसम आता है, वैसे-वैसे इंसान की फिजिकल एक्टिविटी कम होने लगती है। हालांकि, नई रिसर्च से पता चला है कि यदि आपको फिट रहना चाहते हैं और बीमारियों से बचना चाहते हैं तो आपको स्ट्रिक्ट जिम की नहीं बल्कि 5-10 मिनट की एक्सरसाइज की जरूरत होती है। इन एक्सरसाइज में सीढ़ियां चढ़ना, रनिंग करना जैसी चीजें भी शामिल हो सकती हैं। स्टडी के मुताबिक, यूके बायोबैंक रिसर्च में 96,408 लोगों पर हुई स्टडी में 7 सालों तक लोगों की बीमारियां जैसे, हृदय रोग, अनियमित धड़कन, टाइप 2 डायबिटीज, लिवर डिजीज, फेफड़ों की बीमारियां, पुरानी किडनी की बीमारी, डिमेंशिया और इम्यूनिटी जैसी अन्य बीमारियों पर नजर रखी और उनकी तुलना की। रिसर्च में पाया कि जो लोग अधिक इंटेस एक्सरसाइज करते हैं, उनमें सभी बीमारियों का खतरा कम होता है और जो लोग कोई एक्सरसाइज नहीं करते, उनकी तुलना में उनमें बीमारियों का खतरा कम होता है। वहीं ये छोटी एक्टिविटी दिल की बीमारी और टाइप-2 डायबिटीज जैसी समस्याओं को रोकने में उतनी ही असरदार हैं जितना कि लंबा वर्कआउट।

क्या है एक्सरसाइज स्नैकिंग?

थोड़े-थोड़े समय के लिए जो एक्सरसाइज की जाती है, उसे एक्सरसाइज स्नैकिंग कहा जाता है। साइंस अब एक्सरसाइज स्नैकिंग का सपोर्ट कर रहा है। यह एक ऐसा तरीका है जिसमें आप दिन भर में 5 से 10 मिनट के छोटे-छोटे वर्कआउट सेशन करके खुद को गंभीर बीमारियों से बचा सकते हैं।

दिल और शुगर के लिए कैसे फायदेमंद?

वैज्ञानिकों का मानना है कि छोटा लेकिन इंटेस वर्कआउट सेशन शरीर में ग्लूकोज लेवल को कंट्रोल करने में मदद करते हैं। जब आप दिन में कई बार छोटी एक्सरसाइज करते हैं, तो आपका ब्लड शुगर लेवल स्थिर रहता है जिससे डायबिटीज का खतरा कम होता है। इसके अलावा यह आपकी कार्डियोवैस्कुल फिटनेस को भी बढ़ाता है। यह एक्सरसाइज स्नैकिंग आपके ब्लड प्रेशर को कम करने और कोलेस्ट्रॉल लेवल को सुधारने में भी मददगार साबित होते हैं जो लंबे समय में आपकी उम्र बढ़ाने में सहायक हैं।

कम समय में अधिक फायदा

एक्सरसाइज स्नैकिंग का सबसे बड़ा फायदा यह है कि इसके लिए किसी फैंसी जिम या हैवी एक्सरसाइज की जरूरत नहीं होती है। आप इसे कहीं भी कर सकते हैं। रिसर्च बताते हैं कि जो लोग दिन में तीन बार 10-10 मिनट की एक्टिविटी करते हैं तो उनकी फिटनेस उन लोगों के बराबर होती है जो एक बार में ही 30 मिनट एक्सरसाइज करते हैं।

कैसे एड करें एक्सरसाइज?

रिसर्चर्स के मुताबिक, एक्टिविटी के लिए यदि आप किसी से कॉल पर बात कर रहे हैं तो हमेशा पैदल चलते हुए बात करें। लिफ्ट की जगह सीढ़ियों का इस्तेमाल करें। अगर आप घर पर हैं तो टीवी एड के दौरान जंपिंग जैक या स्क्वॉट्स कर सकते हैं। याद रखें आपका गोल शरीर को मूव कराना है। 10 मिनट का समय आपके पूरे दिन का केवल एक छोटा सा हिस्सा है लेकिन यदि इसे आप अपनी फिटनेस में लगाते हैं तो आपको काफी फायदा होगा।

बिजनेस वर्ल्ड

रिलायंस जियो ने उत्कृष्ट नेटवर्क और डाउनलोड स्पीड के साथ स्थापित किया नया मानक

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

रिलायंस जियो ने मुंबई और उपनगरों में दूरसंचार क्षेत्र में अपनी अग्रणी स्थिति को और मजबूत करते हुए वॉइस और डेटा प्रदर्शन के प्रमुख मानकों पर प्रतिस्पर्धियों से बढ़त बनाई है। Telecom Regulatory Authority of India (ट्राई) द्वारा फरवरी 2026 में किए गए स्वतंत्र ड्राइव टेस्ट (IDT) के अनुसार, जियो ने सबसे अधिक 5G डाउनलोड स्पीड, सबसे तेज 5G अपलोड स्पीड, सर्वोत्तम वॉइस कॉल गुणवत्ता और सबसे कम लेटेंसी प्रदान की है। ट्राई के निष्कर्ष जियो के उन्नत और भविष्य-तैयार मोबाइल नेटवर्क के माध्यम से सर्वश्रेष्ठ डिजिटल अनुभव देने की प्रतिबद्धता का स्पष्ट प्रमाण हैं। ट्राई की रिपोर्ट के अनुसार, जियो ने औसतन 244.43 Mbps की 5G डाउनलोड स्पीड दर्ज की—जो सभी ऑपरेटरों में सबसे अधिक है। इस उत्कृष्ट प्रदर्शन से तेज वीडियो स्ट्रीमिंग, बिना रुकावट ऑनलाइन गेमिंग, तेजी से ऐप डाउनलोड और पीक आवर्स में भी निर्बाध ब्राउज़िंग संभव होती है। साथ ही, जियो ने औसतन 39.05 Mbps की 5G अपलोड स्पीड भी दर्ज की—जो कि सबसे अधिक है। यह स्पीड न केवल तकनीकी श्रेष्ठता को दर्शाती है, बल्कि ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण के साथ बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करने की जियो की प्रतिबद्धता को भी रेखांकित करती है, जिससे डिजिटल उपयोगकर्ताओं के लिए जियो पसंदीदा नेटवर्क बनता है। जियो ने कम लेटेंसी के क्षेत्र में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, जो वीडियो कॉल, वर्चुअल मीटिंग्स और ऑनलाइन गेमिंग के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। तेज डेटा पैकेट डिलीवरी के कारण उपयोगकर्ताओं को अधिक स्मूद और रेस्पॉन्सिव अनुभव मिलता है, जिससे रियल-टाइम इंटरैक्शन में देरी न्यूनतम रहती है। डेटा सेवाओं के अलावा, वॉइस सेवाओं में भी जियो का प्रदर्शन उल्लेखनीय रहा है। IDT में उत्कृष्ट कॉल सेटअप सफलता दर, बेहद तेज कॉल कनेक्शन समय, लगभग शून्य कॉल ड्रॉप और स्पष्ट, उच्च गुणवत्ता वाली आवाज को प्रमुख रूप से रेखांकित किया गया है। इससे जियो उपयोगकर्ताओं को घर, यात्रा या भीड़भाड़ वाले शहरी क्षेत्रों में भी निर्बाध और भरोसेमंद वॉइस संचार का अनुभव मिलता है। ट्राई ने ऐरोली पुलिस स्टेशन, कलवा तहसीलदार कार्यालय, मिलेनियम बिजनेस पार्क (MBP), मुंब्रा नगर निगम अस्पताल, NMMC वार्ड कार्यालय कोपर खैराणे, पावणे MIDC औद्योगिक क्षेत्र और रबाले MIDC TTC औद्योगिक क्षेत्र (मुख्य प्रवेश द्वार) में भी वास्तविक परिस्थितियों का आकलन किया। 21 जनवरी 2026 को ऐरोली, कोपर खैराणे और रबाले रेलवे स्टेशनों पर वॉक टेस्ट किए गए, जिनमें भीड़भाड़ वाले पैदल यात्री क्षेत्रों में मोबाइल नेटवर्क के प्रदर्शन का अध्ययन किया गया।

किआ इंडिया द्वारा देशव्यापी समर रेडीनेस सर्विस कैंप शुरू

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

किआ इंडिया ने आज अपने देशव्यापी समर रेडीनेस सर्विस कैंप की शुरुआत की घोषणा की। यह कैंप 12 मई 2026 तक चलेगा। देशभर के 497 किआ अधिकृत वर्कशॉप्स में आयोजित यह कैंप किआ-प्रशिक्षित तकनीशियनों के जरिए वैश्विक स्तर की सर्विस देगा, ताकि देशभर के ग्राहक भीषण गर्मी के महीनों में सुरक्षित और आरामदायक सफर के लिए तैयार रह सकें। यह पहल एक बेहतरीन और प्रीमियम ओनरशिप अनुभव देने की किआ इंडिया की प्रतिबद्धता को और मजबूत करती है। ग्राहकों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के अपने दृष्टिकोण के अनुरूप, किआ समर रेडीनेस कैंप बेहतर सुविधा, वाहन की पूरी देखभाल और अतिरिक्त लाभों पर केंद्रित है। यह बिक्री के बाद भी संपूर्ण ब्रांड अनुभव को बेहतर बनाने की किआ की प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है। इस समर रेडीनेस कैंप में कई तरह की सर्विस पेश की जाती हैं, जिसमें 20-पॉइंट वाहन निरीक्षण और एसी प्रदर्शन मूल्यांकन शामिल है। इसके साथ ही एसी केयर, एक्सेसरीज और रोडसाइड असिस्टेंस प्लान्स पर लक्षित लाभ भी दिए जाएंगे। गुणवत्ता आश्वासन उपायों और 'सेल्स थ्रू सर्विस' पहलों के साथ यह कार्यक्रम ग्राहकों से जुड़ाव बढ़ाने और संपूर्ण ओनरशिप अनुभव को बेहतर बनाने के लिए तैयार किया गया है। इस पहल के बारे में किआ इंडिया के सीनियर वीपी, सेल्स एंड मार्केटिंग, श्री अतुल सूद ने कहा, "किआ इंडिया में हमारा लक्ष्य सिर्फ विश्वस्तरीय वाहन उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि ग्राहकों को गाड़ी चलाने और उसके रखरखाव का एक शानदार अनुभव देना भी है। हमारा यह समर रेडीनेस कैंप ग्राहकों की पहले से देखभाल करने के हमारे वादे को पूरा करता है। इससे ग्राहकों को गर्मियों की दिक्कतों से बचने में मदद मिलेगी और उनका सफर सुरक्षित और आरामदायक बनेगा। ऐसी कोशिशों से हम अपने ग्राहकों का भरोसा और उनके साथ अपने दीर्घकालिक संबंध और मजबूत करते रहेंगे।" यह कैंप ओनरशिप अनुभव को बेहतर बनाने के उद्देश्य से विभिन्न मुफ्त सेवाएं, लाभ और जुड़ाव गतिविधियां प्रदान करता है। इसके तहत वाहन की समग्र स्वास्थ्य जांच की जाएगी, जिसमें विशेष रूप से समर रेडीनेस और एसी परफॉर्मेंस पर ध्यान देते हुए 20-पॉइंट निरीक्षण शामिल होगा, ताकि गर्मियों के दौरान वाहन बेहतर प्रदर्शन कर सके। कार केयर सेवाओं के अंतर्गत एसी और समर केयर ट्रीटमेंट पर 20% तक का लाभ दिया जाएगा, जिससे भीषण गर्मी में बेहतर कूलिंग सुनिश्चित हो सके। समर रेडीनेस कैंप को आगामी गर्मी के मौसम की विशिष्ट चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार किया गया है। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि सभी किआ वाहन गर्मी का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार हों और ग्राहकों को एक सहज और सुरक्षित ड्राइविंग अनुभव मिले। ऐसी निरंतर पहलों के माध्यम से किआ इंडिया अपनी बिक्री के बाद की सेवाओं के तंत्र को मजबूत करता रहा है, जिससे अपने मूल्यवान ग्राहकों के लिए निरंतर प्रीमियम और भरोसेमंद ओनरशिप अनुभव सुनिश्चित होता है।

टाइगर श्रॉफ बने स्लोविक के ब्रांड एंबेसडर, नया अभियान भी शुरू

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

भारत के जाने-माने फिटनेस गियर और स्पोर्ट्स सामान के ब्रांड स्लोविक (SLOVIK) ने फिल्म अभिनेता और फिटनेस आइकन टाइगर श्रॉफ को अपना ब्रांड एंबेसडर बनाने की घोषणा की है। इस जुड़ाव को दर्शाते हुए, ब्रांड ने अपना नया अभियान 'स्लोविक : जिम घर लाओ' भी शुरू किया है। यह कैंपेन इस सोच पर आधारित है कि अगर रोज़मर्रा की भागदौड़ की वजह से जिम जाना मुश्किल हो रहा है, तो स्लोविक के साथ जिम को ही घर ले आओ। यह अनूठा अभियान ब्रांड की इस मूल मान्यता को दिखाता है कि फिटनेस किसी समय, स्थान या पहुंच तक सीमित नहीं होनी चाहिए। यह आसान, लचीली और हर किसी की पहुंच में होनी चाहिए। पुल-अप बार, रजिस्टेंस बैंड और ट्यूब, डंबल, एडजस्टेबल डंबल, योगा मैट और फिटनेस से जुड़ी दूसरी ज़रूरी वस्तुओं जैसे कई तरह के काम के वर्कआउट गियर के साथ, स्लोविक लोगों की ज़िंदगी को आसान बनाने और भारत के आम लोगों तक फिटनेस पहुंचाने का काम कर रहा है। इस लांचिंग के लिए यह समय बहुत महत्वपूर्ण है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, 2022 में भारत में 49.4% वयस्क शारीरिक रूप से ज़्यादा सक्रिय नहीं थे। वहीं, डेलोयट इंडिया और एचएफए की रिपोर्ट बताती है कि 2024 में भारत में फिटनेस सेंटर्स की मेंबरशिप सिर्फ़ 0.8% थी, और इस बाज़ार की 56% कमाई सिर्फ़ शीर्ष 10 शहरों से हुई थी। यह दिखाता है कि मेट्रो शहरों तक सीमित फिटनेस मॉडल से आगे भी विकास की बहुत गुंजाइश है। इस अवसर पर सिने अभिनेता टाइगर श्रॉफ ने कहा, "फिटनेस हमेशा से मेरे लिए जीने का एक तरीका रहा है, इसीलिए स्लोविक के ब्रांड एंबेसडर के तौर पर जुड़ना मुझे बिलकुल सही लगा। मैं अपने आप को ब्रांड के इस विज़न से जुड़ा हुआ महसूस करता हूँ कि फिटनेस को आसान, ज़्यादा सुलभ और रोज़मर्रा की ज़िंदगी का हिस्सा बनाया जाए।"

तनीश एडवरटाइजिंग के संस्थापक टॉप 10 एजेंसियों में सम्मानित

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

तनीश एडवरटाइजिंग के संस्थापक विशाल रमेश सावंत को "बेस्ट एडवरटाइजिंग एजेंसी" पुरस्कार से सम्मानित किया गया है, जिससे उन्हें टॉप 10 एडवरटाइजिंग एजेंसियों में स्थान प्राप्त हुआ है। यह पुरस्कार Soul Touch Media Pvt। Ltd। के संस्थापक देवदास चंदेरे तथा कोलकाता स्थित प्रतिष्ठित बंगाली समाचार पत्र Duranta Barta के आलोक नस्कर द्वारा प्रदान किया गया। यह सम्मान एजेंसी की रचनात्मक विज्ञापन क्षमता, रणनीतिक मार्केटिंग और क्लाइंट सफलता के प्रति उत्कृष्ट योगदान को दर्शाता है। विशाल सावंत के नेतृत्व में तनीश एडवरटाइजिंग ने नवाचार और परिणाम-आधारित अभियानों के माध्यम से एक मजबूत पहचान बनाई है। अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हुए विशाल सावंत ने यह पुरस्कार अपनी पूरी टीम को समर्पित किया और विज्ञापन उद्योग में नए मुकाम हासिल करने के अपने संकल्प को दोहराया।

दैनिक ठाणे, गुरुवार 9 अप्रैल, 2026
हिंदमाता मिरर
पैनी नजर, पुख्ता खबर

‘श्री बाबा नीब करोरी महाराज’ का टीजर हुआ रिलीज

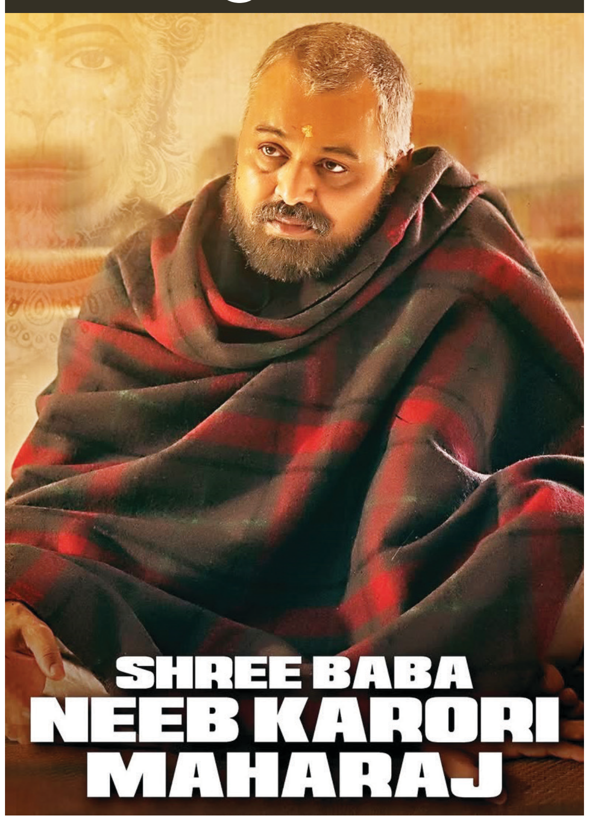

नीम करोली बाबा की जिंदगी पर कई फिल्में बन रही हैं। इनमें से एक फिल्म है ‘श्री बाबा नीम करोली महाराज’। इसका टीजर आज कुछ ही देर पहले रिलीज कर दिया गया है। यह फिल्म 24 अप्रैल को रिलीज होगी। इसमें अभिनेता सुबोध भावे नीम करोली बाबा का किरदार निभा रहे हैं।

टीजर में क्या है खास?

‘श्री बाबा नीब करोरी महाराज’ के टीजर की शुरुआत सुबोध भावे की एंट्री से होती है, जो नीम करोली बाबा के रूप में गहरी समाधि में बैठे दिख रहे हैं। फिर उनकी आवाज सुनाई देती है– ‘ये देख, मैं आ गया हूं तेरे लिए। इसी दिन का इंतजार था ना तुझे? देख, मैं तेरे सामने खड़ा हूं।’ टीजर में राजेश शर्मा को भी हाथ जोड़ते हुए दिखाया गया है।

कौन हैं सुबोध भावे?

सुबोध भावे एक अभिनेता, लेखक, निर्देशक और निर्माता हैं। वह मुख्य रूप से मराठी फिल्मों में प्रसिद्ध हैं। उन्होंने साल 2000 में टीवी से शुरुआत की। उन्होंने ‘गीत रामायण’, ‘अवंतिका’ और ‘कुलवधू’ जैसे सीरियल किए। 2002 से मराठी फिल्मों में काम किया। उनकी कुछ चर्चित फिल्मों में ‘मन पखारू पखारू’, ‘रणभूल’, ‘अनुमती’, ‘फुगे’, ‘हृदयांतर’, ‘बालगंधर्व’, ‘लोकमान्य’ शामिल हैं। वह ‘कट्यार कलजात घुसली’ फिल्म के निर्देशक भी हैं, जो मराठी सिनेमा की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक है। उन्हें फिल्मफेयर का बेस्ट डायरेक्टर अवॉर्ड भी मिला था।

कब रिलीज होगी ‘श्री बाबा नीब करोरी महाराज’

फिल्म ‘श्री बाबा नीब करोरी महाराज’ में सुबोध भावे के अलावा ये कलाकार भी नजर आएंगे। इस लिस्ट में हितेन तेजवानी, राजेश शर्मा, स्मिता तांबे, मिलिंद गुणाजी, अनिरुद्ध दवे, समीक्षा भटनागर, गौरीशंकर, हेमंत पांडे, आरती नागपाल जैसे कलाकार शामिल हैं। फिल्म का निर्देशन शरद सिंह ठाकुर ने किया है। यह फिल्म 24 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

कौन थे नीम करोली बाबा?

नीम करोली बाबा 20वीं सदी के बहुत बड़े संत थे। लोग उन्हें हनुमान का अवतार मानते हैं। उनका जन्म उत्तर प्रदेश के अकबरपुर में हुआ था। उनका असली नाम लक्ष्मीनारायण शर्मा था। सिर्फ 11 साल की उम्र में उन्होंने घर छोड़ दिया और आध्यात्मिक साधना में लग गए। वह भक्तों की समस्याएं तुरंत समझ जाते थे और उन्हें हल कर देते थे। आज भी बहुत से लोग उन्हें मानते हैं। अनुष्का शर्मा, विराट कोहली, सामंथा रुथ प्रभु, कैलाश खेर जैसे कई सेलिब्रिटी उनके भक्त हैं और कैंची धाम जाते हैं। यह फिल्म उनके जीवन पर आधारित है।

पुलकित सम्राट की ‘ग्लोरी’ का टीजर रिलीज

पुलकित सम्राट और दिव्येंदु शर्मा स्टारर स्पोर्ट्स थ्रिलर ‘ग्लोरी’ का टीजर आज सामने आया है। रोमांस छोड़कर इस बार पुलकित बॉक्सिंग करते नजर आएंगे। टीजर को देखने के बाद फैंस इस सीरीज के लिए और पुलकित सम्राट को इस अंदाज में देखने के लिए काफी उत्सुक हैं।

टीजर में क्या दिखा?

हरियाणा की ब्रूटल और इमोशनली चार्ज बॉक्सिंग की दुनिया पर आधारित ‘ग्लोरी’ का टीजर पारंपरिक स्पोर्ट्स ड्रामा से इतर एक जटिल कहानी की ओर इशारा करता है। इसमें बदला, महत्वाकांक्षा और टूटे हुए रिश्ते आपस में टकराते हैं। 1 मिनट 11 सेकंड के इस टीजर में बॉक्सिंग, मर्डर, सस्पेंस, पॉवर और थ्रिलर देखने को मिलता है। टीजर में त्याग, बलिदान और कष्ट की बात की जाती है।

1 मई से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम करेगी सीरीज

करण अंशुमन और कनिष्क वर्मा द्वारा निर्देशित ‘ग्लोरी’ में दिव्येंदु शर्मा और पुलकित सम्राट प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। इसके अलावा सीरीज में ‘धुरंधर’ फेम सुविंदर विक्की, आशुतोष राणा, यशपाल शर्मा और सिकंदर खेर भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। एटॉमिक फिल्म्स के तहत निर्मित ‘ग्लोरी’ 1 मई से ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम करेगी।

पुलकित और दिव्येंदु के लिए महत्वपूर्ण है ‘ग्लोरी’

पुलकित सम्राट और दिव्येंदु शर्मा के लिए ‘ग्लोरी’ काफी अहम है, क्योंकि दोनों को अपने करियर में एक बड़ी सफलता की जरूरत है। पुलकित सम्राट के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो आखिरी बार ‘राहु केतु’ में नजर आए थे। जबकि दिव्येंदु शर्मा आखिरी बार पिछले साल रिलीज हुई ‘साली मोहब्बत’ में नजर आए थे। उनकी आगामी फिल्म में राम चरण की पैन इंडिया फिल्म ‘पेद्दी’ भी शामिल है।

‘कॉकटेल 2’ का पहला गाना ‘जब तलक’ रिलीज

मैडॉक फिल्म्स ने ‘कॉकटेल 2’ के पहले गाने ‘जब तलक’ की झलक दिखा दी है, जो पूरी तरह से समर वाली हवा, रोमांस और दोस्ती का फुल ऑन तड़का है। ये ट्रैक उस यंग, सन–किस्ड वाइब को कैप्चर करता है जो फिल्म की दुनिया को डिफाइन करता है, और सेट करता है एक मॉडर्न कहानी का मूड—प्यार, यारी और बेफिक्र छुट्टियों के मजेदार पल।

■ लव रंजन और तरुण जैन की लिखी ये कहानी, ‘कॉकटेल’ की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए एक नया, फ्रेश ट्विस्ट लेकर आती है। प्रीतम का म्यूज़िक, अरिजीत सिंह और अकासा की आवाज और अमिताभ भट्टाचार्य के दिल छू लेने वाले बोल– ‘जब तलक’ दिल की फीलिंग्स और छुट्टियों वाली चिल एनर्जी का परफेक्ट कॉम्बो है। एक ऐसा गाना जो प्यार, दोस्ती और समर की यादों को सेलिब्रेट करता है। शाहिद कपूर कहते हैं, जब तलक हम सबके लिए बहुत खास है, खासकर क्योंकि ये ‘कॉकटेल 2’ का पहला गाना है। शूट के दौरान सेट पर इतनी पॉजिटिव एनर्जी थी—हमने सच में बहुत मजे किए। सब कुछ इतना आसान, गर्मजोशी भरा और नैचुरल लगा, और मुझे लगता है वो स्क्रीन पर भी दिखेगा। मुझे पूरा यकीन है कि लोग इस गाने की आनेस्टी और खुशी से कनेक्ट करेंगे।

■ कृति सेनन ने कहा कि जब तलक में एक बेहद प्यारी, फील – गुड वाइब है। इसे शूट करना ऐसा था जैसे दोस्तों के साथ परफेक्ट समर जी रहे हों—हंसी, म्यूज़िक और ढेर सारी मस्ती, वो भी सिसली के खूबसूरत बैकड्रॉप में। शाहिद और रश्मिका के साथ शूट करना धमाकेदार था, और मजेदार ये था कि इंटरनेशनल क्रू और डांसर्स भी गाने की धुन में खो गए थे! रश्मिका मंदाना कहती हैं, मेरे लिए ‘जब तलक’ प्यार, दोस्ती और उन बेफिक्र छुट्टियों के पलों के बारे में है जिन्हें आप हमेशा संभाल कर रखना चाहते हो। गाने में एकदम एकदम हवादार और खुशनुमा माहौल है। और शाहिद और कृति के साथ काम करना तो सुपर फन था!

■ प्रीतम बताते हैं, मैडॉक टीम को म्यूज़िक से खास प्यार है, और इस बार ‘#जबतलक’ के लिए आइडिया था ऐसा गाना बनाना जो हल्का, ब्रीजी और दिल से इमोशनल हो अमिताभ के दिलचस्प बोल और अरिजीत व अकासा की वर्सेटिलिटी ने उस मूड को पूरी तरह जिंदा कर दिया! अपने कैची ट्यून, बीचसाइड वॉर्म्थ और झूमने पर मजबूर कर देने वाली धुन के साथ ‘जब तलक’ सेट कर रहा है ‘कॉकटेल 2’ का परफेक्ट माहौल—जहां म्यूज़िक सिर्फ सुना नहीं जाता, महसूस भी किया जाता है।

मृणाल के साथ दिखेंगे वरुण

डेविड धवन द्वारा निर्देशित फिल्म ‘है जवानी तो इश्क होना है’ से आज वरुण धवन ने एक और नया लुक शेयर किया है। हाल ही में वरुण ने अपनी इस फिल्म से पूजा हेगड़े के साथ एक रोमांटिक लुक शेयर किया था। वहीं वरुण ने मृणाल ठाकुर के साथ रोमांटिक पोज शेयर कर फैंस को सरप्राइज कर दिया है।

वरुण धवन का पोस्ट

वरुण धवन ने आज अपनी फिल्म ‘है जवानी तो इश्क होना है’ के सेट से मृणाल के साथ तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर के साथ वरुण ने कैप्शन में लिखा कि लेकिन जवानी में इश्क बार–बार होता है। 7 अप्रैल को वरुण ने ठीक एक दिन पहले इसी फिल्म से पूजा हेगड़े के साथ अपनी एक रोमांटिक तस्वीर शेयर की थी। जिसके साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा कि इश्क सिर्फ एक बार होता है।

कब रिलीज होगी ‘है जवानी तो इश्क होना है’

फिल्म ‘है जवानी तो इश्क होना है’ के जरिए वरुण अपने पिता डेविड के साथ चौथी बार जुड़ रहे हैं। इससे पहले पिता–पुत्र की जोड़ी फिल्म ‘मैं तेरा हीरो’ (2014), ‘जुड़वा 2’ (2017), और ‘कुली नंबर 1’ (2020) में साथ काम कर चुकी है। फिल्म ‘है जवानी तो इश्क होना है’ 12 जून, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। पहले इसे 5 जून को रिलीज करने की योजना थी, लेकिन यश अभिनीत ‘टॉक्सिक’ के साथ क्लैश से बचने के लिए तारीख को आगे खिसका दिया गया।

पढ़ाई पर ध्यान दो और नशे–शराब से दूर रहो: रजनीकांत

75 साल की उम्र में भी मेगास्टार रजनीकांत फिल्मों में सक्रिय हैं। मेगास्टार रजनीकांत ने युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण बात कही है। उन्होंने कहा कि युवाओं को अपनी पढ़ाई और भविष्य पर ध्यान देना चाहिए, न कि नशे या शराब जैसी बुरी आदतों में पड़ना चाहिए।

युवाओं के लिए रजनीकांत का खास संदेश

चेन्नई एयरपोर्ट के बाहर मीडिया से बात करते हुए रजनीकांत ने कहा कि युवा अपने जीवन के बारे में गंभीरता से सोचें। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर युवा गलत रास्ते पर चले तो उनकी जिंदगी जहन्नुम बन सकती है। रजनीकांत ने युवाओं से अपील की कि वे अनुशासन में रहें, पढ़ाई करें और अच्छी आदतें अपनाएं। रजनीकांत ने कहा कि युवाओं को अपनी शिक्षा और भविष्य पर ध्यान देना चाहिए। स्वस्थ रहें। नशे या शराब के आदी न बनें। अगर आपको चोट लगी तो यह सिर्फ आपका ही नहीं, आपके माता–पिता और परिवार का भी नुकसान है। जिंदगी न सिर्फ आपके लिए, बल्कि आपके प्रियजनों के लिए भी नर्क बन सकती है। अगर आपका कोई दोस्त नशा करता है तो उसके पास न जाएं।

इन फिल्मों में नजर आएंगे रजनीकांत

रजनीकांत की फिल्म ‘जेलर 2’ की शूटिंग पूरी हो चुकी है और अब पोस्ट–प्रोडक्शन चल रहा है। ‘जेलर 2’ 2023 की सुपरहिट तमिल फिल्म का बहुप्रतीक्षित सीक्वल है, जिसे नेल्सन दिलीप कुमार निर्देशित कर रहे हैं। यह फिल्म 12 जून 2026 को रिलीज होने की उम्मीद है। फिल्म में रजनीकांत ‘टाइगर’ मुथुवेल पांडियन की भूमिका में लौटेंगे और शाहरुख खान और मिथुन चक्रवर्ती जैसे सितारों के कैमियो होने की खबर है। इसके अलावा रजनीकांत ‘थलाइवर 173’ फिल्म में भी काम कर रहे हैं, जिसका निर्देशन सिबी चक्रवर्ती कर रहे हैं। ‘थलाइवर 173’ को जिसे कमल हासन की प्रोडक्शन कंपनी निर्मित कर रही है। अप्रैल 2026 में शूटिंग शुरू हो चुकी है। यह फिल्म पोंगल 2027 में रिलीज हो सकती है।

वैभव सूर्यवंशी के इंटरनेशनल डेब्यू में देरी ठीक नहीं

वैभव सूर्यवंशी लगातार चर्चा में हैं। उन्हें टीम इंडिया में लाने की मांग भी जोर पकड़ती जा रही है। हर धुरंधर पारी के साथ ये शोर तेज हो रहा है। मंगलवार को मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच में 15 साल के इस खिलाड़ी ने सिर्फ 14 गेंदों में 39 रन की पारी खेली। 1 चौका और 5 छक्के जड़े। जसप्रीत बुमराह के एक ओवर में दो गगनचुंबी छक्के जड़े। मौजूदा दौर के दुनिया के सबसे खतरनाक गेंदबाज माने जाने वाले बुमराह का अक्सर बल्लेबाजों पर दबदबा दिखता है लेकिन 15 साल के इस लड़के ने उन्हें ऐसे खेला जैसे वर्षों से उनकी गेंदें खेलता आ रहा हो। वैभव सूर्यवंशी अपने दमदार प्रदर्शन से टीम इंडिया की दहलीज पर लगातार दस्तक दे रहे हैं। बीसीसीआई के चीफ सिलेक्टर अजीत अगरकर के लिए सूर्यवंशी के इंटरनेशनल डेब्यू में और देरी करना समझदारी नहीं कहलाएगा।

समय आ गया, वैभव सूर्यवंशी को मिले इंडिया का कैप

वैभव सूर्यवंशी अब 15 साल के हो चुके हैं और बीसीसीआई के प्रोटोकॉल के हिसाब से भी वह अब सीनियर टीम की तरफ से खेलने के योग्य हो चुके हैं। इसके लिए वह हर जरूरी मापदंड को भी पूरा कर रहे हैं। उन्होंने तकरीबन हर बॉक्स को टिक कर लिया है। वैभव सूर्यवंशी इंडिया ए और अंडर–19 टीम का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। वह इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेल चुके हैं। उन्होंने इन सभी देशों में शतक जड़े हैं। और तो और अंडर–19 वर्ल्ड कप भी जीता है जिसके फाइनल में तूफानी शतक जड़ा था। अगला कदम तो स्वाभाविक तौर पर यही होना चाहिए कि अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति इस वंडर बॉय को इंडिया का कैप पहनाए।

इस साल से बेहतर टाइमिंग कुछ और नहीं

वैसे भी कहा जाता है कि लोहे पर तब हथौड़ा चलाइए, जब वह गरम हो। टाइमिंग बहुत महत्वपूर्ण होती है। वैभव सूर्यवंशी के इंटरनेशनल डेब्यू के लिए इससे बेहतर मौका कोई हो ही नहीं सकता। अगर वह इस साल वाइट बॉल क्रिकेट में इंटरनेशनल डेब्यू कर लेते हैं तो अगले साल होने वाले वनडे वर्ल्ड कप के लिए भी भारत के लिए एक मजबूत विकल्प भी साबित हो सकते हैं।

वैभव सूर्यवंशी का बैटिंग देखना अद्भुत: हार्दिक पांड्या

मैच के बाद हार्दिक पांड्या ने वैभव सूर्यवंशी को लेकर कहा कि एक 17 या 16 साल के लड़के को उस तरह खेलते देखना जिस तरह वह खेलता है, बहुत ही मोहक है। उसी समय हम लोग मैच की तैयारी के दौरान भी उसके बारे में इतना चर्चा किए। इसलिए वह जिस तरह की बल्लेबाजी कर रहा है, जिस तरह की उसके पास निडरता है, जिस तरह के शॉट है, उसे देखना अद्भुत है। मैं उसे भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता हूं। वैभव सूर्यवंशी आईपीएल के दौरान ये नाम हर किसी के जुबान पर है मंगलवार को मुंबई इंडियंस के खिलाफ बारिश से प्रभावित मैच में उन्होंने जिस तरह जसप्रीत बुमराह की गेंदों पर 2 छक्के जड़े, उसकी चर्चा हर तरफ है।

अल्लू अर्जुन ठुकरा चुके हैं कई हिट फिल्मों के ऑफर

साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन 8 अप्रैल को अपना बर्थडे सेलिब्रेट कर रहे हैं। फिल्म ‘पुष्पा : द राइज’ से अल्लू अर्जुन की लोकप्रियता में जबरदस्त इजाफा हुआ है। अल्लू अर्जुन ने अपने करियर की शुरुआत महज 2 साल की उम्र में बतौर चाइल्ड एक्टर से की थी। बतौर हीरो अल्लू अर्जुन पहली बार फिल्म ‘गंगौत्री’ में नजर आए थे। अल्लू अर्जुन की 30 फिल्मों में तकरीबन 27 फिल्में हिट हुई है। अल्लू अर्जुन किसी फिल्म में अभिनय करने के लिए करीब 16 से 18 करोड़ रुपए फीस लेते हैं।

■ अल्लू अर्जुन कई सुपरहिट फिल्मों के ऑफर भी ठुकरा चुके हैं। इनमें सबसे ऊपर फिल्म ‘अर्जुन रेड्डी’ का नाम है। इसके अलावा वह ओका लैला कोसम, भद्र, गीता गोविंदम, डिस्को राजा, जानू, अरविंदा समेथा, 100 परसेंट लव और गैंग लीडर जैसी साउथ की हिट फिल्मों के ऑफर ठुकरा चुके हैं। अल्लू अर्जुन का पूरा परिवार ही फिल्म इंडस्ट्री से जुड़ा हुआ है। उनके दादा अल्लू रामलिंगय्या एक्टर के साथ–साथ एक कॉमेडियन थे। अल्लू अर्जुन के पिता अल्लू अरविंद साउथ इंडस्ट्री का एक बड़ा नाम हैं। वे एक प्रोड्यूसर हैं। अल्लू अर्जुन के फूफा चिरंजीवी साउथ फिल्मों के सुपरस्टार हैं।

‘राका’ के टाइटल पोस्टर में अल्लू अर्जुन का नया लुक

इंडिया के सबसे बड़े स्टार अल्लू अर्जुन जानते हैं कि अपनी शानदार परफॉर्मेंस और अनोखे अंदाज से दर्शकों को कैसे हैरान करना है। इंडस्ट्री में 23 साल बिताने के बाद भी, वो जिस तरह से नई ऊंचाइयों को छू रहे हैं, वैसा कोई और नहीं कर सकता। अपने जन्मदिन को एक और यादगार पल बनाते हुए, अल्लू अर्जुन ने एटली के साथ अपनी फिल्म का मोस्ट–अवेयटेड टाइटल पोस्टर रिलीज किया है, जिसका नाम ‘राका’ रखा गया है।

■ पोस्टर में उनका एक चौंकाने वाला और पूरी तरह बदला हुआ लुक दिख रहा है, जिसमें एक भेड़िये जैसा बालों वाला हाथ और नुकीले नाखून उनके चेहरे को थोड़ा ढक रहे हैं। इसके साथ ही उनका आधा गंजा सिर और तीखे हाव–भाव इसे और भी खतरनाक बना रहे हैं। यह एक बहुत ही हिम्मत वाला अवतार है, जो पहले कभी नहीं देखा गया और तुरंत सबका ध्यान खींच लेता है। अपने हर किरदार को पूरी तरह जीने के लिए मशहूर अल्लू अर्जुन ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि उनका कोई मुकाबला नहीं है।

■ इंटरनेट पर इसे लेकर जबरदस्त जश्न शुरू हो गया है और सोशल मीडिया पर रिएक्शन्स की बाढ़ आ गई है। फैंस इस बात पर यकीन नहीं कर पा रहे हैं कि उनका यह ट्रांसफॉर्मेशन कितना शानदार और अनपेक्षित है, जिसने इस बर्थडे सरप्राइज को एक बड़े धमाके में बदल दिया है। लोग सिनेमा के प्रति उनके समर्पण और खुद को बदलने की उनकी हिम्मत की तारीफ कर रहे हैं।

■ ‘राका’ के साथ अल्लू अर्जुन और मशहूर फिल्म मेकर एटली की वो जोड़ी साथ आ रही है जिसका सबको बेसब्री से इंतजार था, क्योंकि एटली अपनी भव्य और मास एंटरटेनर फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। एक्साइटमेंट को और बढ़ाते हुए, इस फिल्म में पहली बार अल्लू अर्जुन और दीपिका पादुकोण की जोड़ी भी एक साथ नजर आएगी। प्रेजेंस और स्केल के मामले में बेमिसाल होने वाला है।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक नरेश पी. बजाज द्वारा बैरक नंबर 887/27 सेक्शन 18, उल्हासनगर –421 003, जिला ठाणे से प्रकाशित व सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, आमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट, सोनवाला क्रॉस रोड –2, जवाहरनगर के पास, फाटक पुल, गोरेगांव, मुंबई –63, (महाराष्ट्र) से मुद्रित।
दूरध्वनि: 0251– 3238100, **कार्यकारी संपादक:** पंजू बजाज (पी. आर. बी. एक्ट के तहत कंटेट चयन के लिए जिम्मेदार) न्याय क्षेत्र ठाणे जिला। hindmatamirror1@gmail.com RNI. NO. MAHHIN/2011/43060 **स्थानीय संपादक:** शिवप्रताप